हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com भोपाल, रविवार 8 मार्च 2026

अंतर्राष्ट्रीय

महिला दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में नारी सशक्तिकरण एक नए मिशन में बदल गया है, जहां प्रदेश की हर महिला प्रगति के पथ पर एक स्वावलंबी भागीदार है

मध्यप्रदेश के प्रगतिशील परिवर्तन की स्वावलंबी भागीदार नारी शक्ति

सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण

- 1.25 करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों को हर माह ₹1500 की सहायता से सुनिश्चित हो रहा **आर्थिक स्वावलंबन**
- महिलाओं के नाम संपत्ति पर रजिस्ट्री शुल्क में 2% विशेष रियायत से मिला भूमि और संपत्ति पर अधिकार
- 62 लाख **महिलाएं स्व-सहायता** समूहों से जुड़कर हुईं आत्मनिर्भर
- **'लखपति दीदी योजना'** से 12 लाख+ महिलाओं की वार्षिक आय हुई ₹1 लाख से अधिक
- 89 लाख महिलाओं को **उज्ज्वला** गैस कनेक्शन और लाड़ली बहनों को **₹450 में सस्ते गैस सिलेंडर से मिली** रसोई में राहत
- 'एक बगिया माँ के नाम' अभियान से कृषि में बढ़ रही भागीदारी

प्रशासनिक-राजनीतिक भागीदारी

- शासकीय नौकरियों में **35% तक आरक्षण** से बढ़ी प्रशासनिक एवं निर्णयकारी पदों पर महिलाओं की मौजूदगी
- पंचायत एवं नगरीय निकायों में **50% तक आरक्षण से मिली लोकतंत्र** में ऐतिहासिक भागीदारी

सुरक्षा ने बढ़ाया आत्मविश्वास

- **'वन स्टॉप सेंटर'** से हिंसा पीड़िता को एक ही स्थान पर स्वास्थ्य और कानूनी परामर्श, हर जिले में सुरक्षित एवं त्वरित सहायता
- थानों में विशेष **महिला हेल्प डेस्क**
- संकट की स्थिति में डायल **181/1098** या **112** पर तुरंत सहायता
- छात्राओं एवं कार्यरत महिलाओं के लिए **सुरक्षित और किफायती छात्रावास**

शिक्षा एवं रोज़गार के अवसरों तक पहुंच

- जन्म से उच्च शिक्षा तक आर्थिक सहायता दे रही **लाड़ली लक्ष्मी योजना**
- जन्मदर सुधार, शिक्षा प्रोत्साहन और बालिकाओं की सुरक्षा पर केंद्रित अभियान **बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ**
- **एमएसएमई** इकाइयों में महिलाओं को प्रोत्साहन, 47% से अधिक एमएसएमई महिलाओं के नेतृत्व में संचालित
  - कौशल, परामर्श और आर्थिक सशक्तिकरण हेतु **हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वुमन** एकीकृत केंद्र संचालित
  - कौशल और रोज़गार सहायता के लिए **'हम होंगे कामयाब' कार्यक्रम**

स्वास्थ्य की बेहतरी

- **प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना** से गर्भवती एवं धात्री माताओं को पोषण सहायता
- **जननी सुरक्षा योजना** से ग्रामीण और शहरी गरीब परिवारों की गर्भवती महिलाओं को सीधी सहायता
- गर्भवती एवं धात्री माताओं के लिए पोषण तथा बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा हेतु **आंगनवाड़ी सेवाएं**
- मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में जागरूकता हेतु **सुमन सखी चैटबॉट** की शुरुआत

डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश

D-11217/25

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

जेपी अस्पताल के हालात बुरे: निजी वाहनों से मरीजों को किया जा रहा रेफर

कबाड़ में तब्दील हो रहीं महीनों से खड़ीं नई एंबुलेंस, खा रहीं धूल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी के जेपी अस्पताल में सरकारी एंबुलेंस का उपयोग नहीं होने के कारण वे धीरे-धीरे कबाड़ में तब्दील होती जा रही हैं। अस्पताल परिसर में खड़ी कई नई एंबुलेंस महीनों से बिना उपयोग के धूल खा रही हैं। इन एंबुलेंस के सीट कवर तक नहीं हटाए गए हैं, जिससे साफ पता चलता है कि इन्हें अब तक सेवा में शामिल ही नहीं किया गया।

रेफर मरीजों को नहीं मिल रही एंबुलेंस सुविधा

अस्पताल में इलाज के दौरान जब किसी मरीज की हालत गंभीर होने पर उसे दूसरे अस्पताल के लिए रेफर किया जाता है, तब उसे सरकारी एंबुलेंस की सुविधा नहीं मिल पाती। ऐसी स्थिति में मरीजों और उनके परिजनों को मजबूर होकर निजी वाहन या किराए की एंबुलेंस का सहारा लेना पड़ता है। इससे मरीजों पर खर्च का बोझ बढ़ जाता है और कई बार इलाज में देरी भी हो जाती है। जानकारी के अनुसार अस्पताल परिसर में खड़ी कई एंबुलेंस में ऑक्सीजन सिलेंडर और प्राथमिक उपचार के आवश्यक उपकरण तक उपलब्ध नहीं हैं। यही कारण है कि इन एंबुलेंस का उपयोग मरीजों को ले जाने के लिए नहीं किया जा रहा है।

मामले की जांच कराई जाएगी

इस मामले की जांच जल्द कराई जाएगी, अगर ऐसा कोई मामला संज्ञान में आता है तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

डॉ. मनीष शर्मा, सीएमएचओ

राजस्व वसूली शिविरों में करदाताओं ने जमा कराए 1 करोड़ 94 लाख

भोपाल। नगर निगम द्वारा राजस्व वसूली को लेकर शनिवार को शहर के 85 वार्डों सहित 169 स्थानों पर राजस्व शिविर लगाए गए। इन शिविरों में करदाताओं ने संपत्तिकर, जल उपभोक्ता प्रभार, ठोस अपषिष्ट प्रबंधन प्रभार सहित अन्य करों का भुगतान किया। सभी 21 जोनों के 85 वार्ड कार्यालयों सहित 169 स्थानों पर लगे शिविरों में शहर के 2465 करदाताओं ने 1 करोड़ 94 लाख 20 हजार 870 रूपए निगम कोष में जमा कराए।

■ **नगर निगम द्वारा शहर के सभी 85 वार्डों सहित 169 स्थानों पर राजस्व शिविरों का किया आयोजन**

सीएम डॉ. यादव ने की कड़ी निंदा

ममता बनर्जी ने किया राष्ट्रपति पद का अपमानः मुख्यमंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के पश्चिम बंगाल प्रवास के दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा जो अमर्यादित व्यवहार किया गया है जो निंदनीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोकतंत्र के सर्वोच्च और प्रतिष्ठित राष्ट्रपति का पद राजनीति से ऊपर है और ऐसे समय में जब राष्ट्रपति उनके राज्य के दौरे पर हैं, तब उनको राष्ट्र के सर्वोच्च पद पर आसीन व्यक्तित्व की गरिमा का पूरा ध्यान रखना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ऐसे हालात बनाना, जिसमें दुनिया में हमारे राष्ट्रपति के पद का अपमान होता हो, यह किसी भी राज्य के मुख्यमंत्री को शोभा नहीं देता।

उन्होंने कहा कि मैं इसकी कटु शब्दों में निंदा करता है। आश्चर्य की बात यह है कि इसको हल्की राजनीति का हिस्सा बनाते हुए स्थानीय और दलीय राजनीति में घसीटने का कृत्य भी हुआ है जो घृणित मानसिकता का उदाहरण है। मैं इसकी निंदा करता हूं। इसके लिए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री को माफी माँगना चाहिए।

राष्ट्रीय संगोष्ठी नेत्रम-2026 का आयोजन 12 से

भोपाल। नेत्र स्वास्थ्य पर आयुर्वेद की उन्नत चिकित्सा पद्धतियों पर पंडित खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं संस्थान में 12 एवं 13 मार्च को एडवांस इन आयुर्वेद विषय पर नेत्र स्वास्थ्य से संबंधित द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी नेत्रम 2026 का आयोजन किया जा रहा है। संगोष्ठी में आयुर्वेद के माध्यम से नेत्र रोगों की रोकथाम, उपचार तथा आधुनिक जीवनशैली से उत्पन्न नेत्र समस्याओं के समाधान पर विशेष चर्चा की जाएगी। संस्थान के प्राचार्य डॉ. उमेश शुक्ला ने बताया कि इस संगोष्ठी में देश के विभिन्न आयुर्वेदिक संस्थानों से आए हुए विशेषज्ञ चिकित्सक, नेत्र रोग विशेषज्ञ, शिक्षाविद् एवं शोधकर्ता भाग लेंगे।

विधायक शर्मा ने खेली फूलों की होली

सनातन संस्कृति का हर त्यौहार हमें सिखाता है एकता का पाठ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शनिवार को हुजूर के विधायक रामेश्वर शर्मा द्वारा मालवीय नगर स्थित युवा सदन कार्यालय पर होली मिलन समारोह का आयोजन कराया गया। समारोह में बड़ी संख्या में उपस्थित भोपाल के सनातनी नागरिकों के साथ विधायक ने जमकर होली खेली, जहां फूलों की बौछार के बीच लोगों ने एक दूसरे को शुभकामनाएं देकर होली मनाई। कार्यक्रम में कर्मश्री एवं भाजपा के कार्यकर्ताओं के साथ बड़ी संख्या में स्थानीय गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग भी सम्मिलित हुए। आयोजन में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि होली हमारी सांस्कृतिक उत्साह और एकता का पर्व है।

जहां हर मन में उमंग और हर हाथ में रंग लेकर लोग जमकर होली खेलते हैं। यह केवल रंगों का उत्सव नहीं है बल्कि सनातन की उत्सवधर्मिता में सामूहिकता का महोत्सव है।

जेडओ-वार्ड प्रभारियों के तबादला आदेश में किया गया संशोधन

भोपाल। नगर निगम के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा चार दिन पहले जेडओ और वार्ड प्रभारियों के तबादला आदेश में संशोधन किया है। इस आदेश के तहत जोन-21 के जेडओ मोहन जाट को दोबारा उसी जोन में पदस्थ किया गया है। वार्ड-7 के प्रभारी मोहित मालवीय को जोन-2 के जेडओ का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

जबकि सहायक राजस्व निरीक्षक नीलेश पटेल पहले की तरह वार्ड-26 के प्रभारी का कार्य देखेंगे। उल्लेखनीय है कि दो मार्च को जारी आदेश के तहत सहायक राजस्व निरीक्षण अभय चतुर्वेदी जोन-2 के जोनल अधिकारी थे उन्हें निगम के योजना प्रकोष्ठ में भेजा गया है।

शहर में उत्साह के साथ मनाया गया आठवां जन औषधि दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी भोपाल में आठवा जन औषधि दिवस उत्साह के साथ मनाया गया और इसके साथ ही 1 मार्च से चल रहा जन औषधि सप्ताह भी संपन्न हुआ। मुख्य समारोह मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी महाविद्यालय परिसर में आयोजित किया गया जिसमें मंत्री विश्वास सारंग मुख्य अतिथि थे। इसके अतिरिक्त संजय जैन अध्यक्ष फॉमेर्सी कौंसिल तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन से डॉ प्रभाकर तिवारी विशेष अतिथि के तौर पर शामिल हुए।

प्रधानमंत्री जन औषधि परियोजना के अंतर्गत देश में 18000 से अधिक जन औषधि केंद्र बाजार

से आधे से भी कम दामों में गुणवत्तापूर्ण औषधिया इत्यादि उपलब्ध करवा रहे हैं। इसे आम नागरिकों के मध्य लोकप्रिय बनाने के लिए हर वर्ष 7 मार्च को जन औषधि दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा मप्र के शीर्ष पांच उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जनऔषधि केंद्रों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन को जनऔषधि परियोजना के लाभों एवं सस्ती दवाइयों की उपलब्धता के प्रति जागरूक करना रहा।

14 को आयोजित होगा देवलिया स्मृति व्याख्यान

भोपाल। राज्य स्तरीय भुवनभूषण देवलिया पत्रकारिता सम्मान अलंकरण समारोह एवं व्याख्यान शनिवार 14 मार्च को माधवराव सप्रे समाचार पत्र संग्रहालय एवम शोध संस्थान में सुबह 11 बजे से होगा। व्याख्यान का विषय है- पत्रकारिता में महिलाओं की चुनौतियां'। मुख्य वक्ता होंगी देश की जानी मानी वरिष्ठ पत्रकार जयंती रंगनाथन। समारोह की अध्यक्षता डॉ. साधना बलवटे करेंगी। देवलिया स्मृति व्याख्यानमाला समिति के मनवानी ने बताया कि व्याख्यान मौजूदा समय के सर्वाधिक चर्चित मुद्दे या पत्रकारिता के लिए महत्वपूर्ण विषय पर केन्द्रित होता है। समिति राज्य स्तरीय भुवनभूषण देवलिया पत्रकारिता सम्मान अलंकरण में सम्मान स्वरूप 11 हजार रूपए एवं प्रशस्तिपत्र प्रदान करती है।

12 वर्षीय छात्रा जाफिरा असद ने शिक्षा और सेवा के क्षेत्र में दिखाई अपनी अद्भुत प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी की कक्षा 7वीं की 12 वर्षीय छात्रा जाफिरा असद अपनी उम्र से कहीं अधिक प्रेरणादायक समर्पण और समाज सेवा का उदाहरण पेश कर रही हैं। जाफिरा ने कक्षा 1 से ही अपने ज्ञान और प्रतिभा के माध्यम से दूसरों को सशक्त बनाने की यात्रा शुरू कर दी थी। अपने कम उम्र के बावजूद पढ़ाई से वंचित छात्रों को को विज्ञान और गणित पढ़ाती हैं। वह जटिल विषयों को प्रयोगात्मक और रोचक तरीकों से समझाती हैं, जिससे छात्रों को विषयों को सरलता से समझने में मदद मिलती है। छात्रा की मौसी हर्षिनी सोशल वेलफेयर फाउंडेशन से जुड़ी है। उन्हीं को देखकर प्रेरणा मिली है। जाफिरा कुशल शतरंज खिलाड़ी भी हैं और कई पुरस्कार अपने नाम कर चुकी हैं।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस विशेष

महिला सशक्तिकरण क्या है ?

महिला सशक्तिकरण को बेहद आसान शब्दों में परिभाषित किया जा सकता है कि इससे महिलाएं शक्तिशाली बनती है जिससे वह पअने जीवन से जुड़े हर फैसले स्वयं ले सकती हे और परिवार और समाज में अच्छे से रह सकती है। समाज में उनके वास्तविक अधिकार को प्राप्त करने के लिए उन्हें सक्षम बनाना महिला सशक्तिकरण है। इसमें ऐसी ताकत है कि वह समाज और देश में बहुत कुल बदल सके। वह समाज में किसी समस्या को पुरूषों से बेहतर ढंग से निपट सकती है।

'महिला सशक्तिकरण' के बारे में जानने से पहले हमें ये समझ लेना चाहिये कि हम 'सशक्तिकरण' से क्या समझते है। 'सशक्तिकरण' से तात्पर्य किसी व्यक्ति की उस क्षमता से है जिससे उसमें ये योग्यता आ जाती है जिसमें वो अपने जीवन से जुड़े सभी निर्णय स्वयं ले सके। महिला सशक्तिकरण में भी हम उसी क्षमता की बात कर रहे है। जहाँ महिलाएँ परिवार और समाज के सभी बंधनों से मुक्त होकर अपने निर्णयों की निमार्ता खुद हो।

सीमा कुशवाह
डायरेक्टर
वर्ल्ड वाईड एजुकेशन

HAPPY INTERNATIONAL Women's Day

चुनौतियाँ तो हमेशा रहेंगी ... आप बस निडर होकर कर्म करो

आज की महिला बहुत सशक्त है। किंतु है तो इस समाज से ही। चाहे वह होम मेकर हो या किसी पेशे में, चुनौतियां हर समय होती है। कभी-कभी परिस्थिति से असहज होकर या घबराकर महिलाएं कुछ अनचाहे निर्णय ले लेती हैं। वर्क प्लेस में दिक्कत आने पर उसे छोड़ देती है या शादी के बाद परिवार वालो या पति से सामंजस्य न बनने पर रिश्तों में खटास ले आती हैं। अनेक बार तो लोगों की बातों को सुनकर ही अपने फैसले बदल देतीं हैं। हमे यह विचार करना चाहिए कि लोगों को बातें बनाने की आदत होती है। समय आने पर वे सृष्टि की रचना करने वाले सर्वशक्तिमान भगवान को कोसने का मौका नही छोड़ते तो हमारी क्या ही हैसियत। इसलिए दूसरों की बातों पर ध्यान न दें। हमे अपने जीवन की नाव की पतवार को अपने हाथ मे रखना चाहिए और नदी के बहाव के साथ ही बहते हुए अपने जीवन को आगे बढ़ाना चाहिए। जब कोई बड़ी लहर आये तो पतवार से अपनी कशती को सम्हाले। आप स्वयं शक्ति स्वरूपा है किसी से भयभीत होने की आवश्यकता नही है आपको। बस स्वयं पर विश्वास रखे फिर देखिए लोग कैसे आपमे विश्वास जगाते हैं।

ज्योति चौधरी
प्रोपराइटर
गुनगुन एडवोटाइजिंग एजेंसी
भोपाल

HAPPY INTERNATIONAL Women's Day

नारी शक्तिः गौरवशाली अतीत से सशक्त भविष्य तक

श्रीमती श्वेता चौकसे
डायरेक्टर, एल.एन.सी.टी. समूह

भारतीय धर्म और संस्कृति के मूल में महिला सशक्तिकरण का बीज सदियों से निहित है। आज हम जिस सशक्तिकरण की चर्चा कर रहे हैं, वह हमारे वेदों की ऋचाओं, पुराणों के आख्यानों और धर्मग्रंथों की मयार्दा में आदि काल से विद्यमान है। इतिहास इस सत्य का जीवंत साक्षी रहा है। वर्तमान भारत में भी संवेदनशील और उत्तरदायित्वपूर्ण पदों पर आसीन महिलाएं अपनी दक्षता सिद्ध कर रही हैं–चाहे वह देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा देतीं हमारी माननीय वित्त मंत्री हों या राष्ट्र का गौरव बढ़ातीं महामहिम राष्ट्रपति महोदया।

सृजन और संहार का संगम : प्रकृति स्वयं सर्वशक्तिशाली है, जिसमें पंच तत्व निहित हैं और जो संपूर्ण विश्व का सृजन करती है। भारतीय दर्शन में नारी शक्ति के विविध रूप पूजनीय हैं। एक ओर वह 'गौरी' स्वरूप में ममत्व और परिवार की आधारशिला है, तो दूसरी ओर 'महाकाली' बनकर दुष्टों का दमन करने वाली रणचंडी भी है। हमारी आस्था में भी शक्ति का स्थान सर्वोपरि है, इसीलिए हम सीता–राम, लक्ष्मी–नारायण और राधे–कृष्ण के रूप में शक्ति को प्रथम स्थान देकर उनकी आराधना करते हैं।

इतिहास और चुनौतियां : इतिहास के झरोखों में देखें तो वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई का साहस और देवी अहिल्याबाई होल्कर का कुशल प्रशासन आज भी हर भारतीय के लिए प्रेरणापुंज है, देवी अहिल्याबाई होल्कर जनकल्याण, सुशासन और सांस्कृतिक पुनरुत्थान की प्रणेता हैं। हालांकि, यह स्वीकार करना भी आवश्यक है कि कालान्तर में कुछ संकीर्ण मानसिकताओं और स्वार्थों के कारण भारतीय समाज महिलाओं के प्रति भेदभाव के लिए बदनाम हुआ।

आत्मबोध और संवैधानिक अधिकार : आज की नारी को वास्तविकता में 'आत्मबोध' की आवश्यकता है। हमारा संविधान उसे शिक्षा और कार्य के समान अधिकार प्रदान करता है। अब समय है कि वह अपने कौशल और सोच का ऐसा विस्तार करे, जहाँ उसे न केवल आत्मनिर्भर बनने की आजादी हो, बल्कि किसी भी अनिष्ट का भय न रहे। नारी की क्षमता इतनी विशाल है कि उन्हें 'सर्वगुण संपन्न' कहा गया है।

शास्त्रों का भी उद्घोष है: "यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता:"
(जहाँ नारी का सम्मान होता है, वहीं देवताओं का वास होता है)

हमारा गौरव–एलएनसीटी (LNCT) परिवार : हमें गर्व है कि हमारे एलएनसीटी समूह की छात्राएं, शिक्षिकाएं और महिला कर्मचारी संस्थान के हर कार्य में अपनी सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं। हमारी एलुमनाई ने सेना, प्रशासनिक सेवा, चिकित्सा, खेल, विज्ञान, तकनीक, उद्योग और राजनीति जैसे हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है।

संकल्प का आह्वान : अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के इस अवसर पर, आइए हम सब पुनः संकल्प लें–न केवल उनके अधिकारों की रक्षा का, बल्कि उनके सम्मान और सामर्थ्य को नई ऊंचाइयां देने का।

HAPPY INTERNATIONAL Women's Day

अबला नहीं, सबला है महिला,

जीवन की हर दिशा में आगे बढ़ने
की क्षमता है महिला।
उसके हर कदम में शक्ति है,
उसके हर सपने में उड़ान है,
महिला दिवस पर सलाम है,
उसकी महानता को प्रणाम है।

आज के दिन, हम उन सभी महिलाओं को सलाम करते हैं जो अपने जीवन में हर चुनौती का सामना करती हैं, अपने परिवार और समाज के लिए जीती हैं, और अपने सपनों को पूरा करने के लिए आगे बढ़ती हैं।

महिलाएँ शक्ति हैं, महिलाएँ प्रेरणा हैं, महिलाएँ जीवन की हर दिशा में बदलाव लाने की क्षमता रखती हैं। आइए, हम सभी मिलकर महिलाओं के अधिकारों और समानता के लिए आवाज उठाएं, और उन्हें उनके अधिकार दिलाने के लिए काम करें।

डॉ. कृष्णा कटेवा
डायरेक्टर
कृष्णा कैंसर हॉस्पिटल
भोपाल

HAPPY INTERNATIONAL Women's Day

आज की महिला असाधारण है "सुपर-नारी" है...

एक चिकित्सक होने के नाते मैं यह मानती हूं भारतीय सनातन चिंतन में नारी को सदा की शक्ति स्वरूपा कहा गया है। दुष्ट राक्षसों का संहार करने वाली माता महाकाली हो , बुद्धि की दाता माता सरस्वती या पालन करने वाली माता अन्नपूर्णा.. हमारी परंपरा में नारी का स्थान हमेशा से ऊंचा रहा है। विदेशी आक्रांताओं के कारण जो गुलामी हमे 800 वर्षों तक झेलनी पड़ी उसने हमें कहीं सशंकित कर दिया कि नारी अबला है या सशक्त नही है। किंतु मेरे विचार से कोई धारणा मन मे बैठाने से कुछ समय के लिए तो हम स्वयं को कमजोर या कमतर मान सकते है पर जब हमे अपने असली स्वरूप का ज्ञान होता है तो हम संयश की छाया से निकलकर कुछ अद्वितीय कर जाते हैं। आप सबमे वह शक्ति और ऊर्जा है जो आपको अनंत आकाश की ऊंचाइयों तक ले जा सकती है। तो अपने असली स्वरूप को। पहचानिए और कर लीजिए अपना हर सपना पूरा।

डॉ. रेणु शर्मा
(इंटेसिविस्ट एंड क्रिटीकल केयर विशेषज्ञ)
लेखक, चितंक, विचारक

HAPPY INTERNATIONAL Women's Day

#Give Gain To

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस आज

haribhoomi.com भोपाल, रविवार 8 मार्च 2026

भारत के अलग-अलग हिस्सों में कुछ युवा फिल्मकार ऐसे भी हैं जो कैमरे को सिर्फ मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज की अनकही कहानियों को सामने लाने का जरिया बना रहे हैं। ऐसी ही दो युवा महिला फिल्मकार हैं शिबाली विश्वास और किरण एडमच। शिबाली मध्यप्रदेश की मंडला जिले से और किरण सिवनी जिले की हैं, जिनकी फिल्मों का केंद्र समाज के हाशिए पर खड़े लोग, उनका संघर्ष और प्रकृति के साथ उनका रिश्ता है। आदिवासी जंगल से उतना ही लेते हैं जितनी उन्हें आवश्यकता होती है और उसके संरक्षण को भी उतना ही महत्व देते हैं।

वरिष्ठ रिपोर्टर रूबी सरकार की रिपोर्ट

अलग खबर

आदिवासियों के 'प्रकृति से संतुलन' को परदे पर हूबहू जीवंत कर रहीं हैं मप्र की दो युवा महिला फिल्मकार

1 शिबाली विश्वास

जंगल पर आश्रित आदिवासियों की जीवन शैली पर केंद्रित यह डॉक्यूमेंट्री

दुनिया भर से चुनी गई 25 डॉक्यूमेंट्री में शिबाली विश्वास की भी फिल्म

भोपाल। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर यह खबर गर्व और प्रेरणा से भर देने वाली है। युवा फिल्म निर्माता मंडला की शिबाली विश्वास की फीचर लेंथ डाक्यूमेंट्री प्रोजेक्ट 'इन बिटवीन लव एंड लैंड' का चयन कोलकाता स्थित डॉकेज कोलकाता में हुआ है। डॉकेज एक एशियन फोरम है जो डॉक्यूमेंट्री फिल्मों के लिए युवाओं फिल्मकारों को ▸▸**शेष पेज 11 पर**

दृश्य शूट करते हुए शिबाली

2 किरण एडमच

बैगा समाज की संस्कृति, परंपराएं और उनका प्रकृति से रिश्ता बहुत अनोखा

बैगा आदिवासियों की जिंदगी को दुनिया भर में करवाया दर्ज

भोपाल। सिवनी जिले की युवा फिल्ममेकर किरण एडमच इन दिनों बालाघाट जिले के जंगलों और आदिवासी बस्तियों में एक विशेष डॉक्यूमेंट्री फिल्म के निर्माण में जुटी हुई हैं। इस फिल्म के माध्यम से वे बैगा समुदाय के जीवन, उनकी संस्कृति, परंपराओं और प्रकृति के साथ उनके गहरे संबंध को कैमरे में कैद कर रही हैं। किरण अपने दो साथियों के ▸▸**शेष पेज 11 पर**

दृश्य शूट करते हुए किरण

3 भारत और चीन में लिंगानुपात व कन्या भ्रूण हत्या जैसे मुद्दों को उठाया

'द गर्ल्स रिवेंज' डॉक्यूमेंट्री ने खींचा दुनिया का ध्यान

फिल्म का एक दृश्य

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर फ्रांसीसी चैनल आरते फ्रांस द्वारा रिलीज की गई डॉक्यूमेंट्री 'द गर्ल्स रिवेंज' ने दुनिया का ध्यान खींचा है। डाक्यूमेंट्री में भारत और चीन में लिंगानुपात की विकृति, कन्या भ्रूण हत्या और लड़कियों के प्रति संकीर्ण सोच का मुद्दा उठाया गया है। इसमें 'सेल्फी विद डॉटर' अभियान को भारत के सबसे प्रभावशाली सामाजिक आंदोलनों में दर्शाया गया है। 'द गर्ल्स रिवेंज' न केवल समस्या दिखाती है, बल्कि समाधान का रास्ता भी बताती है। डाक्यूमेंट्री में दिखाया गया है कि कैसे जींद के गांव बीबीपुर के सरपंच सुनील जगलान ने ग्रामीण भारत की पितृसत्तात्मक व्यवस्था को झकझोरते हुए लड़कियों को सशक्त बनाने का अभूतपूर्व अभियान चलाया।

'सेल्फी विद डॉटर' अभियान को भारत के सबसे प्रभावशाली सामाजिक आंदोलनों में दर्शाया गया

गांव-गांव में बालिका पंचायतें गठित की, जिनके माध्यम से लड़कियां न केवल नेतृत्व सीख रही हैं, बल्कि कन्या भ्रूण हत्या को रोकने की जिम्मेदारी भी ले रही हैं। बालिका पंचायतों ने न सिर्फ लड़कियों की आवाज को मजबूत किया, बल्कि पूरे समाज की सोच में क्रांतिकारी बदलाव लाया। वर्ष 2015 में बीबीपुर से शुरू हुआ 'सेल्फी विद डॉटर' अभियान 70 से अधिक देशों में फैल चुका है। इसमें माता-पिता अपनी बेटियों के साथ सेल्फी लेकर इंटरनेट मीडिया पर साझा करते हैं, जिससे बेटियों के प्रति सकारात्मक नजरिया मजबूत होता है।

डॉक्यूमेंट्री तीन महीने पहले भारत और चीन में फिल्माई गई : चीन में भी यह अभियान जोर-शोर से अपनाया जा रहा है, जहां लोग बेटियों के प्रति प्रेम और सम्मान व्यक्त करने के लिए सेल्फी साझा कर रहे हैं। इसके अलावा फिल्म में सुनील जागलान की बेटियों नंदिनी जागलान और ▸▸**शेष पेज 11 पर**

पढ़ें पेज 2 और 3 भी

क्या धन का अभाव हैं ?
क्या व्यापार में ग्राहक नहीं आ रहे हैं?
क्या इंडस्ट्री बंद हो रही हैं ?
क्या आपके भवन का वास्तु सही हैं ?
VASTUVID SATYENDRA SINGH
Call Now 9171295733
वास्तु शास्त्री, एस्ट्रोलॉजर, न्यूमरोलॉजिस्ट, ऊर्जा स्कैनिंग एक्सपर्ट
ADD.: VASTU SADAN, D-7 TRIBHUVAN COLONY, BHOPAL

क्या सुनने में कठिनाई होती है
सिल्वर जुबली ऑफर
• कान/सुनने की मशीन पर विशेष छूट
•सुनने की जांच •स्पीच थैरेपी
Sinha SPEECH & HEARING CENTER
Ph. 0755-2760853 9243703712
सिन्हा स्पीच एंड हियरिंग सेंटर
पता : सरिता कॉम्पलेक्स, ब्लॉक नं. 3 शिवाजी नगर भोपाल
समय : सुबह 10.00 से 1.00 तक शाम 5.00 बजे से रात 8.00 तक

डायवर्टेट प्लाट उपलब्ध है
बैंक फाईनेंस सुविधा उपलब्ध
66 फीट रोड सनराईज गार्डन के पीछे, महोली, भानपुर भोपाल
सर्व सुविधा युक्त प्राकृतिक सौन्दर्य से परिपूर्ण प्रदूषण मुक्त कवर्ड कैम्पस के साथ
आफिस:आदित्य कन्सट्रक्सन एण्ड मार्केटिंग, हाउस न. 16, 66 फीट, कोकता ट्रांसपोर्ट नगर रोड, महोली, भानपुर, भोपाल
7222901488, 9755600827

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

सीएम ने कहा- टूर मात्र बाइक रैली नहीं बल्कि नारी सशक्तिकरण का माध्यम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'क्वींस ऑन द व्हील्स' की महिला बाइकर्स के टूर को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

25 साहसी महिला बाइक राइडर्स 1400 किमी का करेंगी लंबा टूर

बाइक राइडर्स समूह में भोपाल की 8, मुंबई और नागपुर की 5-5 तथा ग्वालियर बेंगलुरु, कोलकाता, पुणे और नोएडा की एक-एक महिला राइडर शामिल

सीएम डॉ.मोहन यादव

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मप्र में महिला सुरक्षा की गारंटी के रूप में 'क्वीन्स ऑन द व्हील्स' टूर शुरू किया जा रहा है। इसमें महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल जैसे विभिन्न राज्यों की 25 साहसी महिला बाइक राइडर्स शामिल हैं। यह यात्रा 7 से 13 मार्च तक चलेगी, जिसमें हमारी बहनें 1400 किलोमीटर की दूरी तय करेंगी। बाइकिंग टूर पर निकली बहनें प्रदेश के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल- सांची, उदयगिरी, चंदेरी, खजुराहो, कूनो नेशनल पार्क, ग्वालियर, मितावली, ओरछा और खजुराहो से होकर गुजरेंगी। यात्रा का समापन 13 मार्च को भोपाल में होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को 'क्वीन्स ऑन द व्हील्स' की 25 महिला सुपर बाइकर्स को मुख्यमंत्री निवास से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने बाइकर्स और पर्यटन सखी के साथ समूह चित्र भी खिंचवाया। कार्यक्रम में अपर मुख्य ▸▸**शेष पेज 11 पर**

प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों से होते हुए जाएंगी

राइडर्स के साथ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

मुंबई की 62 वर्षीय डॉ. नीता कर रही हैं बाइकर्स टूर का नेतृत्व

13 मार्च को भोपाल में होगा टूर का समापन

देशभर से आईं महिला बाइकर्स से संवाद किया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने देशभर से आईं महिला बाइकर्स से संवाद किया। मुंबई से 62 वर्षीय नीता खांडेकर ने बताया कि 7 साल पहले बाइक चलाने की चाहत को स्वयं हिम्मत दी, फिर 75 दिन में 21 हजार किमी का यादगार सफर तय किया। पश्चिम बंगाल की ट्रीना 4 दिन में बाइक से ओडिशा, झारखंड और बिहार होते हुए मप्र आईं। वो कहती हैं कि मप्र में सबसे ज़्यादा सुरक्षित महसूस किया। यहां की रोड और नेचर की मैं फैन हो गई। मुख्यमंत्री ने पर्यटन सखी से भी मुलाकात की।

महिला सुरक्षा की एक मिसाल यह बदलते समाज की तस्वीर

मुख्यमंत्री ने कहा कि बहनों की यह यात्रा प्रदेश के पर्यटन के साथ महिला सुरक्षा की एक मिसाल है, यह बदलते समाज की तस्वीर है। मप्र निरंतर अब आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के हाथों देश भी सुरक्षित है और मप्र भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि निमाड़ की सादगी, मालवा की जीवंतता, बुंदेलखंड की शौर्यगाथा, बघेलखंड की लोक कलाएं, चंबल का गौरवशाली इतिहास और महाकौशल की सुंदरता हमारे प्रदेश की विशेषता है। प्रदेश में स्वच्छ प्राकृतिक वातावरण, सुरक्षित एवं धार्मिक पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार संकल्पित हैं। उन्होंने टूर में शामिल महिला राइडर्स को राइड के दौरान सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने की बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला स्तर पर ▸▸**शेष पेज 11 पर**

मुख्यमंत्री ने की घोषणा

शमशाबाद का नाम अब होगा सूर्य नगर

भोपाल। विदिशा जिले के शमशाबाद का नाम अब सूर्यनगर होगा। इस विधानसभा, कस्बे का नाम बदलने की मांग काफी समय से हो रही थी। किंतु अब जाकर नाम बदल सका। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शमशाबाद का नाम बदलकर सूर्य नगर करने की घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने शमशाबाद में 163.62 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को शमशाबाद पहुंचे थे। उन्होंने जिले की पांचों विधानसभा क्षेत्रों के लिए 97 विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने प्रदेश की पहली जिला स्तरीय फिंगरप्रिंट लैब का भी शुभारंभ किया। उन्होंने शमशाबाद नगर परिषद को 3 करोड़ रुपए देने की घोषणा की। इसके साथ ही नवीन सब-स्टेशन बनाने, संजय सागर बांध और सगड़ बांध से सिंचाई परियोजना शुरू करने की भी घोषणा की।

▸▸**पढ़ें पेज 14 भी**

अस्पताल में थाना प्रभारी का इलाज

अतिक्रमण हटाने गए थे अफसर

धामनोद में तहसीलदार की गाड़ी फोड़ी, टीआई समेत 12 घायल

विधायक-पड़ोसी के बीच चल रहा था जमीन विवाद

हरिभूमि न्यूज ▸▸ धामनोद

धार में धामनोद थाना क्षेत्र के सिरसोदिया गांव में अतिक्रमण हटाने गई प्रशासनिक टीम पर ग्रामीणों ने पथराव कर दिया। धामनोद थाना प्रभारी प्रवीण ठाकरे और एक महिला पुलिसकर्मी घायल हो गए। ठाकरे को इलाज के लिए इंदौर रेफर किया गया है। तहसीलदार की गाड़ी के शीशे भी तोड़ दिए गए। हालात पर काबू पाने के लिए प्रशासन ने आसपास के थानों से अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया। मनावर एसडीएम भी मौके पर पहुंचे। दरअसल, शनिवार सुबह करीब 10 बजे सिरसोदिया में तहसीलदार कुणाल अवासिया, नायब तहसीलदार कृष्णा पटेल, धामनोद ▸▸**शेष पेज 11 पर**

नायब तहसीलदार बोले

नियमों के तहत कर रहे कार्रवाई

धामनोद के नायब तहसीलदार कृष्णा पटेल ने कहा कि सिरसोदिया गांव में अनिल, अनीता, धर्मेंद्र और पल्लवी की निजी जमीन का सीमांकन कराया गया था। सीमांकन के दौरान पाया गया कि कुछ लोगों ने उस जमीन पर कब्जा कर रखा है। इसके बाद जमीन मालिकों ने कब्जा हटाने के लिए राजस्व न्यायालय में धारा 250 के तहत प्रकरण दर्ज कराया। सुनवाई के बाद आदेश अनिल, अनीता और पल्लवी के पक्ष में दिया गया। इस आदेश के खिलाफ ▸▸**शेष पेज 11 पर**

रेजिडेंट डॉक्टरों ने बांधी काली पट्टी

आज जस्टिस मार्च, कल से रूटीन सेवाओं के बहिष्कार की चेतावनी

स्टाइपेंड संशोधन लागू नहीं होने से नाराज

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

प्रदेश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों के रेजिडेंट डॉक्टर स्टाइपेंड संशोधन लागू नहीं होने से नाराज हैं। जेडीए के नेतृत्व में काली पट्टी लगाकर विरोध शुरू हो गया है। रविवार को जस्टिस मार्च निकलेगा, जबकि मांगें नहीं मानी गईं तो सोमवार से इलेक्टिव सेवाओं के बहिष्कार की चेतावनी दी गई है। डॉक्टरों का कहना है कि 1 अप्रैल ▸▸**शेष पेज 11 पर**

एलपीजी सिलेंडर हुआ महंगा

भोपाल में अब 918, इंदौर में 941 रुपए में 'मिलेगा'

बढ़ी हुई कीमतें शनिवार से प्रभावी हो गईं

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

रसोई गैस का इस्तेमाल करने वाले उपभोक्ताओं को एक बार फिर महंगाई का झटका लगा है। केंद्र सरकार द्वारा घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी के बाद अब प्रदेश के शहरों में नए रेट लागू हो गए हैं। बढ़ी हुई कीमतें शनिवार से प्रभावी हो गई हैं। नई कीमतों के बाद मध्य प्रदेश के प्रमुख शहरों में घरेलू एलपीजी सिलेंडर के रेट बढ़ गए हैं। राजधानी भोपाल में अब गैस ▸▸**शेष पेज 11 पर**

वीडियो स्कूल में पढ़ाई के समय का

'शिक्षिका' फर्श पर लेटकर छात्राओं से करा रही मालिश

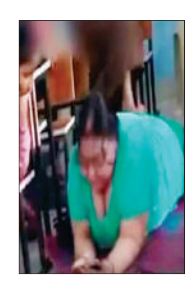

शिक्षिका को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया

हरिभूमि न्यूज ▸▸ चित्रकूट

शिक्षा के मंदिर में पढ़ाई की जगह बच्चियों से मालिश कराने का मामला सामने आने के बाद शिक्षा विभाग में खलबली मच गई है। नगर के प्राथमिक विद्यालय नया बाजार कर्वी की एक शिक्षिका का वीडियो इंटरनेट मीडिया में तेजी से प्रचलित हो रहा है। वीडियो में शिक्षिका फर्श पर लेटी हुई दिखाई दे रही है और छात्राएं कभी हाथ तो कभी पैर से उनके शरीर को दबाती नजर आ रही ▸▸**शेष पेज 11 पर**

20 जिलों में अभी से पारा 35 से 39 डिग्री के बीच पहुंचा

भोपाल में 35.2 डिग्री रतलाम में सर्वाधिक पारा 38.6 डिग्री दर्ज

गर्मी की 'सांप-सीढ़ी'...3 दिन में 3 डिग्री तक और बढ़ेगा पारा, अगले सप्ताह 4 से 5 डिग्री तक गिरेगा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेशभर में अभी गर्मी तेजी पकड़ रही है। गर्म हवाएं और खुले मौसम के बीच धूप का असर बढ़ने से पारा बढ़ रहा है, जो अगले दो से तीन दिन में 2 से 3 डिग्री तक और बढ़ेगा। इसके बाद अगले सप्ताह नए पश्चिमी विक्षोभ से कुछ जिलों में बादल छाएंगे और बारिश-बौछारें भी पड़ेंगी। इससे तापमान में 4 से 5 डिग्री तक कमी आएगी। इससे भीषण होती गर्मी में कमी आएगी। शनिवार को प्रदेशभर में गर्मी का पारा औसतन आधा डिग्री तक बढ़ा। कुछ जिलों में इतनी ही कमी रही। सबसे अधिक दिन का पारा रतलाम में 38.6 डिग्री रहा, जबकि धार में 38.5 डिग्री दर्ज हुआ। प्रदेश के 20 जिलों में दिन का पारा 35 से 39 डिग्री के बीच रहने से तेज गर्मी महसूस की गई। भोपाल में अधिकतम तापमान दशमलव 2 डिग्री गिरकर 35.2 डिग्री रहा, जो सामान्य से 3 डिग्री अधिक है। शनिवार को करीब 20 जिलों में दिन का पारा 35 से 39 डिग्री के बीच रहा। इनमें बैतूल, भोपाल, दतिया, इंदौर, ग्वालियर, खंडवा, खरगौन, रायसेन ▸▸**शेष पेज 11 पर**

बाणगंगा चौराहा

2 से 16 मार्च के बीच प्रदेश में बादल, बारिश-बौछारों के बाद पारा तेजी से गिरेगा

पारा 40 डिग्री तक पहुंच सकता है

मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार अभी प्रदेश में गर्म हवाएं और मौसम साफ रहने से धूप का असर बढ़ा हुआ है। इससे तापमान में बढ़त हो रही है। यह क्रम तीन से चार दिन और रहेगा। चार दिन में 3 डिग्री तक और बढ़त हो सकती है। इससे कुछ जिलों में पारा 40 डिग्री तक पहुंच सकता है। इस बीच अगले सप्ताह नया पश्चिमी विक्षोभ 9 मार्च को सक्रिय हो रहा है। इससे 12 मार्च के बाद मौसम फिर बदलेगा। कुछ जिलों में बादल छाएंगे और बारिश होगी। इसी के साथ तापमान में 4 से 5 डिग्री तक तेजी से कमी आएगी।

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, रविवार 8 मार्च 2026

रमज़ान मुबारक
इफ्तार रविवार: 6:32 बजे
सहरी सोमवार: 4: 56 बजे

शनिवार शाम अरेड़ी गांव के पास हादसा, फेंसिंग तोड़कर 35 फीट गहरी खदान के पानी में गिरी कार

शंकर खदान में गिरी ऑरा कार ड्राइवर की मौत, दो साथी घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

अयोध्या नगर थाना क्षेत्र स्थित अरेड़ी गांव की शंकर खदान में शनिवार शाम तेज रफ्तार कार फेंसिंग और पोल तोड़ते हुए नीचे गिर गई। करीब 35 फीट गहरी खदान में पानी में कार गिरने से ड्राइवर की मौत हो गई, जबकि उसके साथ मौजूद उसके दो साथी घायल हुए हैं। घायलों का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो कार ओवरस्पीड थी। रफ्तार कम नहीं करने से कार तेजी से रेलिंग और पोल तोड़ते हुए खदान में गिर गई। पुलिस ने क्रेन की मदद से कार बाहर निकलवा ली है। पुलिस हादसे की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार रोहित माली पिता संतोष माली (24) माहोली, छोला मंदिर इलाके में रहता था और ओला कैब में गाड़ी चलाता था। उसने पांच सौ रुपए प्रतिदिन के हिसाब से कार ले रखी थी।

अयोध्या नगर थाना क्षेत्र स्थित अरेड़ी गांव की शंकर खदान में शनिवार शाम तेज रफ्तार कार फेंसिंग और पोल को तोड़ते हुए नीचे पानी में जा गिरी।

सीट बेल्ट बंधा होने और गेट नहीं खुलने के कारण कार में फंस गया था युवक

शनिवार शाम रोहित अपने परिचित अरविंद मालवीय और अजय भारती से मिलने अयोध्या नगर पहुंचा था। अरविंद और अजय यहां अरेड़ी में रहते हैं। रोहित, अरविंद और अजय को लेकर कार से बायपास की तरफ आ रहा था। शाम करीब साढ़े पांच बजे के आसपास तीनों शंकर खदान के पास पहुंचे थे। तभी कार अनियंत्रित होकर शंकर खदान की तरफ घुस गई। कार फेंसिंग और पोल तोड़कर करीब 35 फीट नीचे पानी में जा गिरी। हादसे के समय कार रोहित माली चला रहा था, जबकि उसके बगल में अजय बैठा था और पीछे वाली सीट पर अरविंद मालवीय था। अजय और अरविंद किसी तरह कार से बाहर निकल गए, लेकिन सीट बेल्ट बंधा होने के कारण और गेट नहीं खुलने के कारण रोहित कार में फंस गया। अजय और अरविंद ने उसे किसी तरह बाहर निकाला था, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी।

स्थानीय लोगों ने की मदद, पहुंचाया अस्पताल

हादसे के बाद पास ही दुकान के लोग दौड़कर खदान के अंदर पहुंच गए थे। इसके बाद घायलों को एंबुलेंस की मदद से अस्तपाल पहुंचााया गया। अस्पताल में डॉक्टर ने चेक करने के बाद रोहित को मृत घोषित कर दिया, जबकि अजय और अरविंद का इलाज चल रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने क्रेन की मदद से कार बाहर निकलवाई और थाने भेज दी है।

रफ्तार अधिक होने के कारण हवा में उछली कार

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार की रफ्तार अधिक थी। अरेड़ी से बायपास की तरफ जाते समय कार बांए तरफ खदान में गिरी थी। रफ्तार अधिक होने के कारण कार ने फेंसिंग और पोल तोड़ दिए और हवा में उछलती हुई खदान में जा गिरी। हादसे के बाद कार में सवार दो व्यक्ति बाहर निकल गए थे। उन्होंने ड्राइवर को बाहर निकाल लिया।

पानी में नहीं खुल सका गेट

खदान में करीब दस फीट गहरा पानी था। कार सामने की तरफ से पानी में घुसी थी। केवल पीछे का हिस्सा नजर आ रहा था। कार में बैठे अरविंद और अजय गेट खोलकर उतर गए थे, लेकिन ड्राइवर साइड का गेट रोहित से खुल नहीं सका। जब तक गेट खोलकर रोहित को बाहर निकाला गया, तब तक काफी देर हो चुकी थी।

खबर संक्षेप

सीएम आज अशोकनगर के करीला धाम मेले में होंगे शामिल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को अशोकनगर जिले की बहादुरपुर तहसील के ग्राम करीला में रंगपंचमी पर आयोजित होने वाले मेले में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री इस अवसर पर माता जानकी के दर्शन कर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित स्व-सहायता समूहों की ओर से लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन और विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। अशोकनगर जिले की बहादुरपुर तहसील की ग्राम पंचायत जसैया के ग्राम करीला में प्रतिवर्ष रंगपंचमी पर विशाल मेले का आयोजन किया जाता है।

नाले में फेंक रहे थे निर्माणाधीन भवन की गंदगी, 10 हजार जुर्माना

भोपाल। निगम के स्वास्थ्य विभाग के अमले ने जोन नंबर-8 और वार्ड-30 के तहत निर्माणाधीन भवन की गंदगी नाले में फेंकते पाए जाने पर भवन स्वामी के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 10 हजार रुपए का स्पॉट फाइन वसूला। दरअसल वार्ड का सफाई अमला साफ-सफाई व्यवस्था के निरीक्षण लिए क्षेत्र में घूम रहा था इसी दौरान चूना भट्टी क्षेत्र में निर्माणाधीन भवन की गंदगी को नाले में फेंकते एक व्यक्ति को देखा और मौके पर तुरंत पहुंचे। निर्माणाधीन भवन के स्वामी रमेश कमरानी के विरुद्ध कार्यवाई करते हुए 10 हजार रूपए की राशि स्पॉट फाइन वसूला और कचरा व गंदगी न फेंकने की समझाइश दी।

सीआरपी कॉलोनी बैरागढ़ में 108 तो नयापुरा में बढ़ेंगे 40% प्रॉपर्टी के दाम

▶▶ जिले की 628 लोकेशन पर होगी प्रॉपर्टी के दामों में बढ़ोतरी

▶▶ 706 लोकेशन को किया मर्ज, यहां भी बढ़ जाएंगे दाम

▶▶ प्रॉपर्टी गाइडलाइन का ड्राफ्ट जारी, एक हफ्ते में कर सकेंगे दावे-आपत्ति

48 लोकेशन ग्रामीण सीमा की

वरिष्ठ जिला पंजीयक स्वप्नेश शर्मा का कहना है कि करीब 580 लोकेशन पर प्रॉपर्टी के नए रेट तय किए गए हैं, जबकि 48 लोकेशन ग्रामीण सीमा की हैं। यहां पर प्रॉपर्टी के दाम में बढ़ोतरी की जाएगी।

सात दिन में पेश कर सकेंगे दावे-आपत्ति

शुक्रवार को प्रस्ताव ऑनलाइन कर दिया गया है। इसके ऑनलाइन होने के बाद से सरकारी छुट्टी का दिन छोड़कर सात दिन आम लोग ड्राफ्ट को देखकर अपने दावे-आपत्ति ऑनलाइन और ऑफलाइन दे सकते हैं। शहर की मुख्य सड़क, कॉलोनियों और अंदर के क्षेत्रों में भी प्रॉपर्टी की कीमतों में इजाफा किया जा रहा है।

- ▶▶ क्यों बढ़ाए दाम, पंजीयन अफसरों का तर्क
- ▶▶ पंजीयन अफसरों ने किया सर्वे
- ▶▶ नए विकास कार्य होने से दाम बढ़ाने की जरूरत
- ▶▶ वर्तमान में अधिक दामों पर रजिस्ट्री होने की वजह
- ▶▶ रेरा से अप्रूव्ड कॉलोनियों को किया शामिल
- ▶▶ नए एनएच, बायपास और रिंग रोड होने से
- ▶▶ नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित हुए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

इस बार भी प्रॉपर्टी के खरीदारों के लिए दाम बढ़ने का बोझ झेलना पड़ेगा। जिससे कम आय वाले लोगों को प्रॉपर्टी खरीदना मुश्किल हो जाएगा। शनिवार को पंजीयन विभाग ने प्रॉपर्टी के नए ड्राफ्ट को संपदा की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है, जिसमें 628 लोकेशन पर बढ़े हुए दाम प्रस्तावितकिए गए हैं। इसके साथ 706 लोकेशन को अधिक दाम वाली लोकेशन में मर्ज कर दिया है, जिससे यहां भी दाम बढ़ना तय माना जा रहा है। पंजीयन विभाग ने ज्यादा से ज्यादा लोकेशनों पर दाम बढ़ाने के लिए 2881 लोकेशन को घटाकर 2175 कर दिया है। सीआरपी लाइन कॉलोनी बैरागढ़ में आवासीय और कमर्शियल प्रॉपर्टी के दाम में 108 फीसद की बढ़ोतरी की गई है, जबकि नयापुरा में 40 फीसद से अधिक दाम बढ़ाए जाने की तैयारी है। गाइडलाइन के नए प्रस्ताव में प्रॉपर्टी के दाम 10 से लेकर 108 फीसदी तक बढ़ाए जाने की तैयारी है।

लोकेशन नाम	वर्तमान रेट	प्रस्तावित रेट प्रति वर्गमीटर में	वृद्धि
	(आवासीय/व्या)	(आवासीय/व्या)	(प्रतिशत)
सीआरपी लाइन कॉलोनी	12000/25000	18000/36000	108%100
नयापुरा बीडीए अंदर	25000	35000	40%
हाउसिंग कॉलोनी अंदर	25,000	35,000	40%
घाटखेड़ी	3000	4000	33.33%
झागरिया खुर्द	5600	7000	25%
दामखेड़ा खुर्द की कॉलोनी	16000	20000	25%
लाउखेड़ी	12000/18000	15000/23000	25%/27.78%
सीटीओ कॉलोनी	15000/22500	18000/27000	20%/20%
कैलाश नगर	15000/22500	18000/27000	20%/20%
पूजा कॉलोनी	15000/22500	18000/27000	20%/20%
बावड़िया अन्य कॉलोनिया	25000/29000	38000/43000	16%/13.2%
बीडीए (कोहेफिजा)	45000/60000	50000/70000	11%/16.67%
पंचवटी एलआईजी	10000/15000	12000/18000	20%/20%
लांबाखेड़ा	10000/15000	12000/18000	20%/20%
नबीबाग अन्य कॉलोनी	10000/15000	12000/18000	20%/20%
करोंद रोड कॉलोनियां	19000/30,000	30000/34000	15.8%/14.3%

खेलते-खेलते कब टंकी तक पहुंची परिजन को नहीं लगी भनक

निर्माणाधीन मैरिज गार्डन की टंकी में डूबी तीन साल की मासूम, मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित सलैया के एक निर्माणाधीन मैरिज गार्डन में शुक्रवार सुबह चार फिट गहरी पानी की टंकी में डूबने से तीन साल की मासूम बच्ची की मौत हो गई। बच्ची के माता-पिता यहां केयर टेकर बतौर काम करते हैं। बच्ची कब खेलते-खेलते पानी की टंकी में गिर गई, किसी को पता नहीं चला। महिला मजदूर ने बच्ची को पानी की टंकी में पड़ा देख बाहर निकाला था। इसके बाद परिजन के साथ मिलकर निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने बच्ची को चेक करने के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार मूलरूप से जिला बांदा उत्तर प्रदेश निवासी महेन्द्र वर्मा अपने परिवार के साथ सलैया में एक निर्माणाधीन मैरिज गार्डन में रहते हैं। शुक्रवार सुबह करीब साढ़े 9 बजे मैरिज गार्डन की पानी की टंकी में डूबने से तीन साल की बेटी तूकी उर्फ लक्ष्मी वर्मा की मौत हो गई।

बच्चों के साथ खेल रही थी

मैरिज गार्डन में काम करने वाले तीन-चार परिवार रहते हैं। शुक्रवार सुबह तूकी अन्य बच्चों के साथ खेल रही थी। इस बीच टंकी के पास पहुंची और उसमें गिर गई, किसी को कोई जानकारी नहीं थी। कुछ देर बाद एक महिला मजदूर पानी लेने टंकी के पास पहुंची और उसने बच्ची को टंकी के पानी में पड़ा देखा था। उसने बच्ची को टंकी से बाहर निकाला और परिजन के साथ अस्पताल लेकर पहुंचीं, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। पुलिस का कहना है कि पानी स्टोर करने के लिए कुए नुमा सीमेंट की करीब चार फिट गहरी टंकी मैरिज गार्डन में बनी है।

फर्स्ट फ्लोर की बालकनी से गिरकर मासूम की मौत

बागसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित अमराई परिसर में मकान की फर्स्ट फ्लोर पर खेल रहा तीन साल का मासूम बालकनी से नीचे गिर गया। घटना गत 1 मार्च की शाम की है। उसे परिजन एम्स लेकर पहुंचे थे, वहां पांच दिन चले इलाज के बाद शुक्रवार सुबह उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार प्रवेश पंथी अमराई परिसर में मकान नंबर 314 में परिवार के साथ रहते हैं और एम्स की कैंटिन में काम करते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि गत 1 मार्च को उनका तीन साल का इकलौता बेटा जयेश पंथी फर्स्ट फ्लोर पर खेल रहा था। खेलते-खेलते वह बालकनी तक पहुंच गया और बालकनी से नीचे गिर गया। करीब बारह फीट की ऊंचाई से गिरने के कारण जयेश को सिर में गंभीर चोट आई थी। परिजन उसने तत्काल एम्स लेकर पहुंचे, वहां उसका इलाज चल रहा था। डॉक्टर ने बताया कि जयेश के सिर में खून का थक्का जम गया था और शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

लोगों ने आरोपी की जमकर की धुनाई, पुलिस को सौंपा

8 साल की बच्ची से 41 साल के अधेड़ ने किया दुष्कर्म

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र में 8 साल की मासूम से 41 साल के अधेड़ द्वारा दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। बदमाश, बच्ची को पैसे देने का कहकर अपने साथ कमरे में लेकर पहुंचा और वहां पोर्न मूवी दिखाने के बाद उसके साथ दुष्कर्म किया। चीख पुकार सुनकर आसपास के लोगों ने कमरा खुलवाया। संदिग्ध गतिविधियां देखकर लोगों ने पहले तो आरोपी की जमकर धुनाई की फिर उसे पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म और पास्को एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार 8 साल की बच्ची इलाके में रहती है और कक्षा तीसरी में पढ़ती है। उसके माता-पिता सफाइकर्मी हैं। बच्ची 3 बहनों में बड़ी है। शुक्रवार सुबह बच्ची के माता-पिता काम पर चले गए। दोपहर करीब 1 बजे बच्ची घर के पास खेल रही थी।

बच्ची को पैसे देने का कहकर अपने कमरे पर ले गया था

पड़ोस में रहने वाला 41 साल का धर्मेंद्र अहिरवार मासूम के पास पहुंचा और वाशिंग पाउडर लाने का कहा। उसने कहा घर चलों पैसे देता हूं। बच्ची उसके साथ उसके घर पहुंची तो आरोपी ने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। धर्मेंद्र अहिरवार ने उसे मोबाइल पर पोर्न वीडियो दिखाएं और उसके साथ दुष्कर्म करने लगा। बच्ची ने उसका विरोध किया तो आरोपी धर्मेंद्र ने उसका सिर दीवार पर पटक दिया। बच्ची की चीख पुकार सुनकर पड़ोस की महिला ने आसपास के लोगों लेकर आरोपी के घर पहुंचे और दरवाजा खुलवाया तो मासूम बच्ची के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देखकर लोगों का गुस्सा फूट गया।

जंगल से भटककर भोपाल के बोट क्लब पहुंचे नीलगाय के तीन बच्चे, किया रेस्क्यू

लोगों ने नीलगाय के बच्चों को आवारा कुत्तों से बचाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

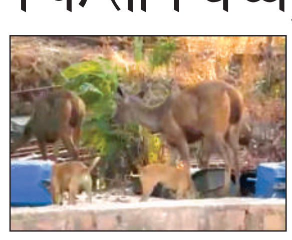

जंगल से भटककर नीलगाय के 3 बच्चे भोपाल के बड़ा तालाब स्थित बोट क्लब के सामने पहुंच गए। इस दौरान आवारा कुत्तों ने उन पर अटैक करने की कोशिश की, लेकिन लोगों ने उन्हें बचाया। कुछ देर में रेस्क्यू के लिए वन विभाग और वन विहार की टीमें पहुंचीं।

हालांकि, नीलगाय जंगल की ओर चले गए। जानकारी के अनुसार शनिवार शाम 5 बजे बोट क्लब स्थित विंड एंड वेव्स होटल के गेट के सामने नीलगाय के 3 बच्चे पहुंच गए। घबराए, शावक इधर-उधर भटकने लगे। रैलिंग होने की वजह से वे पहाड़ी की तरफ नहीं जा पा रहे थे। इसी दौरान उन्हें देखकर कुत्ते भी भौंकने लगे। ऐसे में यहां मौजूद लोगों ने कुत्तों को भगा दिया। लोगों की सूचना पर वन विहार और वन विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं। वन विभाग के एसडीएम धीरज सिंह चौहान ने बताया कि जब टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू किया गया, उनको रास्ता दिया गया, जिससे वह जंगल में चले गए। उल्लेखनीय है कि विंड एंड वेव्स होटल से कुछ ही दूरी पर वन विहार नेशनल पार्क है। जहां पर बड़ी संख्या में नीलगाय है। यहां के नीलगाय तो कहीं बाहर निकलकर नहीं चले गए, इसलिए वन विहार की टीम भी मौके पर पहुंची थी।

मौसम केंद्र को बम से उड़ाने की धमकी

भोपाल। राजधानी भोपाल में शनिवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब मौसम केंद्र को बम से उड़ाने की धमकी वाला ई-मेल मिला। सूचना मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड में आ गईं। सुरक्षा के मद्देनजर तुरंत मौसम केंद्र के परिसर को खाली कराया गया। टीम ने बारीकी से जांच की। संबंधित थानों की टीमें बम डिस्पोजल स्क्वॉड और डॉग स्क्वॉड के साथ मौके पर पहुंचीं। कई घंटे चली जांच के बाद कहीं भी कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक नहीं मिला। प्राथमिक जांच में धमकी पूरी तरह फर्जी पाई गई।

19 फरवरी को निगम आयुक्त को कराया था समस्या से अवगत

मॉडल ग्राउंड में पानी के वॉल्व में निकला मरा केंचुआ, कचरे के ढेर में वॉल्व

वॉल्व से निकला मरा हुआ केंचुआ।

▶▶ लोगों का आरोप- पाइप लाइनें सीवेज में पानी में डूबी हैं

▶▶ अधिकारी कर चुके हैं स्थल निरीक्षण, लेकिन नहीं बदली लाइनें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

पुराने शहर के मॉडल ग्राउंड स्थित पानी की टंकी के पास वाल्व में मरा हुआ केंचुआ निकलने का मामला प्रकाश में आया है। निगम के जोन-5 और वार्ड नंबर-9 में आने वाले उक्त क्षेत्र में लगा वाल्व कचरे के ढेर में पटा रहता है। इसी से क्षेत्र में पानी सप्लाई के लिए वाल्व खोला जाता है। शनिवार को सुबह पानी के लिए वाल्व खोलने पर इसमें मरा हुआ केंचुआ निकला। इसमें गंदा और बदबूदार पानी भरा हुआ था। आईआईएमआईएम ने इस मामले को लेकर बीते माह निगम आयुक्त को अवगत कराया था, लेकिन गंदगी से घिरे पानी के वाल्व, सीवेज लाइन और पाइप लाइनों के एक साथ होने के बावजूद कोई कदम नहीं उठाया गया। मामले की शिकायत निगम के उच्च अधिकारियों से की गई है।

आईआईएमआईएम के मोहसिन अली खान ने बताया कि पुराने भोपाल में लोग दूषित पानी पी रहे हैं। पाइप लाइनें गंदगी से पटी हैं। वाल्व कचरे के ढेर में दबे हैं। इन्हीं वाल्व से क्षेत्र में पानी की सप्लाई हो रही है। पानी की टंकियों की सफाई तक नहीं करवाई जा रही है। इस समस्या से निगम को अवगत कराया था, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। केवल अधिकारी निरीक्षण करने आए थे, लेकिन धरातल पर कोई सुधार का काम नहीं हुआ। यह लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है।

गंदगी में डूबे वाल्व से बड़ी आबादी को होता है पानी सप्लाई

मॉडल ग्राउंड पेट्रोल पंप के पीछे फिरदोसी मस्जिद के पास गंदगी और कचरे से पटे वाल्व से ही क्षेत्र की बडी आबादी को पानी की सप्लाई होती हैं। स्थानीय रहवासियों की मांग है कि वाल्व को सुरक्षित किया जाए और क्षेत्र में पीने के पानी की नई लाइन बिछाई जाए।

निगम का तर्क- समस्या का निराकरण करवाएंगे

नगर निगम जोन-5 में जल कार्य विभाग के सहायक यंत्री अजय सिंह सोलंकी ने बताया कि मॉडल ग्राउंड क्षेत्र में समस्या का निराकरण जल्द करवाया जाएगा। जहां से भी पानी को लेकर किसी तरह की शिकायत मिल रही है उसका निराकरण करवाया जा रहा है।

कचरा और गंदगी के बीच वॉल्व को खोलता युवक।

भोपाल

रविवार, 8 मार्च 2026

चैत्र मास कृष्ण पक्ष-05

वर्ष : 12, अंक : 335

पृष्ठ : 18 मूल्य : 4.00 **

मौसम

अधि. 34

न्यून. 19

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

दोनों कप्तानों ने अलग-अलग पत्रकारों से चर्चा की

खबर संक्षेप

अब पत्रकार की हत्या के मामले में राम रहीम बरी

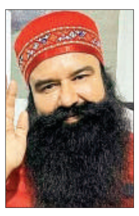

नई दिल्ली। पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने पत्रकार रामचंद्र छत्रपति हत्याकांड में डेरा सच्चा सौदा के राम रहीम को बरी कर दिया है। हालांकि कोर्ट ने 3 आरोपियों कुलदीप सिंह, निर्मल सिंह और कृष्ण लाल की सजा को बरकरार रखी है। इससे पहले 17 जनवरी 2019 को पंचकूला की स्पेशल सीबीआई कोर्ट ने 7 साल कैद की सजा सुनाई थी। जिसके खिलाफ आरोपियों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी।

शराब पी रहे दो युवकों की खाई में गिरने से मौत

इंदौर। इंदौर की महू तहसील के सिमरोल थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले पर्यटन स्थल तिंछा फॉल पर शनिवार तड़के एक दर्दनाक हादसा हो गया। किनारे बैठकर शराब पी रहे दो युवक अचानक संतुलन बिगड़ने से गहरी खाई में गिर गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सिमरोल थाना प्रभारी अमित कुमार के अनुसार घटना की सूचना अभिनय पुत्र नारायण पाठक (31) निवासी स्कीम नंबर-114 विजय नगर, इंदौर ने दी।

चीचली नपा अध्यक्ष शेख मंजूर को पद से हटाया

नरसिंहपुर। जिले की नगर परिषद चीचली के अध्यक्ष शेख मंजूर को नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने तत्काल प्रभाव से पद से हटा दिया है। उनके कार्यकाल में वित्तीय और प्रशासनिक अनियमितताएं सामने आने के बाद यह कार्रवाई की गई है। शासन ने 12.18 लाख रुपए की वसूली के भी आदेश दिए हैं। बता दें कि शेख कांग्रेस से आते हैं। उन्हें श्रमिकों की नियुक्ति में नियमों के उल्लंघन का आरोप है।

दरिंदे ने अपनी दादी की बेरहमी से हत्या कर दी

राजगढ़। जिले में रिश्तों को कलंकित करने वाली एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। भोजपुर थाना क्षेत्र में एक युवक ने अपनी ही दादी की बेरहमी से हत्या कर दी। पुलिस ने मामले की गुत्थी सुलझाते हुए आरोपित युवक को गिरफ्तार कर लिया है। एएसपी केएल बंजारे के अनुसार सूचना मिली थी कि एक गांव के खेत में 65 वर्षीय महिला गंभीर रूप से घायल अवस्था में पड़ी है।

अमेरिका-इजराइल व ईरान जंग

रूस के राष्ट्रपति पुतिन से बात के बाद ईरान के राष्ट्रपति नरम पड़े

पड़ोसी देशों पर अब नहीं करेंगे हमले अब तक के नुकसान के लिए 'सॉरी'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच संघर्ष रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन के बीच टेलीफोन पर बातचीत हुई। इसके बाद तनाव कम करने की दिशा में पहले बड़े कदम के रूप में, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने पड़ोसी देशों से माफी मांगी और देश की अंतरिम नेतृत्व परिषद के एक महत्वपूर्ण निर्णय की घोषणा की कि तेहरान पड़ोसी राज्यों के खिलाफ मिसाइल हमले या आक्रमण नहीं करेगा जब तक कि ईरान पर हमला उनके क्षेत्र से न किया जाए।

रूसी राष्ट्रपति की इस बातचीत को लेकर अब ये कयास लगाए जा रहे हैं कि रूस इस मुश्किल वक्त में ईरान का साथ दे सकता है, हालांकि पुतिन ने ईरान के राष्ट्रपति से तनाव कम करने और जल्द से जल्द मुद्दे को कूटनीतिक तरीके से सुलझाने की अपील की है। रूसी विदेश मंत्रालय की ओर से टेलीग्राम पर दोनों नेताओं के बीच हुई बातचीत की जानकारी दी गई। रूसी विदेश मंत्रालय ने ▶▶ शेष पेज 11 पर

रूसी विदेश मंत्रालय ने बताया कि ईरान अपनी संप्रभुता और अपने देश की आजादी की रक्षा कर रहा है

▶▶ **पुतिन ने कहा** ईरान ने पड़ोसियों के सामने सरेंडर कर दिया

▶▶ **ईरानी राष्ट्रपति बोले-** ट्रंप का उनकी कब्र में ही सरेंडर का ख्वाब होगा पूरा

फिर भी खाड़ी देशों पर नहीं रुके हमले

मसूद पेजेश्कियन

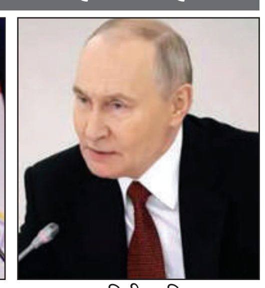

व्लादिमीर पुतिन

पुतिन ने ताकत के इस्तेमाल को नकारा

कूटनीतिक समाधान पर जोर

ईरान ने सरेंडर कर दिया, अब वह मिडिल ईस्ट का दादा नहीं रहाः ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान, जो बुरी तरह हार रहा है, ने अपने मध्य पूर्वी पड़ोसियों से माफी मांगते हुए आत्मसमर्पण कर दिया है और वादा किया है कि वह अब उन पर गोलीबारी नहीं करेगा। यह वादा अमेरिका और इजराइल के लगातार हमलों के कारण ही किया गया है। वे मध्य पूर्व पर ▶▶ शेष पेज 11 पर

वे हमारे बिना शर्त आत्मसमर्पण के सपनों को कब्र में ले जाएंगेः ईरान

ईरान ने यूएस-अमेरिका की संयुक्त कार्रवाई के बाद पलटवार करते हुए अपने पड़ोसी देशों पर ताबड़तोड़ हमले किए थे, इस एक्शन को लेकर वहां के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने शनिवार को माफी मांग ली है, साथ ही अमेरिका की तरफ से की गई सरेंडर की ▶▶ शेष पेज 11 पर

रूस से तेल खरीदने को लेकर ट्रंप की छूट पर भारत ने दिया जवाब

हमें किसी की इजाजत की कोई जरूरत नहीं

ईरान पर यूएस-इजराइल पर हमले के बाद स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते पर तनाव बना हुआ है और दुनिया में तेल को लेकर गंभीर चिंता देखी जा रही है। इस बीच अमेरिका ने भारत को रूस से तेल खरीदने की बात कही, जिसके बाद से राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई। इस मामले पर अब सरकार ने प्रतिक्रिया दी है। केंद्र सरकार ने शनिवार को साफ कहा है कि भारत को जहां से भी सस्ता तेल मिलेगा वहीं से खरीदेगा। सरकार ने यह भी कहा कि रुकावटों के बावजूद भारत की एनर्जी सप्लाई सुरक्षित बनी हुई है। भारत ने अपने कच्चे तेल के सोर्स को 27 से 40 देशों तक अलग-अलग कर दिया है, जिससे कई दूसरे सप्लाई रूट पक्के हो गए हैं। देश के हित में भारत उन जगहों से तेल खरीदता है जहां सबसे अच्छे और सस्ते रेट मिलते हैं। केंद्र ने कहा कि भारत ने रूसी तेल खरीदने के लिए कभी किसी देश की इजाजत पर निर्भर नहीं रहा है। भारत फरवरी 2026 में भी रूस से तेल इंपोर्ट कर रहा है और रूस अभी भी भारत का सबसे बड़ा क्रूड ऑयल सप्लायर है। रूस-यूक्रेन युद्ध के तीन साल तक भारत यूएस और ईयू के ▶▶ शेष पेज 11 पर

'मैदानी' जंग से पहले .... 'जुबानी' जंग

सैंटनर बोले- 140 करोड़ भारतीयों का दिल तोड़ेंगे सूर्या-कुछ नया ट्राई करो

टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल आज, शाम 7 बजे से, अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल मैच रविवार को भारत और न्यूजीलैंड के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। लेकिन इस महामुकाबले से पहले दोनों टीमों के कप्तानों में जुबानी जंग शुरू हो गई है। पहले न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने भारतीय टीम को लेकर एक सख्त बयान दिया। जिसपर अब सूर्या का भी रिएक्शन सामने आया है। सैंटनर ने कहा था कि उनकी टीम अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले फाइनल में 140 करोड़ भारतीय दर्शकों को शांत कराने की कोशिश करेगी। उनके ▶▶ शेष पेज 11 पर

फ्रीबीज की वजह से रुका देश का विकास?

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव से ठीक पहले अलग-अलग राज्य सरकारों द्वारा मतदाताओं को लुभाने के लिए मुफ्त उपहार (फ्रीबीज), खासकर बैंक खातों में नकद दिए जाने की आलोचना की थी। शीर्ष अदालत ने इस पर रोक लगाने को जरूरी बताया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की एक रिपोर्ट में फ्रीबीज पर चिंता जताते हुए मुफ्त उपहार और बैंक खातों में नकदी जैसी फ्रीबीज योजनाएं लागू करने पर खर्च की सीमा जीएसडीपी का फीसदी तक सीमित करने की सिफारिश की है ताकि सरकार की जरूरी व कल्याणकारी योजनाएं प्रभावित नहीं हों। विधानसभा चुनाव के दौरान ▶▶ शेष पेज 11 पर

बिलासपुर से कोयला लेकर बड़ोदरा जा रही थी मालगाड़ी

5 डिब्बे पटरी से उतरे, रेल यातायात प्रभावित

कटनी। बिलासपुर से कोयला लेकर बड़ोदरा जा रही एक मालगाड़ी बिलासपुर बीना मार्ग पर कटनी मुड़वारा स्टेशन से पहले बेपटरी हो गई। जिससे रूट का रेल आवागमन प्रभावित हुआ है। ट्रैक को सुधारने और पटरी से उतरे डिब्बों को वापस पटरी पर लाने का कार्य जारी ▶▶ शेष पेज 11 पर

ओला, उबर और रेपिडो की बाइक टैक्सी पर हाई कोर्ट सख्त

केंद्रीय व राज्य परिवहन मंत्रालय व कंपनियों से मांगा जवाब

दोपहिया वाहनों में यात्री सुरक्षा के क्या हैं इंतजाम?

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

बाइक टैक्सी सेवाओं जैसे ओला, उबर और रेपिडो में मोटर व्हीकल एक्ट के खुलेआम उल्लंघन को लेकर मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने कड़ा रुख अपनाया है। कोर्ट ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के प्रमुख सचिव, प्रमुख सचिव गृह विभाग, मध्य प्रदेश और ओला, उबर और रेपिडो

फाइल फोटो

सहित अन्य कंपनियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। कोर्ट ने सीधे सवाल किया कि व्यावसायिक उपयोग में लगे दोपहिया वाहनों में यात्री सुरक्षा के क्या इंतजाम हैं और इन वाहनों पर जीपीएस क्यों नहीं लगे हैं? यह मामला कानून के छात्र आयुष जाट द्वारा दायर जनहित याचिका से शुरू हुआ। एडवोकेट अमित सिंह सिसोदिया के माध्यम से प्रस्तुत याचिका में कहा गया है कि शहर में यात्री सेवा के लिए दौड़ रहे ये दोपहिया वाहन वास्तव में निजी उपयोग के लिए पंजीकृत हैं। यानी दुर्घटना की स्थिति में यात्री न बीमा का ▶▶ शेष पेज 11 पर

गूगल सीईओ सुंदर पिचाई का नया पैकेज

पिचाई दुनियाभर में सबसे ज्यादा वेतन पाने वाले अधिकारियों में से एक

3 साल के लिए 6300 करोड़ का 'भारी-भरकम' वेतन तय

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई को अगले तीन साल में अपनी कंपनी से भारी-भरकम 'वेतन' मिलने वाला है। इतना कि जानकर आप दांतों तले अंगुली दबा लेंगे। अल्फाबेट के मालिकाना हक वाली गूगल ने सुंदर पिचाई का कुल संभावित मुआवजा यानी कम्पनसेशन अगले तीन साल के लिए बढ़ाकर 692 मिलियन डॉलर कर दिया है जो करीब 6300 करोड़ रुपए बैठता है। हालांकि इस 'वेतन' को पाने के लिए पिचाई को

सुंदर पिचाई

अपने लक्ष्य पूरे करने होंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि गूगल ने पहली बार पिचाई के लिए 350 मिलियन डॉलर के नए स्टॉक इंसेंटिव्स का ऐलान किया है। ये कंपनी के ऑटोनॉमस प्रोजेक्ट्स की ग्रोथ से जुड़े हैं। गौर हो कि पिचाई की लीडरशिप में गूगल लगातार आगे बढ़ रही है। वह साल 2015 में गूगल के सीईओ बनाए गए थे। तब गूगल का मार्केट कैपिटलाइजेशन 7 गुना तक बढ़ गया है। वह 535 बिलियन डॉलर से बढ़कर 3.6 ट्रिलियन डॉलर हो गया है। सुंदर पिचाई की उम्र 53 साल है। उनका जन्म भारत में हुआ था। पिचाई ने साल 2004 में गूगल ज्वॉइन किया था। उन्होंने क्रोम के डेवलपमेंट और एंड्रॉयड ओएस को लीड ▶▶ शेष पेज 11 पर

पिचाई का सैलरी ब्रेकअप

पे पैकेज का बड़ा हिस्सा यानी 126 मिलियन डॉलर मूल्य की परफॉर्मेंस स्टॉक यूनिट्स से आता है, जिसे दो किस्तों में बांटा गया है। बताया गया है कि ये स्टॉक्स अल्फाबेट के शेयरधारकों को मिलने वाले रिटर्न और एस एंड पी 100 इंडेक्स पर निर्भर करते हैं। अगर पिचाई अपने टार्गेट्स को पूरा ▶▶ शेष पेज 11 पर

महिला दिवस पर विशेष

गीता-बबीता फोगाट, साक्षी मलिक समेत 500 पहलवान कर चुकी हैं तैयार

कभी कबड्डी और जूडो खिलाड़ी रहीं फातिमा बानो आज एक कामयाब कुश्ती कोच हैं। उन्होंने सैकड़ों प्रतिभाओं को गांव-देहात से तलाशा और अपने अखाड़े में उच्च प्रशिक्षण दिया। आज वे उनके सभी शिष्य उच्च स्तर पर नाम कमा रहे हैं।

फातिमा ने गांव-देहात की प्रतिभाएं ढूंढकर विश्व स्तर पर चमकाईं

प्रवीण सक्सेना ▸▸| भोपाल

मजहब के सांचों को तोड़ कर भोपाल की फातिमा बानो देश की पहली मुस्लिम महिला कोच बनीं तो खुद के खर्च से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सैकड़ों खिलाड़ियों की जमात खड़ी कर दी। वे गीता-बबीता फोगाट व साक्षी मलिक को भी कैंप में ट्रेनिंग दे चुकी हैं। वहीं उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका, कजाकिस्तान और किर्गिस्तान के खिलाड़ियों को भी प्रशिक्षित किया है। कुल मिलाकर देखा जाए तो अब तक करीब 500 महिला और पुरुष खिलाड़ियों को वे ट्रेनिंग दे चुकी हैं जो कहीं न कहीं फातिमा का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस खेल में फातिमा यूं तो जूडो की खिलाड़ी रहीं लेकिन उन्होंने कुश्ती की शुरुआत 1997 में भोपाल से की। पिता सैयद नसरूल्ला बीएचएल में थे और मां निशा बानो गृहिणी। फातिमा 2001 में विक्रम अवॉर्डी बनीं और यह मुकाम हासिल करने वाली वे पहली कुश्ती खिलाड़ी हैं। उन्होंने 2004 से 2016 तक खेल विभाग में सेवाएं दीं। 2002 से कोच के रूप में दूसरी पारी शुरू की और गांव-देहात से ऐसी प्रतिभाएं खोजीं जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चमकीं। इन्हें अखाड़ा ट्रेनिंग स्कूल में अपने खर्च से गढ़ा। वहीं, उन्होंने बताया कि मैं अपने पति के साथ पिछले 20 साल से युवा खिलाड़ियों को तराश रही हूं। इसके साथ ही कई खिलाड़ियों को आर्थिक दंगी के कारण निशुल्क ट्रेनिंग देती हूं।

बचपन से ही था खेलों का शौक

भोपाल की रहने वाली फातिमा का रेसलिंग कोच बनने का सफर आसान नहीं रहा। फातिमा को बचपन से ही खेलों का शौक था। उन्होंने कबड्डी में तीन नेशनल मेडल जीते। उनका खेल देखने के बाद, फातिमा के कोच ने उन्हें रेसलिंग सीखने की सलाह दी। जब फातिमा ने अपने माता-पिता को इस बारे में बताया, तो वे बहुत नाराज़ हुए कि एक महिला 'पुरुषों का खेल' सीख रही है। लेकिन 1997 में, फातिमा ने फिर भी आगे बढ़कर पटियाला में रेसलर के तौर पर ट्रेनिंग ली। बाद में उन्होंने कई नेशनल और इंटरनेशनल कॉम्पिटिशन में हिस्सा लिया और कुछ अवॉर्ड जीते। इसके बाद फातिमा ने रेसलिंग के सारे गुर अपने कोच शाकिर नूर से सीखे, जिनका मानना था कि किसी इंसान का मोटिवेशन और विल पावर उसे कुछ भी हासिल करने में मदद कर सकता है। नूर हिम्मत देते थे और उन्हें पुरुष रेसलरों से कम नहीं समझते थे। नूर की हिम्मत ने फातिमा को फुल टाइम कोचिंग करने प्रेरित किया।

क्या कहते हैं फातिमा के स्टूडेंट

फातिमा के स्टूडेंट्स उन्हें एक अच्छी टीचर बताते हैं। उनके 15 साल के स्टूडेंट अंसार का कहना है कि उन्होंने फातिमा से न सिर्फ रेसलिंग की कई टेक्नीक सीखी हैं, बल्कि एक फाइटर के तौर पर उनका कॉन्फिडेंस भी बढ़ा है। वहीं 16 साल के अदीब का कहना है कि उन्होंने फातिमा से सैकड़ों टेक्नीक सीखी हैं। उनकी एक स्टूडेंट, अदिति ने रेसलिंग सिर्फ सेल्फ-डिफेंस के तौर पर सीखना शुरू किया था। लेकिन आज वह इस फील्ड में अपने देश का नाम रोशन करना चाहती है।

विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार जीतेः 1997 में, वह पटियाला गईं और पहलवान के रूप में प्रशिक्षण प्राप्त किया। अपने कोच, शाकिर नूर के मार्गदर्शन में उन्होंने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियनशिप में भाग लिया और पुरस्कार जीते।

मप्र पुलिस की ललिता राठौर कई राज्य और राष्ट्रीय खिलाड़ी कर चुकी हैं तैयार

4 साल के बच्चे से लेकर 45 साल तक लोगों को सिखाती सेल्फ डिफेंस

भेल के पुलिस आवासीय परिसर में रोजाना आपको एक सेल्फ डिफेंस की क्लास चलती हुई दिखाई दे ही जाएगी। इस क्लास में 4 साल के बच्चे से लेकर 45 साल तक के लोग सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग लेते हैं। इस ट्रेनिंग का संचालन करती हैं 4 डिग्री ब्लैक बेल्ट धारी सेंसेई ललिता राठौर।

ललिता यूं तो मप्र पुलिस में तैनात हैं, लेकिन अपनी जूडो प्रतिभा की वजह से वे एक ऑफिशियल जूडो प्रशिक्षक भी हैं जो महिलाओं के साथ पुरुषों को समान रूप से जूडो का प्रशिक्षण देती हैं। सेंसेई ललिता ने बताया कि वे 2014 से कोचिंग लाइन में हैं। उन्होंने बताया कि वे नेशनल कराटे एसोसिएशन के साथ ही मप्र एमेच्योर कराटे संघ की क्वालिफाइड कोच हैं। उन्होंने कई राज्य और राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी भी तैयार किए हैं। इसके अलावा सेंसेई ललिता कई निजी विद्यालय एवं महाविद्यालयों में अलग-अलग समय पर सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग भी देती हैं।

राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी रही हैं ललिता

ललिता के कोच सेंसेई जयदेव शर्मा ने बताया कि ललिता 2007-08 से उनके पास रही हैं और उनमें उन्होंने एक बेहतर खिलाड़ी को देखा। फिर क्या था जयदेव ने जो प्रशिक्षण दिया तो ललिता राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी बन गई और 2008 से 2011 तक टीटी नगर स्टेडियम में कोचिंग देने लगीं। उन्होंने बताया कि यह सिलसिला 2013 तक चला। इसके बाद वे पुलिस आवासीय परिसर में बतौर सेल्फ डिफेंस कोच तैनात हो गईं और तब से अब तक यहीं हैं।

एसआई योगिता महिला अपराध पड़ताल के लिए चर्चित

पांच साल की बच्ची के कातिल को फांसी की सजा दिलाकर ही लिया दम

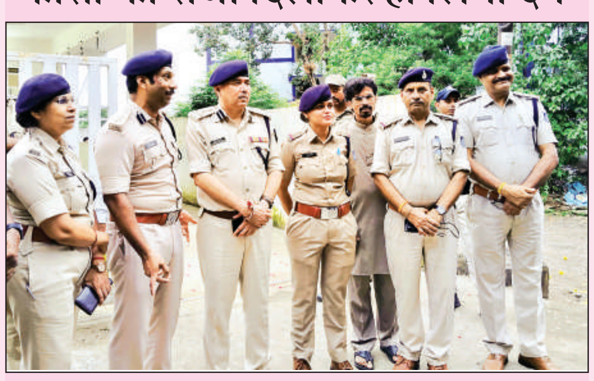

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भोपाल

ग्वालियर से पढ़ाई और एसआई की तैयारी करने के बाद पुलिस विभाग में बतौर एसआई बतौर पदस्थ योगिता जैन महिला संबंधी अपराधों में अनुसंधान के लिए हमेशा चर्चा में रहती हैं। एसआई योगिता जैन अवधपुरी, बिलखिरिया, अशोका गार्डन थाने में अपनी सेवाएं दे चुकी हैं। उनकी प्राथमिक कार्रवाई से लेकर सजा दिलाने तक का सफर सटीक है। राजधानी के मल्टी वाजपेयी नगर में बहुचर्चित दुष्कर्म और हत्याकांड में योगिता जैन द्वारा किए गए अनुसंधान ने आरोपी को फांसी के फंदे तक पहुंचा दिया।

एसआई योगिता जैन ने बताया कि वे एफआईआर के समय फरियादी की अच्छी तरह से सुनती हैं। उनके साथ जो हुआ है, उस पर चिंतन करने के बाद एफआईआर करती हैं। इस दौरान न वह अपने घर पर किसी से बातचीत करती है और न ही दोस्तों से मोबाइल पर चर्चा करती हैं। उनका यह व्यवहार कुछ लोगों को जरूर बुरा लगता है। खासकर मीडियाकर्मियों को, लेकिन उन्होंने बताया कि काम पर जब तक फोकस नहीं होगा, काम ठीक से नहीं हो सकेगा।

पांच साल की बच्ची से दुष्कर्म और हत्या

एसआई योगिता जैन ने वाजपेयी नगर मल्टी में पांच साल की बच्ची से दुष्कर्म और उसकी हत्या करने वाले आरोपी को फांसी के फंदे तक पहुंचाने अथक प्रयास किया। उनके द्वारा अपराध में किया गया अनुसंधान अच्छा रहा और आरोपी को फांसी की सजा सुना दी गई। उन्होंने बताया कि 24 सितंबर की सुबह बच्ची के गुम होने की सूचना मिली थी। पुलिस की टीम के साथ वह वाजपेयी नगर मल्टी पहुंची। वहां बच्ची की तलाश की। पास ही एक मकान में बच्ची का शव बाथरूम के पास ऊपर फंसी टंकी में मिल गया। पुलिस ने उक्त फ्लैट से आरोपी की मां और बहन को हिरासत में लिया। उन्होंने अपने बेटे के द्वारा दुष्कर्म और हत्या की बात स्वीकार ली। मामला गंभीर होने के कारण मल्टी में लॉ इन ऑर्डर की स्थिति बन गई थी। आरोपी की गिरफ्तारी और उसे कोर्ट में पेश करना किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं था। हर बार वह आरोपी पक्ष और फरियादी पक्ष के साथ कोर्ट पेशी में पहुंची है। पुलिस का दायित्व था कि आरोपी को कोर्ट परिसर और बाहर किसी तरह से कोई नुकसान न हों। उसे कोर्ट ही सजा सुनाए। लिहाजा पूरी सतर्कता बरतनी पड़ी।

पिता बिजनेसमैन, पर मुझे बनना था एसआई

एसआई योगिता जैन ने बताया कि वर्ष 2017-18 के बेच में वह सब इंस्पेक्टर बतौर पदस्थ हुई थी। ग्वालियर में उनका बचपन बीता है। पिता बिजनेसमैन हैं। उन्हें नौकरी की जरूरत नहीं थी, लेकिन वह पुलिस विभाग में भर्ती होना चाहती थी। लिहाजा उन्होंने पिता से कहा और पिता ने पढ़ाई में पूरा सहयोग किया। पिता ने कभी नहीं पूछा कि क्या कर रही हो। उन्हें केवल रिजल्ट देना था और रिजल्ट आया तो उनका सिलेक्शन हो चुका था। एक साल की ट्रेनिंग की और थाने में पोस्टिंग हो गई।

नाइट ड्यूटी में थाने पहुंकर करनी पड़ती है एफआईआर

योगिता जैन ने बताया कि उनकी नाइट ड्यूटी कंट्रोल रूम में लगती है और ड्यूटी के समय महिला थाने में तैनात रहना पड़ता है। इस दौरान किसी थाने से महिला संबंधी अपराध की जानकारी मिलती है तो महिला-युवती या नाबालिग जो भी हो काउंसलिंग करनी पड़ती है साथ ही एफआईआर करनी होती है।

खेलो इंडिया विवि गेम्स में जीत चुकी हैं गोल्ड मेडल

भोपाल में युवाओं को कुश्ती सिखा रहीं ग्वालियर की बेटी रमन यादव

ग्वालियर के तिघरा गांव की रमन यादव ने पहले खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में गोल्ड मेडल जीतकर शहर के साथ प्रदेश का नाम रोशन किया। उन्होंने 50 किग्रा के वजन वर्ग में बरकतउल्लाह यूनिवर्सिटी मप्र का प्रतिनिधित्व करते हुए यह स्वर्णिम उपलब्धि हासिल की है। इसी का दम है कि रमन आज इंटरनेशनल रेसलर होने के साथ ही रेसिलिंग कोच भी हैं और उन्होंने इंटरनेशनल के साथ कई नेशनल मेडल भी जीते हैं। आज वे भोपाल के टीटी नगर स्टेडियम में बतौर कोच 2014 से युवाओं को कुश्ती के दाव-पेंच सिखा रही हैं और उन्हें कुश्ती कला में पारंगत करने में जुटी हैं। इसके लिए उन्होंने विशेष योग्यता के तौर पर वर्ष 2022 में एनआईएस भी किया है। इसके साथ ही वे मप्र पुलिस में भी अपनी सेवा दे रही हैं और 23वीं बटालियन में पदस्थ हैं।

पिता भी रह चुके हैं पहलवान

रमन ने बताया कि उनके पिता सुंदर यादव यूं तो किसान हैं, लेकिन उन्हें भी पहलवानी का खासा शौक था और वे अपने समय के बड़े दंगल पहलवानों में गिने जाते थे। पिता की निरंतर विजय का असर बेटी रमन पर भी पड़ा और उसने भी अपने आप को बतौर पहलवान स्थापित करने का निर्णय बचपन में ही ले लिया था। अपने चार भाई बहनों में सबसे बड़ी रमन ने बेहद की कम उम्र में पहलवानी की ओर रुख कर लिया था। वे बताती हैं कि उनसे छोटी बहन ग्वालियर में ही डॉक्टर हैं और छोटी बहन को भी पहलवानी का काफी शौक है और फिलहाल वह पटियाला से एनआईएस कर रही है। वहीं छोटा भाई अपनी पढ़ाई पूरी करने में जुटा है।

13 वर्ष की उम्र में ही कर ली थी एकेडमी ज्वॉइन

रमन के कोच रहे विक्रम अवार्डी शाकिर अली नूर ने बताया कि वे ग्वालियर के तिघरा निवासी सुंदर सिंह यादव की बेटी को बहुत ही छोटी उम्र में अकादमी ले आए थे। उन्होंने अपने अंडर में रमन को तैयार किया और आज नतीजा सबके सामने है कि वह प्रदेशभर के कई युवाओं को कुश्ती सिखा रही हैं।

कनाडा में बढ़ा चुकी हैं मप्र पुलिस का मान, डीजीपी मकवाणा कर चुके हैं सम्मानित

आज भी युवाओं का सुनहरा भविष्य गढ़ने में लगी हैं गोल्डन गर्ल रीना

मप्र पुलिस में कार्यरत रीना गुर्जर एक ऐसा नाम है जो युवाओं को कराते में ट्रेंड कर उनका सुनहरा भविष्य गढ़ने में लगी हैं। गोल्डन गर्ल के नाम से मशहूर रीना 2009 से कराते मप्र राज्य कराते अकादमी में बोर्डिंग खिलाड़ी थीं। वे कराते अकादमी में सेंसाई जयदेव शर्मा के प्रशिक्षण में अभ्यास कर रही थीं तथा 2012 में उनका मप्र पुलिस में चयन हो गया था। तब से रीना गुर्जर मध्यप्रदेश पुलिस टीम से कई पदक प्राप्त कर चुकी हैं। रीना गुर्जर वर्तमान में खेल युवा कल्याण विभाग के तहत कराते अकादमी में स्वयं भी अभ्यास करती हैं तथा बच्चों को भी प्रशिक्षण दे रही हैं। आज उनके सैकड़ों शिष्य प्रदेश में नाम कमा रहे हैं।

2010 से की थी शुरुआत

राजगढ़ जिले के नरसिंहगढ़ की रहने वाली रीना गुर्जर ने कराते की शुरुआत 2010 से की थी। वह दिन उनके लिए बड़ा ही भाग्यशाली साबित हुआ जब उन्होंने टीटी नगर स्टेडियम में कराते अकादमी में बतौर आवासीय प्रशिक्षणार्थी प्रवेश लिया। यहां के कोचेस ने उनकी प्रतिभा को पहचाना और उन्हें ऐसा प्रशिक्षण मिला कि इसके बाद रीना रुकी नहीं और एक के बाद एक कई मेडल उनकी झोली में आते रहे। रीना 11 बार नेशनल में गोल्ड तथा इंटरनेशनल में एक स्वर्ण पदक तथा चार रजत पदक प्राप्त कर चुकी हैं। इन्हीं मेडल्स की दम पर पर वे अबब भोपाल में मध्य प्रदेश पुलिस में पदस्थ हैं। रीना गुर्जर वर्तमान में टीटी नगर स्टेडियम में कोच तथा प्लेयर अटैचमेंट पर हैं तथा बच्चों को उत्साहवर्धन बढ़ाती हैं। इस उपलब्धि के साथ, गुर्जर मध्य प्रदेश पुलिस की पहली महिला एथलीट बन गई हैं जिन्होंने विश्व पुलिस एवं अग्निशमन खेलों में पदक जीते हैं।

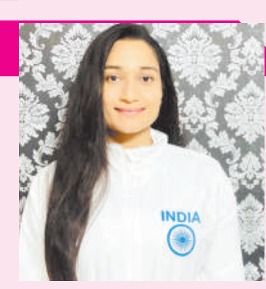

वर्ल्ड पुलिस फायर गेम्स में मप्र पुलिस को किया गौरवान्वित

रीना मप्र पुलिस की पहली महिला हैं, जिन्होंने कनाडा में आयोजित वर्ल्ड पुलिस फ़ायर गेम्स में मप्र पुलिस को 1 गोल्ड तथा 3 रजत पदक प्राप्त करके मप्र पुलिस को गौरवान्वित किया था। इस उपलब्धि पर उन्हें डीजीपी कैलाश मकवाणा ने सम्मानित भी किया था। रीना का कहना है कि, आज मैं जो भी कुछ कर पाई हूं अपने परिवार और अनुशासन के कारण ही कर पाई हूं।

समय को चुनौती दी, बेटी होने के बाद फिजिकल टेस्ट किया पास, स्कूल टाइम में एनसीसी से ही थी पुलिस में जाने की जिज्ञासा

परिवार में तीन बेटियां होने का झेला दंश, लेक्चरर की नौकरी छोड़कर एसआई बनी शिल्पा

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भोपाल

नरसिंहपुर जिले के छोटे से गांव सगोरिया में जन्मी स्टेशन बजरिया थाना प्रभारी शिल्पा कौरव ने पुलिस विभाग में भर्ती होकर अपना सपना पूरा किया। दरअसल, उनके पिता लेक्चरर थे और शिल्पा कौरव ने भी लेक्चरर की आठ साल नौकरी की, लेकिन उनका बचपन से ही सपना था कि उन्हें पुलिस विभाग में भर्ती होना है। लिहाजा शिल्पा कौरव 2012 में पुलिस विभाग में एसआई बतौर पदस्थ हुईं।

शिल्पा ने बताया कि बेटी होने का सामाजिक दंश उन्होंने झेला है। समाज में बेटियों को पढ़ाया नहीं जाता है, बल्कि समय से पहले हाथ पीले कर दिए जाते हैं। पिता ने कहा था कि तुम्हे डॉक्टर बनना है, लेकिन मेरा मन तो पुलिस विभाग में जाने का था। मैंने आठ साल की बेटी होने के बाद एसआई की परीक्षा पास की और शारीरिक दक्षता पास करते हुए एसआई बन गई। मेरे सपने के साथ मां का भी सपना था कि मैं एसआई बनूं।

तीन बहनें होने पर उपहास उड़ाते थे लोग

शिल्पा कौरव बचपन से ही पुलिस विभाग में भर्ती होना चाहती थी। उन्होंने पिता से कहा था कि पुलिस में भर्ती होना है, लेकिन पिता कहते थे कि तुम डॉक्टर बन जाओ तैयारी करो। मुझे एमबीबीएस नहीं करना था। पिता के कहने पर मैंने परीक्षा दी और सवालों का जवाब पता होने के बाद भी मैंने गलत उत्तर दिए। हम तीन बहनें थी और समाज हमारा उपहास उड़ाता था। तेरह साल बाद घर में भाई ने जन्म लिया।

बेटी को साथ लेकर की इलाके में गश्त

शिल्पा कौरव ने बताया कि अनबन होने के कारण वह पति से अलग हो गई। एसआई बनने के बाद उनकी बेटी छोटी थी। कई बार वह बच्ची को लेकर गश्त पर गई हैं। वर्दी पहनने के बाद उन्हें किसी का डर नहीं लगता है। कई बार वह बेटी को लेकर भी इलाके में गश्त करने निकल जाती थी। बेटी के सामने कई बार घायलों को अस्पताल पहुंचाया। इससे बेटी भी निडर हो गई। मेरी ट्रेनिंग के समय मैं रायसेन कोतवाली में थी। उस समय थाना प्रभारी जगदीश सिंह सिद्धू थे। उनके संरक्षण में मुझे प्रशिक्षण मिला। उनसे बहुत कुछ सीखने को भी मिला।

कुछ अलग करने की जिद में मैंने चुना फोरेंसिक मेडिसिन साइंसः डॉ. प्रियंवदा कुरवेती वर्मा

शव परीक्षण में पारंगत बनकर सुलझाए कई उलझे हुए प्रकरण

सचिन सिंह बैस ▸▸| भोपाल

फोरेंसिक मेडिसिन साइंस एक ऐसा विषय है, जिसमें महिलाएं विषय विशेषज्ञ बनना कम ही पसंद करती है। अधिकतर महिला चिकित्सक स्त्री एवं प्रसूति रोग, बाल रोग, त्वचा रोग, रेडियोलॉजी आदि में पीजी करना चाहती हैं। कारण फोरेंसिक मेडिसिन में मुख्य कार्य शव परीक्षण करना एवं मेडिको लीगल प्रकरण जैसे आयु परीक्षण, चोटों का परीक्षण, यौन अपराधों के प्रकरणों के पीड़ितों एवं आरोपियों का परीक्षण आदि होता है। इसके पश्चात न्यायालय में विशेषज्ञ गवाह के रूप में साक्ष्य देने भी जाना होता है। लेकिन डॉ. प्रियंवदा कुरवेती वर्मा ने यही पेशा चुना।

महिला दिवस पर हरिभूमि से चर्चा करते हुए डॉ. प्रियंवदा ने बताया कि उन्हें कुछ अलग करने करना था, इसलिए फोरेंसिक मेडिसिन साइंस विषय को चुना।

डॉ. प्रियंवदा ने बताया कि एक बार परीक्षण के लिए एक शव लाया गया, जो पुलिस के अनुसार महिला का था। जिसने फांसी लगाई थी। शव परीक्षण में पता चला कि वह शव 20-22 के पुरुष का था। चूंकि उसने महिला जैसी सलवार कमीज एवं गहने पहने थे और शव सड़ा हुआ था, इसलिए वह प्रथम दृष्टया महिला का प्रतीत हो रहा था। डॉ. प्रियंवदा वर्तमान में सह प्राध्यापक, फोरेंसिक मेडिसिन विभाग के रूप में गांधी मेडिकल कॉलेज एवं हमीदिया अस्पताल भोपाल में पदस्थ हैं।

बच्चियों के साथ अपराध करने वालों को हो कड़ी सजा

डॉ. प्रियंवदा ने कहा कि सबसे दुखद भाग उन छोटी बच्चियों की मेडिकल जांच करना था जो यौन अपराधों का शिकार हुई एवं उनके शरीर पर गंभीर चोटें पाई गई। यह देख कर मन द्रवित हो उठता है। मन में भाव आता है कि ऐसे लोगों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। डॉ. प्रियंवदा ने महिला दिवस पर कहा कि हमारे देश की महिलाएं वीरांगनाएं हैं। उनको प्रतिभा की पहचान कर निरंतर आगे बढ़ते रहना चाहिए।

भिखारियों से पैसा छीनकर गला दबाकर की हत्या

पुलिस को एक बच्चे का शव झाड़ियों में मिला था, जिसका मुंह दबा कर एवं गला घोटकर हत्या की गई थी। शव परीक्षण के दौरान उसके कुछ सैंपल निकाल कर सुरक्षित कर फोरेंसिक साइंस लैब भेजे गए, जिससे पता चला कि मृत्यु पूर्व उससे गुदा मैथुन किया गया था। कुछ भिखारियों के शव भी परीक्षण के लिए लाए गए, जिनमें मृत्यु किसी बीमारी अथवा हृदयाघात से होना प्रतीत हो रही थी। किंतु शव परीक्षण पश्चात मृत्यु का कारण पैसे के लिए मुंह एवं गला दबा कर हत्या किया जाना सामने आया। डॉ. प्रियंवदा ने बताया कि अपने अब के कार्यकाल में इन्होंने उन किन्नरों की भी जांच की, जिनके साथ यौन शोषण की घटनाएं हुई थी।

मंडीदीप के उद्योगों में मैन पावर के साथ वूमन पावर का भी दबदबा

मंडीदीप के उद्योगों में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर महिलाएं कर रही काम

पांच वर्ष में 15000 से अधिक महिलाओं को मिला रोजगार, टैक्सटाइल इंडस्ट्री में महिलाओं की सहभागिता से लेबर की किल्लत से मिली निजात

नीतेश पटेल ▸▸| मंडीदीप

किसी भी इंडस्ट्री या कार्यालय में मेन पावर कहना चाहिए तो काम करने वाले वो कर्मचारी जो कंपनी के निर्माण में रीढ़ की हड्डी होते हैं, ऐसे ही मंडीदीप में करीब 400 इंडस्ट्री हैं जिसमें एमएनसी करीब एक दर्जन से अधिक हैं जहां बड़ी मात्रा में टेक्सटाइल, खिलौने और कॉस्ट्यूम जैसे सामग्री का निर्माण होता है। उन सभी में अब महिला कर्मचारियों की बड़े मात्रा में भागीदारी विगत कई वर्षों से देखने को मिल रही है।

एमपी का पहला महिला हॉस्टल मंडीदीप में

वही मंडीदीप उद्योगों में करने वाली महिलाओं के लिए एमपीआरडीसी के द्वारा महिला हॉस्टल का निर्माण कर रही है, जिसमें महिलाओं के लिए रहने के लिए 8 ब्लॉक का 6 मंजिला भवन का निर्माण किया जा रहा है। जिसका निर्माण प्रगति पर है इसमें 3000 से अधिक महिलाएं रह सकेंगी।

हॉस्टल मील का पत्थर साबित होगा....

विगत पांच वर्षों से महिला कर्मचारियों से जहां बड़े उद्योगों को कर्मचारियों की किल्लत दूर हुई तो वही महिलाओं के हाथों में रोजगार उपलब्ध हुआ है। महिला हॉस्टल महिला कर्मचारियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

विशाल सिंह चौहान, ई.डी, एमपीआईडीसी, भोपाल

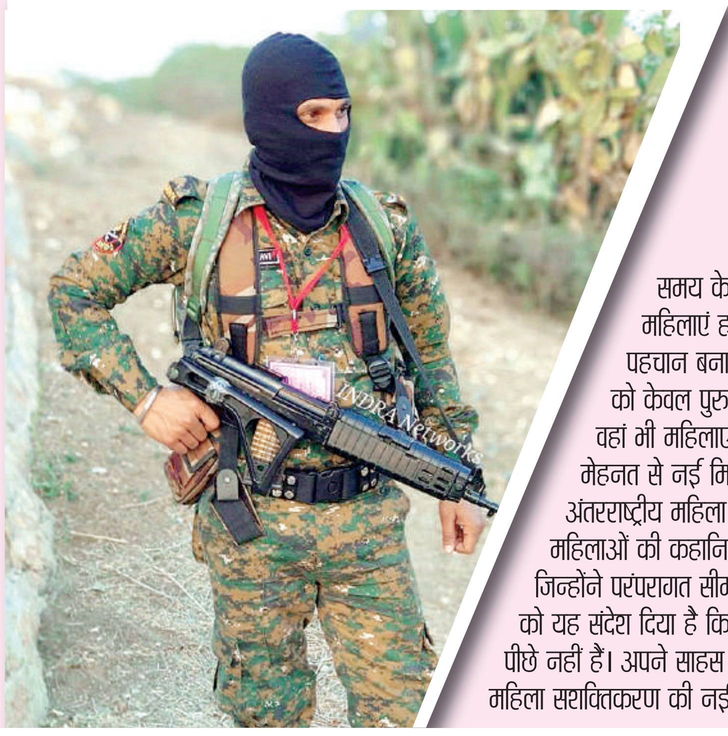

मध्यप्रदेश में सुरक्षा का इकलौता बल हॉक फोर्स जिसमें कभी महिलाओं की नहीं लगी ड्यूटी...

समय के साथ बदलते भारत में महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी नई पहचान बना रही हैं। कभी जिन क्षेत्रों को केवल पुरुषों का माना जाता था, आज वहां भी महिलाएं अपनी क्षमता, साहस और मेहनत से नई मिसाल कायम कर रही हैं। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर ऐसी ही प्रेरक महिलाओं की कहानियां हरिभूमि ने तलाशीं, जिन्होंने परंपरागत सीमाओं को तोड़ते हुए समाज को यह संदेश दिया है कि महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। अपने साहस और आत्मविश्वास से महिला सशक्तिकरण की नई मिसाल पेश की है।

मध्य प्रदेश से करोड़ों रुपए के नक्सलियों को सरेंडर करने वाले हॉक फोर्स में आज तक महिलाओं का प्रतिनिधित्व नहीं नजर आया है। जबकि मध्य प्रदेश के सभी सुरक्षा विंग या फिर एजेंसियों में महिलाओं की तैनाती है। सिर्फ और हॉक फोर्स ऐसा बल है, जिसमें महिला पुलिस कर्मियों को शामिल नहीं किया गया है। हॉक फोर्स के गठन के बाद कभी भी ऐसा प्रस्ताव नहीं आया, जिसमें महिलाओं की ड्यूटी लगाई गई है। ऐसा इसलिए सवाल उठता है, क्योंकि महिला दिवस है और जब देश की बड़ी एजेंसियां महिलाओं को शामिल कर रही हैं। तब मध्य प्रदेश की हाफ फोर्स में महिलाओं की टुकड़ी न होने पर सवाल उठ रहे हैं। पुलिस मुख्यालय के बड़े अधिकारी इस विषय पर कुछ बोलने के लिए तैयार नहीं है। क्योंकि मामला सरकार के निर्णय से जुड़ा हुआ है। हालांकि पूर्व अधिकारियों का कहना है कि ऑफ फोर्स एक लिमिटेड फोर्स है, जिसमें जंगल और खास तौर पर इंसीडेंट होने वाले हमला हमले में एक ट्रेंड जवान होता है। उसकी तुलना में महिलाओं को आगे बढ़ाना घातक भी साबित हो जाता है। इसलिए कई ट्रेनिंग के बाद इस हॉट फोर्स में नियुक्ति होती है। मध्य प्रदेश में अभी फिलहाल बालाघाट मंडल और डिंडोरी में हॉक फोर्स की तैनाती की गई है। यहां पर करीब 300-400 जवान तैनात हैं।

पुलिस में महिलाओं की भागीदारी महिला सुरक्षा के लिए

पुलिस में महिलाओं की भागीदारी महिला सुरक्षा और समाज में न्याय के लिए बनाई गई है। गंभीर स्थिति में महिलाओं को ट्रेनिंग दी गई है, लेकिन नक्सलियों से मुकाबला करने के लिए और आवश्यकता महिलाओं को ज्यादा है।

एसके राउत, पूर्व डीजीपी

हॉक फोर्स की चुनौती ज्यादा होती है....

महिलाओं को हॉक फोर्स में शामिल किए जाने का कभी विषय सामने आया नहीं, इस पर शासन को निर्णय लेना है। महिलाओं को शामिल किया जाए यह आवश्यकता सरकार समझे तो उन्हें भी शामिल किया जा सकता है। वैसे भी मप्र पुलिस की शाखाओं में महिलाओं की तैनाती है।

अनुराधा शंकर, पूर्व आईपीएस मप्र

मजबूत नारी...मुट्ठी में दुनिया सारी...पर बंदिशें अभी भी भारी...

निगम में महापौर, आयुक्त, सहायक आयुक्त सहित उप यंत्री और सहायक यंत्री भी, लेकिन फायर फाइटर महिला नहीं

एमएम सिद्दीकी ⏭ भोपाल

निगम के बेड़े में चार सहायक यंत्री और चार उप यंत्री की जिम्मेदारी महिलाओं पर...

यूं तो अब महिलाएं पुरुषों से कहीं अधिक जोखिम और जिम्मेदारी भरे काम कर रही हैं, लेकिन नगर निगम की फायर शाखा में एक भी महिला कर्मी फायर फाइटर नहीं है, अन्य ऑफिशियल काम महिलाएं देख रही हैं। निगम में इंजीनियरिंग और प्रशासनिक दोनों ही क्षेत्रों में महिला अधिकारियों की मौजूदगी महिला सशक्तिकरण की मजबूत तस्वीर पेश करती है। निगम के जोखिम भरे कामों की जिम्मेदारी वाली फायर शाखा में भी महिलाओं की भागीदारी होना चाहिए। नगर निगम के फायर विभाग में अभी तक महिला फायर फाइटर की नियुक्ति नहीं हो पाई है। इस महत्वपूर्ण विभाग में पूरा अमला फिलहाल पुरुष कर्मियों का ही है। ऐसे में महिला दिवस के अवसर पर यह सवाल भी उठ रहा है कि अन्य विभागों की तरह फायर सेवाओं में भी महिलाओं को अवसर मिलना चाहिए।

हालांकि निगम प्रशासन का तर्क है कि महिलाओं की भागीदारी प्रत्येक विभाग में हो इसके लिए प्रयास किए जा रहे हैं। महापौर मालती राय, आयुक्त संस्कृति जैन, सहायक आयुक्त कीर्ति चौहान, अतिक्रमण अधिकारी सृष्टि भदौरिया, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी भावना पटेरिया, सहायक यंत्री शीतल विश्वकर्मा, अंजली शर्मा, नीलम रजक और पूजा पटेल निगम के सिविल, गार्डन और झील संरक्षण की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। जबकि उप यंत्री तरुणिका शर्मा, मिनल जैन, अनीता तैहर, आकृति पटेल अपने—अपने जोन में सिविल का काम देख रही हैं। निगम के 85 वार्ड कार्यालयों में महिलाएं शासकीय कार्य देख रही हैं।

गोविंदपुरा में थिनर फैक्ट्री चला रही सरिता सास से मिली फैक्ट्री... अब मैं बहुओं को दूंगी

मधुरिमा राजपाल ⏭ भोपाल

भोपाल की थिनर की फैक्ट्री संचालित करने वाली आनंद ऑर्गेनिक और नेशनल पेंट्स की ऑनर सरिता चावला एक ऐसा नाम, जो पुरुष वर्चस्व वाले क्षेत्र में अपने काम का लोहा मनवा चुकी हैं, वह पिछले 20 सालों ने थिंनर फैक्ट्री को संचालित कर रही हैं और उनके अंडर में 40 से 50 मेल और फीमेल वर्कर काम करते हैं।

सरिता ने कहा कि यह कम्पनी मेरी सास सुदेश चावला ने 1997 में शुरु की थी और फिर साल 2007 से मैं इसे संभाल रही हूं, एक प्रकार से यह हमारा अब पुश्तैनी कार्य है। और अब तो बस मैं इस काम में रच बस गई हूं। उन्होंने कहा कि 20 साल पहले मेरे बच्चे छोटे थे, दोनों बेटे डे बोर्डिंग स्कूल जाते तो मेरे पास पूरा दिन होता, और जीवन में कुछ करने गुजरने की इच्छा भी बस मेरी इच्छा मेरी ताकत बनीं और मैंने अपने पति और सास का दिया ऑफर अपनाकर फेक्ट्री ज्वाइन कर ली। आज मेरा एक बेटा इंडियन आर्मी में है तो दूसरा एमएनसी में कार्य करता है लेकिन मैं यह उम्मीद करती हूं कि मेरी बहुएं भी अपनी सास के काम को आगे लेकर जाएं और पुरुष प्रधान वाले इस क्षेत्र में अपना नाम और पहचान कमाएं।

पुरुष लोको पायलट को देखकर मेरा मन भी ट्रेन चलाने को हुआ...

कपिल देव श्रीवास्तव ⏭ भोपाल

आज की महिलाएं रीति रिवाजों और मिथकों को तोड़कर न सिर्फ आगे बढ़ रही हैं, बल्कि अपने दम पर सफलता के फलक को छू कर लोगों के लिए मिसाल कायम कर रही हैं। ऐसी ही नजीर पेश की है, बैरागढ़ में रहने वाली भोपाल रेल मंडल में लोको पायलट स्नेहा शर्मा ने। इस मुकाम को हासिल करने के दौरान उनकी राह में कई मुश्किलें आई, लेकिन परिजनों के सपोर्ट और जज्बे, जुनून और जिद के चलते अपने कदम आगे बढ़ाती गई। विश्व महिला दिवस पर हरिभूमि से विशेष बातचीत में स्नेहा शर्मा का कहना है कि देश की बेटियां, महिलाएं आज किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से पीछे नहीं है। सीमा पर दुश्मनों से लोहा लेना, अब महिलाएं फाइटर जेट से उड़ाने से लेकर पटरी पर रेलगाड़ी दौड़ा रही है। उन्होंने महिलाओं व लड़कियों को संदेश देते हुआ कहा कि रख हिम्मत और हौसला कर, पंख नहीं तो हौसलों से उड़ान भर।

12-12 घंटे तक लगातार ड्यूटी करनी होती थी: स्नेहा शर्मा ने बताया कि शुरूआत में मालगाड़ी चलाने को मिलती है। मालगाड़ियों का टाइम काफी अधिक होता है। 11-11,12-12 घंटे तक लगातार ड्यूटी करनी होती थी। लोको पायलट की जॉब में यह नहीं दिखा जाता है कि आप लड़का है या लड़की। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। कोई छूट नहीं मिली। कई बार रात के एक बजे भी ट्रेन लेकर जाना पड़ता है। लेकिन सभी यात्रियों को सुरक्षित मंजिल तक पहुंचाने का अलग ही सुकन होता। मैं अपनी जॉब को पूरी ईमानदारी व एंजॉय के साथ करती हूं। इसमें मुझे कोई दिक्कत नहीं होती है। स्नेहा शर्मा ने कहा कि रेलवे में नौकरी करते हुए 13 साल हो गए हैं। 2013 से लोको पायलट की नौकरी कर रही है। पहली बार जयपुर-चेन्नई ट्रेन चलाई थी। जो यादगार पल है। अनियमित दिनचर्या के साथ ही उन्हें पति और परिवार को देखना पड़ता है। मेरे इस काम में मेरे बच्चों व पति का पूरा सहयोग तो मिलता है। मेरी जेठानी का पूरा सपोर्ट रहता है।

बचपन से थी कुछ अलग कर गुजरने की इच्छा

स्नेहा शर्मा ने बताया कि मैं हमेशा से कुछ ऐसा करना चाहती थी, जो अरसे तक याद रखा जाए। कुछ ऐसा, जो मेरा सृजन कहलाए। मेरे पापा रेलवे में भी तो स्टेशन पर आना-जाना रहता था, कई बार पुरुष लोको पायलट को देखकर मेरे मन में भी ट्रेन चलाने का हुआ। कुछ समय बाद में इस लाइन में जाने के लिए संकल्प लिया और पूरी मेहनत से इस मंजिल को पाने के लिए जुट गई। जब मैंने लोको रनिंग कैडर के रूप में अपनी राह चुनी, तब पुरुषों के वर्चस्व माने जाने वाली लोको पायलट की नौकरी आसान नहीं थी। लेकिन मुझे लगा कि महिलाओं को अपना नजरिया बदलने की जरूरत है। शादी के पहले ही लोको पायलट में चयनित हुई।

मध्य प्रदेश की रेलवे लोको पायलट, मालगाड़ी संचालन का रचा इतिहास

कुमकुम सूरज डोंगरे मध्य प्रदेश की एक अग्रणी भारतीय रेलवे लोको पायलट हैं, जिन्होंने पश्चिमी रेलवे की पहली महिला क्रू के साथ लंबी दूरी की मालगाड़ी का संचालन करके इतिहास रचा। उन्होंने 5 जनवरी, 2021 को वसई रोड (महाराष्ट्र) से वडोदरा (गुजरात) तक एक मालगाड़ी का सफलतापूर्वक संचालन किया। कुमकुम ने पुरुष सहकर्मियों के संदेह और प्रवेश के दौरान उपहास का सामना करने के बावजूद उन्होंने दृढ़ता दिखाई और इस पुरुष-प्रधान क्षेत्र में प्रवेश करने वाली शुरूआती महिलाओं में से एक बन गईं। अपनी ऐतिहासिक उड़ान से पहले उन्होंने चार साल तक सहायक लोको पायलट के रूप में काम किया। उन्हें महिलाओं को लोकोमोटिव पायलट के चुनौतीपूर्ण पेशे में प्रवेश करने के लिए प्रेरित करने के लिए सम्मानित किया गया है।

मेरी छवि देख लोग अपनी बेटियों को पढ़ाने लगे हैं....

प्रकाश भोमरकर ⏭ भोपाल

छोटे कस्बे से निकलकर शासकीय स्कूल और शासकीय कॉलेज में पढ़ने वाली निरीक्षक निरूपा पांडे अपने कस्बे से निकलकर पुलिस विभाग में एसआई बतौर नियुक्त होने वाली पहली महिला हैं। निरीक्षक निरूपा पांडे ने हरिभूमि से चर्चा करते हुए बताया कि गांव हंडिया, थाना नई गढ़ी, महूगंज की वह रहने वाली हैं और वर्ष 2012 में पुलिस विभाग में भर्ती हुई थी। एक साल के प्रशिक्षण के बाद वह पुलिस विभाग में 13 साल सेवाएं दे चुकी हैं। उप निरीक्षक से निरीक्षक बतौर उनका 2021 में प्रमोशन हुआ। उन्होंने जबलपुर के अलग अलग चौकी और थानों और थाना प्रभारी का प्रभार संभाला। कस्बे से निकलकर एसआई बनने तक उन्होंने कहीं से कोई कोचिंग क्लास ज्वाइन नहीं की, बल्कि सेल्फ स्टडी की और पुलिस विभाग में भर्ती हो गई। पुलिस विभाग में भर्ती होने के बाद कस्बे में लोगों ने अपनी बेटियों को पढ़ाना शुरू कर दिया। उनसे प्रेरित होकर कस्बे से अधिकतर लड़कियां पढ़कर शासकीय विभाग में नौकरी कर रही हैं। निरीक्षक निरूपा नशे के खिलाफ काम कर रही है। उन्होंने बताया कि काउंसलिंग में यह अनुभव किया है कि अधिकतर परिवार नशे के कारण टूटते हैं। लोगों को नशे से दूर रखना है, इसलिए वे स्लम क्षेत्रों में जाकर लोगों को नशा नहीं करने और उसके दुष्परिणाम बताती है।

छोटे कस्बे हंडिया से निकलकर कस्बे की पहली टीआई बनीं निरूपा

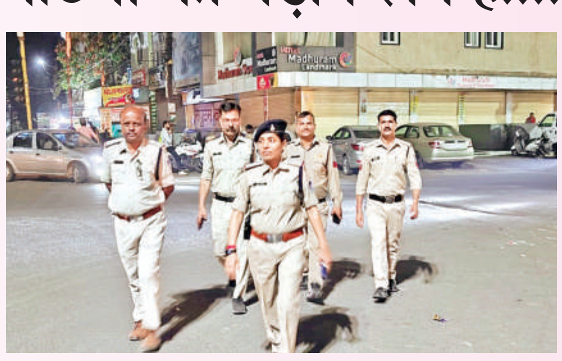

सच के लिए किसी से भी भिड़ जाती हैं निरूपा

कमला नगर थाने में पदस्थ निरीक्षक निरूपा पांडे का कहना है। उनका उद्देश्य नौकरी नहीं बल्कि समाज सेवा है। वे सच के लिए हमेशा भिड़ जाती है। उनका जबलपुर में नौकरी के समय दो विधायकों से भी विवाद हो चुका है। वे थाना ड्यूटी के दौरान स्लम क्षेत्रों में पहुंचकर महिला एवं बच्चों को प्रेरित करती हैं। उन्होंने अब तक शादी नहीं की है और न ही शादी करने का विचार उनके मन में आया। निरीक्षक निरूपा पांडे ने बताया कि माता-पिता ने उन्हें कभी भी किसी काम के लिए नहीं टोका। वह पढ़ाई पर समय अधिक देती थी। मां ने कभी घर के काम करने दबाव नहीं बनाया। पहली नाइट गस्त की थी, तब मां को जरूर चिंता हुई थी कि लड़की होकर नाइट गश्त कैसे करोगी। हालांकि जब मैंने मां को बताया कि मैं निडर हूं और वर्दी पहनने के बाद मुझे किसी से कोई डर नहीं लगता है तो मां निश्चित हो गई।

ड्यूटी के बाद बस्तियों में खुशियां बांटती हैं डॉ. मधु

गरीब और वंचित बच्चों की शिक्षा एवं समग्र विकास के लिए लगातार कर रहीं कार्य

संडे वाली दीदी के नाम से जानी जाती हैं रेलवे कार्यालय अधीक्षक

भोपाल रेल मंडल में कार्यरत कार्यालय अधीक्षक डॉ. मधु शर्मा न केवल रेलवे की जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रही हैं, बल्कि समाज सेवा में भी समर्पित योगदान दे रही हैं। बीते 26 वर्षों से वे गरीब और वंचित बच्चों की शिक्षा एवं समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। उनके समाज सेवा के उल्लेखनीय कार्यों को देखते हुए इटली की कोनियो यूनिवर्सिटी ने डॉक्टरेट की मानद उपाधि देकर इन्हें सम्मानित किया है।

डॉ. मधु शर्मा सप्ताह के सोमवार से शुक्रवार तक रेलवे की सेवा करती हैं, जबकि शनिवार को सरकारी स्कूलों में जाकर बच्चों को प्रेरक भाषण और जीवन कौशल की शिक्षा देती हैं। इसके अलावा, हर रविवार को झुग्गी-बस्तियों में जाकर बच्चों को स्वच्छता, योग, भारतीय संस्कृति, सामान्य ज्ञान सहित व्यक्तित्व विकास का निःशुल्क ज्ञान देकर प्रेरणादायक कहानियां सुनाने का कार्य करती हैं, जिससे बच्चे उन्हें स्नेह पूर्वक संडे वाली दीदी कहकर बुलाते हैं। इसके अतिरिक्त, योग और महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता अभियान भी चला रही हैं। वे नियमित रूप से ऑनलाइन और ऑफलाइन निःशुल्क सत्रों का आयोजन कर महिलाओं को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सचेत करने का कार्य करती हैं। डॉ. शर्मा दृष्टिबाधित बच्चों की शिक्षा के लिए स्वयं पाठ्य-सामग्री रिकॉर्ड करती हैं, ताकि वे आसानी से अपनी पढ़ाई पूरी कर सकें। साथ ही, वे बच्चों को मोबाइल और नशे की लत से दूर करने के लिए खेलों और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने का कार्य भी कर रही हैं। डॉ. मधु शर्मा की समाज के प्रति समर्पण भावना से भोपाल रेल मंडल भी गौरवान्वित महसूस कर रहा है। वे बीते 11 वर्षों से भोपाल और उससे पहले 14 वर्षों तक शाजापुर में सैकड़ों गरीब और वंचित बच्चों के जीवन में बदलाव ला चुकी हैं। डॉ. मधु शर्मा का कहना है कि उन्हे बचपन से ही किताबों से लगाव था और किताबों के माध्यम से ही गरीब बच्चों की मदद करने का जज्बा जागा। उनके इस काम में पति अक्षय शर्मा भी मदद करते हैं।

कचनारिया टोल पर महिलाओं ने संभाला मोर्चा

मुकेश कुमार शर्मा ⏭ ब्यावरा

महिलाएं अब हर क्षेत्र में अपनी भागीदारी और जिम्मेदारी से समाज में नई पहचान बना रही हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच -45 के कचनारिया टोल प्लाजा पर काम करने वाली महिलाएं दिन-रात टोल वसूली और जिम्मेदारी बखूबी निभा रही हैं। व्यस्त हाइवे पर लगातार गुजरते वाहनों के बीच काम करना आसान नहीं होता। कई बार वाहन चालक टोल दिए बिना निकलने की कोशिश करते हैं और बहस की स्थिति भी बन जाती है, लेकिन टोल पर तैनात महिलाएं धैर्य और समझदारी से हालात को संभाल लेती हैं। पीपलहेला की लक्ष्मी वर्मा, ब्यावरा की कला वर्मा और खेड़ी की राधा दांगी बताती हैं कि टोल प्लाजा पर काम करते हुए कई तरह की चुनौतियां सामने आती हैं। कई बार वाहन चालक टोल फ्री निकलने को लेकर विवाद करते हैं, लेकिन हम लोग धैर्य के साथ स्थिति को संभाल लेते हैं।

फ्री निकलने की जिद करने वालों को भी धैर्य से कराती हैं नियमों का पालन

37 लोगों को बाढ़ से निकाल कर लाई थीं रश्मि

सचिन सक्सेना ⏭ विदिशा

नारी अब घर में चूल्हा चौका तक सीमित नहीं है। महिलाएं भी जान दांव पर लगाकर जिम्मेदारियां निभा रही हैं। इन्ही में से एक हैं विदिशा होमगार्ड की प्लाटून कमांडेंट रश्मि दुबे। जिन्होंने जुलाई 2025 में बाढ़ के हालातों में हैदरगढ़ के सुजवाहा गांव में फंसे 37 लोगों को अपनी जान पर खेलकर बचाया। रश्मि बताती हैं कि बाढ़ में फंसे लोगों को बचाने के लिए जब वह गईं तो अपने साथियों के साथ खुद भी फंस गईं थी। बोट तो पास में थी, लेकिन नीचे दलदल होने के कारण एक पैर घुटने तक धंस गया जिसके कारण बोट पर चढ़ पाना मुश्किल हो गया, लेकिन पानी में फंसे लोगों को बचाना था। जान लगाकर प्रयास किया और मैं और मेरे साथ चार जवान बोट पर चढ़े। रश्मि ने बताया कि जो लोग गांव में फंसे थे वह घर छोड़ने तैयार नहीं थे। हमने काफी मिन्नतें कर मनाया, तब वह माने।

30 से पहले समझ लें पैसे का खेल, वरना बाद में होगी मुश्किल !

कम उम्र में अपनाएं ये नियम, बनें आर्थिक रूप से मजबूत, निवेश की सही समय पर शुरुआत ही बनाती है अमीर

बिजनेस डेस्क

कम उम्र सपनों, करियर और नई शुरुआत का समय होती है। पहली नौकरी, पहली सैलरी और अपने फैसले लेने की आजादी — ये सब उत्साह से भरे होते हैं। लेकिन इसी दौर में पैसों को लेकर की गई छोटी-छोटी गलतियां आगे चलकर बड़ा वित्तीय बोझ बन सकती हैं। अक्सर युवा कमाई शुरू करते ही लाइफस्टाइल अपग्रेड कर लेते हैं, लेकिन बचत और निवेश को टालते रहते हैं। नतीजा यह होता है कि 30 की उम्र पार करते-करते जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं, मगर मजबूत फाइनेंशियल बेस नहीं बन पाता। अगर आप 30 की उम्र से पहले कुछ बुनियादी और असरदार वित्तीय नियम समझ लें, तो भविष्य आर्थिक रूप से सुरक्षित और तनावमुक्त बनाया जा सकता है। आइए जानते हैं ऐसे 5 जरूरी फाइनेंस रूल्स, जिन्हें हर युवा को अपनाना चाहिए।

1. 50/30/20 रूल: कमाई का सही बंटवारा

यह नियम बजट बनाने का सबसे आसान और कारगर तरीका माना जाता है। इसके अनुसार 50% आय जरूरी खर्चों पर (किराया, राशन, बिजली-पानी, बिल, ईएमआई), 30% आय इच्छाओं पर (घूमना-फिरना, मूवी, शॉपिंग, गैजेट्स) और 20% आय बचत या निवेश में लगानी चाहिए। अगर शुरुआत से ही इस फॉर्मूले को अपनाया जाए, तो खर्च नियंत्रण में रहता है और निवेश की आदत भी बनती है। कई युवा पूरी सैलरी खर्च कर देते हैं और महीने के अंत में बचत शून्य रह जाती है। 50/30/20 रूल आपको अनुशासन सिखाता है और "पहले बचत, फिर खर्च" की सोच विकसित करता है।

2. 20/4/10 कार रूल: गाड़ी का सपना

नई कार खरीदना लगभग हर युवा का सपना होता है। लेकिन कार लोन अक्सर लंबे समय तक वित्तीय दबाव बना देता है। ऐसे में 20/4/10 रूल बहुत काम आता है। कम से कम 20% डाउन पेमेंट करें, लोन की अवधि 4 साल से ज्यादा न रखें। आपकी मासिक आय का 10% से ज्यादा ईएमआई और कार खर्च पर न जाएं। इस नियम का मकसद यह है कि गाड़ी आपके लिए सुविधा बने, बोझ नहीं। लंबी अवधि का लोन लेने से ब्याज ज्यादा चुकाना पड़ता है और अन्य निवेश के अवसर छूट सकते हैं।

3. रूल ऑफ 72: कंपाउंडिंग की ताकत समझें

निवेश की दुनिया में "कंपाउंडिंग" सबसे बड़ा हथियार है। रूल ऑफ 72 आपको यह समझने में मदद करता है कि आपका पैसा कितने समय में दोगुना होगा। फॉर्मूला है: 72 ÷ ब्याज दर = पैसा डबल होने का समय (सालों में)। उदाहरण के लिए, अगर आपको 12% सालाना रिटर्न मिल रहा है तो 72 ÷ 12 = 6 साल यानी आपका निवेश लगभग 6 साल में दोगुना हो सकता है। यह नियम आपको जल्दी निवेश शुरू करने की प्रेरणा देता है। जितनी जल्दी शुरुआत करेंगे, कंपाउंडिंग का फायदा उतना ज्यादा मिलेगा।

4. 3–6 महीने का इमरजेंसी फंड : सुरक्षा कवच

जिंदगी अनिश्चितताओं से भरी है। अचानक नौकरी छूट जाए, मेडिकल इमरजेंसी आ जाए या कोई पारिवारिक संकट आ जाए। ऐसे समय में कर्ज लेने की नौबत न आए, इसके लिए इमरजेंसी फंड जरूरी है। आपको कम से कम 3 से 6 महीने के खर्च के बराबर रकम अलग से बचाकर रखनी चाहिए। यह रकम सेविंग अकाउंट या लिक्विड फंड जैसे सुरक्षित और आसानी से निकाले जा सकने वाले साधनों में होनी चाहिए। इमरजेंसी फंड आपको मानसिक शांति देता है और निवेश को बीच में तोड़ने से बचाता है।

5. रूल ऑफ 100: उम्र के अनुसार निवेश

निवेश में रिस्क और रिटर्न का संतुलन बेहद जरूरी है। रूल ऑफ 100 एक आसान फॉर्मूला देता है। 100 – आपकी उम्र = इक्विटी में निवेश का प्रतिशत। अगर आपकी उम्र 25 साल है। 100–25 = 75 यानी 75% निवेश शेयर बाजार या इक्विटी में और 25% सुरक्षित साधनों (FD, बॉन्ड आदि) में रखा जा सकता है। यह नियम युवाओं को ज्यादा जोखिम लेने की अनुमति देता है, क्योंकि उनके पास समय ज्यादा होता है और बाजार की गिरावट से उबरने का मौका भी।

क्यों जरूरी हैं ये फाइनेंस रूल्स?

- ये आपको खर्च और बचत का संतुलन सिखाते हैं
- कर्ज के जाल से बचाते हैं
- निवेश की आदत जल्दी डालते हैं
- भविष्य के बड़े लक्ष्यों (घर, शादी, रिटायरमेंट) के लिए तैयारी करवाते हैं
- आर्थिक तनाव कम करते हैं
- 30 की उम्र के बाद जिम्मेदारियां तेजी से बढ़ती हैं परिवार, बच्चों की पढ़ाई, घर का लोन, मेडिकल जरूरतें। अगर आपने 20s में मजबूत वित्तीय नींव रख ली, तो आगे का सफर आसान हो जाएगा।

आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर महिलाएं निवेश के फैसलों में बढ़ रही भागीदारी

अब 56% अब खुद ले रहीं फैसले फाइनेंशियल प्लानिंग में गैप

निवेश में महिलाओं का आत्मविश्वास और योजना बनाने में चुनौती बढ़ा

देश के 13 शहरों के 5,050 लोगों को शामिल किया गया, सर्वे में 25 से 60 वर्ष आयु वर्ग के ऐसे प्रतिभागियों को चुना गया

बिजनेस डेस्क

भारत में महिलाओं की आर्थिक भूमिका तेजी से बदल रही है। अब महिलाएं केवल कमाई तक सीमित नहीं हैं, बल्कि निवेश से जुड़े फैसलों में भी सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं। शहरी भारत में निवेश को लेकर महिलाओं का आत्मविश्वास लगातार बढ़ रहा है और बड़ी संख्या में महिलाएं अब अपने निवेश निर्णय खुद लेने लगी हैं। हालांकि निवेश में बढ़ती भागीदारी के बावजूद मजबूत और व्यवस्थित वित्तीय योजना के मामले में अभी भी बड़ा अंतर बना हुआ है। यह तस्वीर रिपोर्ट में सामने आई है। जिसे यूजीओवी के साथ मिलकर तैयार किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक महिलाओं में निवेश के प्रति जागरूकता और स्वतंत्रता दोनों तेजी से बढ़ रही हैं, लेकिन वित्तीय लक्ष्य तय करने और दीर्घकालिक योजना बनाने में अभी भी सुधार की काफी गुंजाइश है। इस अध्ययन के लिए 2025 की चौथी तिमाही में देश के 13 शहरों के 5,050 लोगों को शामिल किया गया। सर्वे में 25 से 60 वर्ष आयु वर्ग के ऐसे प्रतिभागियों को चुना गया, जो अपने परिवार के निवेश संबंधी फैसलों में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। अध्ययन में पुरुषों और महिलाओं की संख्या बराबर रखी गई और इसका फोकस मुख्य रूप से शहरी और अपेक्षाकृत उच्च सामाजिक-आर्थिक वर्ग के परिवारों पर रहा।

अब महिलाएं खुद ले रही निवेश के फैसले

रिपोर्ट की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि निवेश के फैसलों में महिलाओं की स्वतंत्र भागीदारी तेजी से बढ़ी है। सर्वे के मुताबिक अब 56 फीसदी महिलाएं निवेश से जुड़े फैसले खुद ले रही हैं, जबकि 2022 में यह आंकड़ा 44 फीसदी था। यानी तीन साल में इसमें 12 फीसदी की उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। वहीं, पुरुषों में यह आंकड़ा 68 फीसदी है, जो अब भी महिलाओं से अधिक है। लेकिन महिलाओं में तेजी से बढ़ती भागीदारी यह संकेत देती है कि आने वाले समय में यह अंतर और कम हो सकता है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि निवेश के बारे में खुद सीखने वाली महिलाओं की संख्या भी बढ़ रही है। अब करीब 16 फीसदी महिला निवेशकों ने कहा कि उन्होंने निवेश की जानकारी स्वयं हासिल की है, जबकि 2022 में यह आंकड़ा 13 फीसदी था। इसके विपरीत संयुक्त रूप से निवेश निर्णय लेने वाली महिलाओं का हिस्सा 52 फीसदी से घटकर 43 फीसदी रह गया है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि महिलाएं अब आर्थिक मामलों में ज्यादा आत्मनिर्भर हो रही हैं।

मार्केट-लिंक्ड प्रोडक्ट्स में बढ़ी दिलचस्पी

महिलाएं अब पारंपरिक निवेश विकल्पों के साथ-साथ बाजार से जुड़े निवेश उत्पादों में भी सक्रिय हो रही हैं। सर्वे के मुताबिक करीब 51 फीसदी महिलाएं अब म्यूचुअल फंड और शेयरों में स्वतंत्र रूप से निवेश कर रही हैं, जबकि तीन साल पहले यह आंकड़ा 39 फीसदी था। यह बदलाव इस बात का संकेत है कि महिलाओं में जोखिम लेने की क्षमता और निवेश की समझ दोनों बढ़ रही हैं।

आत्मविश्वास ऊंचा, लेकिन फाइनेंशियल प्लानिंग कमजोर

रिपोर्ट का एक अहम निष्कर्ष यह भी है कि निवेशकों में आत्मविश्वास तो बढ़ा है, लेकिन व्यवस्थित वित्तीय योजना के मामले में अभी भी बड़ा अंतर बना हुआ है। सर्वे के मुताबिक 84 फीसदी लोगों को भरोसा है कि वे निवेश के फैसले खुद लेने में सक्षम हैं। लेकिन सिर्फ 33 फीसदी निवेशकों के पास ही स्पष्ट वित्तीय लक्ष्य और उन्हें हासिल करने की ठोस योजना मौजूद है।

यह भी जानें

- 32 फीसदी लोगों के पास योजना तो है, लेकिन कोई स्पष्ट लक्ष्य नहीं है।
- 29 फीसदी लोगों ने लक्ष्य तय किए हैं, लेकिन उन्हें हासिल करने की ठोस रणनीति नहीं है।
- 6 फीसदी के पास न लक्ष्य है और न ही कोई योजना।
- 25 से 34 वर्ष की युवा महिलाओं में ज्यादा दिखाई देता है। इस आयु वर्ग की कई महिलाएं निवेश की योजना तो बनाती हैं, लेकिन उनके लक्ष्य स्पष्ट नहीं होते।

पैसे के मायने भी बदल रहे

अध्ययन दिखाता है कि शहरी भारत में पैसे को लेकर लोगों की सोच तेजी से बदल रही है। पहले जहां पैसे को मुख्य रूप से जरूरत या जीविका से जोड़ा जाता था, वहीं इसे आजादी और बेहतर जीवनशैली से जोड़ा जाने लगा है। 2022 में जहां 27 फीसदी लोग पैसे को 'आजादी' से जोड़ते थे, वहीं अब यह आंकड़ा बढ़कर 35 फीसदी हो गया है। इसके विपरीत पैसे को केवल 'जरूरत' से जोड़ने वालों की संख्या घट गई है।

घर से ज्यादा अनुभवों पर खर्च

निवेश व्यवहार में एक दिलचस्प बदलाव यह भी देखने को मिला है कि लोग पारंपरिक संपत्तियों के बजाय अनुभवों को अधिक महत्व देने लगे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 41 फीसदी महिलाएं घर खरीदने की बजाय यात्रा को प्राथमिकता दे रही हैं, जबकि पुरुषों में यह आंकड़ा 34 फीसदी है। 2025 में करीब 43 फीसदी लोगों ने अतिरिक्त पैसे का इस्तेमाल यात्रा पर किया, जबकि 2022 में यह हिस्सा 36 फीसदी था। वहीं, घर खरीदने को सबसे बड़ा सपना मानने वालों का प्रतिशत 36 फीसदी से घटकर 28 फीसदी रह गया है।

सलाहकारों पर भरोसा लेकिन उपयोग सीमित

- 39 फीसदी लोग वित्तीय जानकारी किसी अनजान व्यक्ति से साझा करने में असहज महसूस करते हैं।
- 35 फीसदी का मानना है कि उन्हें अन्य स्रोतों से ही पर्याप्त जानकारी मिल जाती है।
- 32 फीसदी किसी की सलाह मानने में सहज नहीं होते।
- निवेश के मामलों में परिवार और दोस्तों की भूमिका सबसे अहम बनी हुई है। 76 फीसदी निवेश संबंधी सलाह अपने सामाजिक दायरे से लेते हैं।
- निवेश से जुड़े फैसलों में सोशल मीडिया की भूमिका भी तेजी से बढ़ रही है।
- शेयर बाजार में निवेश करने वाली महिलाओं में 51 फीसदी सोशल मीडिया पर स्टॉक से जुड़े कंटेंट पर सक्रिय रूप से पोस्ट या टिप्पणी करती हैं, जबकि पुरुषों में यह आंकड़ा 36 फीसदी है।

पैसे को सही दिशा देना बेहद जरूरी

बिजनेस डेस्क। आज की अनिश्चित आर्थिक परिस्थितियों में केवल निवेश करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि मजबूत इमरजेंसी फंड बनाना भी उतना ही जरूरी है। नौकरी की अस्थिरता, अचानक मेडिकल खर्च, बिजनेस में मंदी या किसी पारिवारिक संकट जैसी स्थितियां बिना चेतावनी के सामने आ सकती हैं। ऐसे समय में इमरजेंसी फंड आपके वित्तीय जीवन का सेफ्टी नेट बनता है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यही है आखिर कितना इमरजेंसी फंड होना चाहिए? इसका जवाब हर व्यक्ति के लिए अलग हो सकता है, क्योंकि यह आपकी आय, खर्च, पारिवारिक जिम्मेदारियों और नौकरी की स्थिरता पर निर्भर करता है।

क्या है इमरजेंसी फंड? : इमरजेंसी फंड वह राशि है जिसे आप केवल आपात स्थिति के लिए अलग रखते हैं। यह पैसा निवेश के लिए नहीं, बल्कि संकट के समय खर्च चलाने के लिए होता है। इसका उद्देश्य है कि किसी भी आकस्मिक स्थिति में आपको कर्ज न लेना पड़े या निवेश तोड़ना न पड़े।

तीन महीने का इमरजेंसी फंड : किनके लिए सही?

- अगर आपः सैलरीड कर्मचारी हैं, अविवाहित हैं, ईएमआई या बड़ी वित्तीय जिम्मेदारियां नहीं हैं। आपकी नौकरी स्थिर और सुरक्षित है। तो आपके लिए 3 महीने के खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड पर्याप्त हो सकता है। उदाहरण के तौर पर, यदि आपका मासिक खर्च 40,000 है, तो कम से कम 1.2 लाख रुपये का इमरजेंसी फंड होना चाहिए। इसमें किराया, राशन, बिजली-पानी, मोबाइल बिल, ट्रांसपोर्ट और बीमा प्रीमियम जैसे आवश्यक खर्च शामिल करें।

6 महीने का इमरजेंसी फंड : परिवार वालों के लिए जरूरी

- यदि आप शादीशुदा हैं या आपके ऊपर परिवार की जिम्मेदारी है, तो जोखिम बढ़ जाता है। ऐसे में कम से कम 6 महीने के खर्च के बराबर फंड रखना समझदारी है। आपका मासिक खर्च 70,000 है, तो लगभग 4.2 लाख का इमरजेंसी फंड होना चाहिए। इसमें शामिल करेंः घर का किराया या ईएमआई, स्कूल फीस, राशन और घरेलू खर्च, बीमा प्रीमियम, मेडिकल खर्च, परिवार के साथ रहने पर अचानक खर्च बढ़ सकते हैं, इसलिए ज्यादा सुरक्षा जरूरी है।

9 से 12 महीने का इमरजेंसी फंड : अस्थिर आय वालों के लिए

अगर आप : फ्रीलांसर हैं, बिजनेस मालिक हैं, कमीशन आधारित आय पर निर्भर हैं, परिवार के अकेले कमाने वाले सदस्य हैं तो आपको 9 से 12 महीने के खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड रखना चाहिए। अनियमित आय वाले लोगों पर आर्थिक मंदी या बाजार में गिरावट का असर ज्यादा होता है। उदाहरण के लिए, यदि आपका मासिक खर्च 60,000 है, तो 5.4 लाख रुपये से 7.2 लाख तक का फंड सुरक्षित माना जाएगा। लंबी अवधि तक वित्तीय स्थिरता देगा।

कितना कम या ज्यादा है सही? : बहुत कम इमरजेंसी फंड जोखिम भरा है, क्योंकि अचानक नौकरी जाने या बीमारी की स्थिति में आपको कर्ज लेना पड़ सकता है। वहीं, जरूरत से ज्यादा पैसा केवल सेविंग अकाउंट में रखने से आपकी निवेश ग्रोथ धीमी हो सकती है, क्योंकि उस पर कम रिटर्न मिलता है। इसलिए संतुलन जरूरी है न बहुत कम, न बहुत ज्यादा।

इमरजेंसी फंड कहां रखें?

1. सेविंग अकाउंट
सबसे आसान और लिक्विड विकल्प। पैसा तुरंत निकाला जा सकता है। हालांकि ब्याज दर कम होती है।

2. शॉर्ट-टर्म फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी)
कम अवधि की एफडी में पैसा रखने से सेविंग अकाउंट से थोड़ा ज्यादा ब्याज मिलता है और जोखिम भी कम रहता है।

3. स्वीप-इन एफडी
एक बेहतर विकल्प है, जहां आपका पैसा सेविंग अकाउंट में रहता है और जरूरत से ज्यादा राशि स्वतः एफडी में चली जाती है। जरूरत पर ऑटोमैटिक ब्रेक होकर पैसा उपलब्ध हो जाता है।

इमरजेंसी फंड कैसे बनाएं?

- हर महीने सैलरी का 10–20% अलग रखें।
- बोनस या अतिरिक्त आय का हिस्सा जोड़ें।
- खर्चों की समीक्षा कर गैर-जरूरी खर्च कम करें।
- लक्ष्य तय करें और ऑटोमैटिक ट्रांसफर सेट करें।

सैलरी और जरूरतों को समझें कितना इमरजेंसी फंड है जरूरी

तैयारी

बिजनेस डेस्क

आज की अनिश्चित आर्थिक परिस्थितियों में केवल निवेश करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि एक मजबूत इमरजेंसी फंड बनाना भी उतना ही जरूरी है। नौकरी की अस्थिरता, अचानक मेडिकल खर्च, बिजनेस में मंदी या किसी पारिवारिक संकट जैसी स्थितियां बिना चेतावनी के सामने आ सकती हैं। ऐसे समय में इमरजेंसी फंड आपके वित्तीय जीवन का सेफ्टी नेट बनता है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यही है आखिर कितना इमरजेंसी फंड होना चाहिए? इसका जवाब हर व्यक्ति के लिए अलग हो सकता है, क्योंकि यह आपकी आय, खर्च, पारिवारिक जिम्मेदारियों और नौकरी की स्थिरता पर निर्भर करता है।

क्या है इमरजेंसी फंड?

इमरजेंसी फंड वह राशि है जिसे आप केवल आपात स्थिति के लिए अलग रखते हैं। यह पैसा निवेश के लिए नहीं, बल्कि संकट के समय खर्च चलाने के लिए होता है। इसका उद्देश्य है कि किसी भी आकस्मिक स्थिति में आपको कर्ज न लेना पड़े या निवेश तोड़ना न पड़े।

तीन महीने का इमरजेंसी फंड : किनके लिए सही?

- अगर आपः सैलरीड कर्मचारी हैं, अविवाहित हैं, ईएमआई या बड़ी वित्तीय जिम्मेदारियां नहीं हैं। आपकी नौकरी स्थिर और सुरक्षित है। तो आपके लिए 3 महीने के खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड पर्याप्त हो सकता है। उदाहरण के तौर पर, यदि आपका मासिक खर्च 40,000 है, तो कम से कम 1.2 लाख रुपये का इमरजेंसी फंड होना चाहिए। इसमें किराया, राशन, बिजली-पानी, मोबाइल बिल, ट्रांसपोर्ट और बीमा प्रीमियम जैसे आवश्यक खर्च शामिल करें।

6 महीने का इमरजेंसी फंड परिवार वालों के लिए जरूरी

- यदि आप शादीशुदा हैं या आपके ऊपर परिवार की जिम्मेदारी है, तो जोखिम बढ़ जाता है। ऐसे में कम से कम 6 महीने के खर्च के बराबर फंड रखना समझदारी है। मान लीजिए आपका मासिक खर्च 70,000 है, तो लगभग 4.2 लाख का इमरजेंसी फंड होना चाहिए। इसमें शामिल करेंः घर का किराया या ईएमआई, बच्चों की स्कूल फीस, राशन और घरेलू खर्च, बीमा प्रीमियम, मेडिकल खर्च, परिवार के साथ रहने पर अचानक खर्च बढ़ सकते हैं, इसलिए ज्यादा सुरक्षा जरूरी है।

9 से 12 महीने का इमरजेंसी फंड अस्थिर आय वालों के लिए

- अगर आप : फ्रीलांसर हैं, बिजनेस मालिक हैं, कमीशन आधारित आय पर निर्भर हैं, परिवार के अकेले कमाने वाले सदस्य हैं
- तो आपको 9 से 12 महीने के खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड रखना चाहिए। अनियमित आय वाले लोगों पर आर्थिक मंदी या बाजार में गिरावट का असर ज्यादा होता है। उदाहरण के लिए, यदि आपका मासिक खर्च 60,000 है, तो 5.4 लाख रुपये से 7.2 लाख तक का फंड सुरक्षित माना जाएगा। यह आपको लंबी अवधि तक वित्तीय स्थिरता देगा।

कितना कम या ज्यादा है सही?

- बहुत कम इमरजेंसी फंड जोखिम भरा है, क्योंकि अचानक नौकरी जाने या बीमारी की स्थिति में आपको कर्ज लेना पड़ सकता है। वहीं, जरूरत से ज्यादा पैसा केवल सेविंग अकाउंट में रखने से आपकी निवेश ग्रोथ धीमी हो सकती है, क्योंकि उस पर कम रिटर्न मिलता है। इसलिए संतुलन जरूरी है न बहुत कम, न बहुत ज्यादा।

इमरजेंसी फंड कहां रखें?

1. सेविंग अकाउंट
   सबसे आसान और लिक्विड विकल्प। पैसा तुरंत निकाला जा सकता है। हालांकि ब्याज दर कम होती है।
2. शॉर्ट-टर्म फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी)
   कम अवधि की एफडी में पैसा रखने से सेविंग अकाउंट से थोड़ा ज्यादा ब्याज मिलता है और जोखिम भी कम रहता है।
3. स्वीप-इन एफडी
   यह एक बेहतर विकल्प है, जहां आपका पैसा सेविंग अकाउंट में रहता है और जरूरत से ज्यादा राशि स्वतः एफडी में चली जाती है। जरूरत पड़ने पर ऑटोमैटिक ब्रेक होकर पैसा उपलब्ध हो जाता है। ध्यान रखें, इमरजेंसी फंड को शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड या लंबी अवधि के निवेश साधनों में न रखें, क्योंकि बाजार गिरावट के समय आपको नुकसान में पैसा निकालना पड़ सकता है।

इमरजेंसी फंड कैसे बनाएं?

- हर महीने सैलरी का 10–20% अलग रखें
- बोनस या अतिरिक्त आय का हिस्सा जोड़ें
- खर्चों की समीक्षा कर गैर-जरूरी खर्च कम करें

लक्ष्य तय करें व ऑटोमैटिक ट्रांसफर सेट करें

- धीरे-धीरे 6–12 महीनों में आपका फंड तैयार हो सकता है।

जीवन की पहली सुरक्षा परत

- इमरजेंसी फंड आपके वित्तीय जीवन की पहली सुरक्षा परत है। निवेश से पहले इसे प्राथमिकता देना चाहिए। आपकी सैलरी, नौकरी की स्थिरता और पारिवारिक जिम्मेदारियां तय करती हैं कि आपको 3, 6 या 12 महीने का फंड रखना चाहिए।
- सही योजना के साथ बनाया गया इमरजेंसी फंड आपको मानसिक शांति देता है और किसी भी आर्थिक संकट में मजबूती से खड़ा रखता है। याद रखें सुरक्षा पहले, निवेश बाद में।

अगर आदत जल्दी बनती है तो जोखिम भी रहता है सीमित

सिर्फ 1000 रुपए की एसआईपी से करोड़पति बन सकती है जेन जेड, रिटायरमेंट तक तैयार हो सकता है बड़ा फंड

समय जितना ज्यादा कंपाउंडिंग का असर उतना बड़ा होगा

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

आज की युवा पीढ़ी यानी जेन जेड कमाई के साथ-साथ निवेश को लेकर भी पहले से ज्यादा जागरूक हो रही है। 1997 से 2012 के बीच जन्मी यह पीढ़ी टेक्नोलॉजी-फ्रेंडली है और डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए निवेश करना पसंद करती है, लेकिन बड़ा सवाल यह है क्या सच में सिर्फ 1000 रुपये की एसआईपी से करोड़पति बना जा सकता है? जवाब है हां, अगर शुरुआत जल्दी हो और निवेश लंबी अवधि तक जारी रहे।

क्या है एसआईपी और क्यों खास?

एसआईपी यानी सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान। यह तरीका आपको हर महीने एक तय राशि निवेश करने की सुविधा देता है। एसआईपी के जरिए निवेश मुख्य रूप से म्यूचुअल फंड में किया जाता है, जिसका प्रदर्शन शेयर बाजार पर निर्भर करता है। एसआईपी की सबसे बड़ी ताकत है कंपाउंडिंग-यानी आपके निवेश पर मिलने वाला रिटर्न भी आगे रिटर्न कमाता है। यही चक्र समय के साथ बड़े फंड में बदल जाता है। मान लीजिए आपकी उम्र 20 साल है और आप हर महीने 1000 रुपये की एसआईपी शुरू करते हैं। आप यह निवेश 60 साल की उम्र तक यानी 40 साल तक जारी रखते हैं। यदि सालाना 12% अनुमानित रिटर्न मिले।

टॉप 5 फंड्स का 5 साल का एनुअल रिटर्न 19 से 20% तक रहा

इसे ऐसे समझें

- कुल निवेशः 1000×12 महीने × 40 साल = 4.8 लाख रुपये
- अनुमानित फंड : लगभग 97.93 लाख रुपये यानी सिर्फ 4.8 लाख रुपये निवेश करके आप करीब 98 लाख रुपये का फंड बना सकते हैं।
- यदि सालाना 15% अनुमानित रिटर्न मिले
- कुल निवेश : 4.8 लाख रुपये
- अनुमानित फंड : लगभग 2.30 करोड़ रुपये
- यहां साफ दिखता है कि रिटर्न में सिर्फ 3% का अंतर भी लंबे समय में कितना बड़ा बदलाव ला सकता है। यही है कंपाउंडिंग की असली ताकत।

जल्दी शुरुआत क्यों है जरूरी?

अगर आप 20 की उम्र में शुरुआत करते हैं तो आपके पास 40 साल का समय है। लेकिन यदि यही निवेश 30 की उम्र से शुरू करते हैं, तो आपके पास केवल 30 साल बचेंगे और फंड का आकार काफी छोटा हो जाएगा। समय जितना ज्यादा, कंपाउंडिंग का असर उतना बड़ा।

बाजार जोखिम समझना जरूरी

- एसआईपी पूरी तरह शेयर बाजार से जुड़ी होती है। ऐसे में जरूरी बातें समझना जरूरी है।
- रिटर्न कभी भी फिक्स नहीं होता।
- बाजार में तेजी होगी तो ज्यादा रिटर्न मिलेगा।
- गिरावट के समय पोर्टफोलियो में अस्थायी नुकसान हो सकता है।
- लंबी अवधि में जोखिम कम हो जाता है।
- इतिहास बताता है कि लंबी अवधि में इक्विटी बाजार ने बेहतर रिटर्न दिया है, लेकिन धैर्य बनाए रखना जरूरी है।

टैक्स का भी रखें ध्यान

एसआईपी से मिलने वाला मुनाफा पूरी तरह टैक्स-फ्री नहीं होता। इक्विटी फंड में एक साल से ज्यादा निवेश रखने पर लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स लागू होता है (निर्धारित सीमा से ऊपर के लाभ पर)। इसलिए रिटायरमेंट प्लानिंग करते समय टैक्स की गणना भी शामिल करें।

खास सलाह

- लंबा निवेश समय
- डिजिटल प्लेटफॉर्म तक आसान पहुंच
- रिस्क लेने की क्षमता
- अगर आप अभी से 1000 रुपये की एसआईपी शुरू करते हैं और हर साल अपनी आय बढ़ने पर एसआईपी की रकम भी बढ़ाते हैं (स्टेप अप एसआईपी), तो फंड का आकार कई गुना हो सकता है।

निवेश शुरू करने से पहले रखें इन बातों का ध्यान

- इमरजेंसी फंड जरूर बनाएं
- हेल्थ और टर्म इंश्योरेंस लें।
- अपनी जोखिम क्षमता के अनुसार फंड चुनें।
- निवेश लंबी अवधि के लिए रखें, बीच में बंद न करें।
- बाजार गिरने पर घबराकर एसआईपी बंद न करें।

क्या 1000 रुपए काफी

शुरुआत के लिए 1000 रुपये बिल्कुल पर्याप्त है। असली बात रकम नहीं, अनुशासन और निरंतरता है। समय के साथ आप एसआईपी बढ़ा सकते हैं। छोटी रकम से शुरुआत करने का फायदा यह है कि आदत जल्दी बनती है और जोखिम सीमित रहता है। जेन जेड के लिए यह सुनहरा मौका है। 20 की उम्र में शुरू की गई 1000 रुपये की एसआईपी 60 की उम्र तक करोड़ों का फंड बना सकती है। बशर्ते निवेश लंबी अवधि तक जारी रहे और अनुशासन बना रहे। याद रखिए, अमीर बनने के लिए बड़ी सैलरी नहीं, बल्कि जल्दी शुरुआत, धैर्य और कंपाउंडिंग की समझ जरूरी है। अगर आज कदम उठाएंगे, तो रिटायरमेंट के समय आपके पास भारी-भरकम फंड हो सकता है। अब सवाल यह है कि आप अपनी पहली एसआईपी कब शुरू कर रहे हैं?

अब सीधे राष्ट्रपति ने सीएम ममता से जताई नाराजगी

मैं भी बंगाल की बेटी हूं, मुख्यमंत्री ने यहां आदिवासियों को आने से रोका

राष्ट्रपति 9वीं अंतरराष्ट्रीय संथाल कॉन्फ्रेंस में शामिल होने बंगाल के दार्जिलिंग पहुंचीं

एजेंसी ⏭ कोलकाता

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शनिवार को 9वें अंतरराष्ट्रीय संथाल कॉन्फ्रेंस में शामिल होने पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग पहुंचीं। इसके बाद द्रौपदी मुर्मू सिलीगुड़ी उपमंडल के बिधाननगर पहुंचीं. जहां उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी के प्रति अपनी नाराजगी जताई। राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें मेरे कार्यक्रम में साथ होना चाहिए था। मैं बंगाल की बेटी हूं, फिर भी मुझे यहां आने की अनुमति नहीं है। ममता मेरी छोटी बहन जैसी हैं, पता नहीं, शायद वह मुझसे नाराज हैं। इसीलिए मुझे कार्यक्रम में भाग लेने के लिए गोशाईपुर जाना पड़ा। राष्ट्रपति को सिलीगुड़ी के बिधाननगर उपमंडल में कार्यक्रम को संबोधित करना था, लेकिन पुलिस ने अनुमति नहीं दी। वे मूल स्थल पर गईं और कहा कि आदिवासियों को रोका गया।

ममता सरकार के बर्ताव से राष्ट्रपति खफा, प्रोटोकॉल टूटा

उन्होंने राज्य की ममता का नाम लेकर गुस्सा जाहिर किया क्योंकि नॉर्थ बंगाल में इंटरनेशनल आदिवासी कॉन्क्लेव के लिए परमिशन नहीं दी गई, जहां राष्ट्रपति चीफ गेस्ट थीं। उन्होंने कहा कि संथालों को वेन्यू तक पहुंचने से रोक दिया गया था। बंगाल सरकार ने प्रोटोकॉल फॉलो नहीं किया और प्रदेश सरकार के किसी भी रिप्रेजेंटेटिव ने राष्ट्रपति को रिसीव नहीं किया।

टीएमसी ने सारी हदें पार की, यह शर्मनाक और अविश्वनीय: पीएम

पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा कि यह शर्मनाक और अविश्वनीय है। लोकतंत्र और आदिवासी समुदायों के सशक्तिकरण में विश्वास रखने वाला हर व्यक्ति निराश है। टीएमसी सरकार ने सारी हदें पार कर दी हैं। राष्ट्रपति के इस अपमान के लिए उनका प्रशासन जिम्मेदार है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि तृणमूल सरकार ने आज अपने अराजक आचरण से और भी निम्न स्तर को छू लिया है। प्रोटोकॉल की घोर अवहेलना करते हुए उन्होंने भारत के राष्ट्रपति का अपमान किया है।

महिला दिवस आज... राष्ट्रपति करेंगी अध्यक्षता

समाज में महिलाओं को समान अवसर मिले

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली। रविवार को पूरा देश 'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस-2026' का जश्न धूमधाम के साथ मनाएगा। राष्ट्रीय राजधानी के मानेकशॉ केंद्र में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय इसे लेकर एक बड़ा समारोह आयोजित करेगा। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शिरकत करेंगी। मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि कार्यक्रम में 150 से ज्यादा मंत्रालयों, विभागों और संगठनों की करीब 1 हजार महिलाओं के शामिल होने की संभावना है। जिसमें सशस्त्र बलों, पुलिस, मीडिया, स्वास्थ्य सेवा, खेल और अन्य क्षेत्रों की महिला प्रतिनिधि भाग लेंगी। जो एक प्रकार से समूचे देश में महिलाओं के विविध योगदानों और महिला नेतृत्व वाले विकास को आगे बढ़ाने के प्रति सरकार की अटूट प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। मंत्रालय की केंद्रीय और राज्य मंत्री क्रमशः अन्नपूर्णा देवी और सावित्री ठाकुर समेत अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी भी इस महत्वपूर्ण आयोजन में मौजूद रहेंगे। दो पैनल चर्चाएं भी होंगी। जिसमें पहली का विषय श्रम संहिता-महिलाओं के सशक्तिकरण को बढ़ावा होगा। जबकि दूसरी का विषय उद्यमी के रूप में स्वयं सहायता समूह की महिलाएं होगा।

सीएम ममता की हुंकार

दिल्ली की सरकार दया पर टिकी अगर दबाव डाला तो 'गिरा दूंगी'

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी ने धरना कार्यक्रम के दूसरे दिन केंद्र सरकार और भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा, ज्यादा दबाव बनाया गया तो वह दिल्ली की सरकार भी गिरा सकती हैं। केंद्र चंद्रबाबू नायडू की दया पर है।

टीएमसी का यू टर्न

बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को दिया समर्थन

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष ने अविश्वास प्रस्ताव लाने का फैसला किया है। अब ममता बेनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने भी इस प्रस्ताव को समर्थन देने की सहमति दे दी है।

खबर संक्षेप

ग्रीन अमोनिया और मेथनॉल के मानक तय

नई दिल्ली। केंद्र ने राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन को गति देने ग्रीन अमोनिया और ग्रीन मेथनॉल के लिए नए मानक अधिसूचित किए। इनका उद्देश्य ग्रीन हाइड्रोजन से बनने वाले ईंधन के व्यापार और उपयोग को बढ़ावा देना है। ग्रीन अमोनिया के उत्पादन में गैर-जैविक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन 0.38 किलो सीओटू समतुल्य प्रति किलो अमोनिया से अधिक न हो।

कोलकाता में बंद क्लब के कमरे में बम धमाका

कोलकाता। कोलकाता में बंद क्लब के कमरे में बम धमाका हुआ है। हालांकि गनीमत ये रही जहां ये धमाका हुआ, वो जगह बंद पड़ी थी, इसलिए इस जगह पर कोई जनहानि नहीं हुई है। क्लब में 2 से 3 कच्चे बम रखे थे, जो सुबह 6 बजे के आसपास फट गए। इसकी वजह से हड़कंप मच गया। धमाका इतनी जोर का था कि छत की टिन इमारत की 5वीं मंजिल पर गिरी।

जींद में फैक्टरी में आग 5 महिलाओं की मौत

जींद। सफीदों में होली के रंग बनाने वाली एक फैक्टरी में भीषण आग लग गई। इसमें 5 महिलाओं की झुलसकर मौत हो गई। कई मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए। दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।फैक्टरी में लगभग 30 मजदूर काम कर रहे थे। गंभीर घायलों को पानीपत सिविल अस्पताल भेजा गया है।

राजस्थान में भूकंप, खाटू श्याम के पास झटके

सीकर। राजस्थान के सीकर जिले में शनिवार सुबह-सुबह भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। भूकंप के झटकों की वजह से लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। भूकंप का समय आज सुबह छह बजकर 32 मिनट रहा। भूकंप की तीव्रता रिएक्टर स्केल पर 3.5 दर्ज किया गया। झटके सीकर जिले के खाटूश्यामजी, पालसाना, ढिंगपुर और आसपास के इलाकों में लगे।

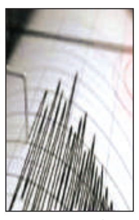

मौर्य के हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

अमौसी। यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य शनिवार को एक बड़े हादसे से बाल-बाल बच गए। उनके हेलीकॉप्टर में उड़ान भरने के कुछ ही सेकंड बाद तकनीकी खराबी आ गई, जिसके चलते उसमें धुआं भरने लगा। पायलट ने तुरंत अमौसी एयरपोर्ट पर आपातकालीन लैंडिंग कराई। मौर्य को सुबह करीब 11:30 बजे कौशांबी पहुंचना था।

पीएम मोदी ने कोटा-बूंदी ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट का किया शिलान्यास

आधुनिक एयरपोर्ट बनने से क्षेत्रीय विकास को मिलेगी दिशा, यात्रा होगी सुगम,व्यापार बढ़ेगा

शिलान्यास समारोह को वर्चुअली संबोधित किया

एजेंसी ⏭ कोटा

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कोटा-बूंदी ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के शिलान्यास समारोह को वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि शनिवार का दिन कोटा, बूंदी, बारां और झालावाड़ सहित पूरे हड़ौती क्षेत्र के लिए एक नई आशा और नई उपलब्धि का दिन है। पीएम मोदी ने कहा कि करीब डेढ़ हजार करोड़ रकी लागत से बनने जा रहा ये आधुनिक एयरपोर्ट आने वाले समय में पूरे क्षेत्र के विकास को नई गति देने वाला है। मैं लोगों को एयरपोर्ट के शिलान्यास पर बहुत शुभकामनाएं देता हूं।

पीएम मोदी ने कहा कि मुझे याद है कि नवंबर 2023 में जब मैं कोटा आया था, तब मैंने जनता से एक वादा किया था। मैंने कहा था कि कोटा का एयरपोर्ट सिर्फ एक सपना बनकर नहीं रहेगा, बल्कि उसे साकार करके दिखाया जाएगा। आज मुझे प्रसन्नता है कि एयरपोर्ट के निर्माण का काम शुरू होने जा रहा है। अब तक कोटा के लोगों को जयपुर या जोधपुर जाकर फ्लाइट पकड़नी पड़ती थी। इसमें काफी समय भी लगता था और असुविधा भी होती थी। अब आसपास के पूरे इलाके में यात्रा भी आसान होगी और व्यापार भी तेजी से बढ़ेगा।

कोटा एयरपोर्ट के निर्माण का काम शुरू

कोटा और हाड़ौती की ये धरती उद्यम और आस्था का केंद्र बनी

कार्यक्रम को संबोधित करते प्रधानमंत्री मोदी

कोटा ऊर्जा का भी एक बड़ा केंद्र

पीएम मोदी ने कहा कि कोटा केवल शिक्षा का ही नहीं, बल्कि ऊर्जा का भी एक बड़ा केंद्र है। कोटा वह अनूठा क्षेत्र है, जहां न्यूक्लियर हो, कोयला आधारित हो, गैस और पानी हो, ऊर्जा के सभी स्रोतों से बिजली का उत्पादन होता है। कोटा और हाड़ौती की ये धरती उद्यम और आस्था का भी बड़ा केंद्र है। यहां श्री मथुराधीश जी की पावन पीठ, केशवराय पाटन के तीर्थ, खड़े गणेश जी महाराज और गोदावरी बालाजी धाम के दर्शन के लिए आते रहते हैं।

कृषि आधारित उद्योग के लिए ये बड़ा केंद्र होगा

पीएम मोदी ने कहा कि अब दिल्ली, वड़ोदरा और मुंबई जैसे बड़े शहरों की दूरी महज कुछ घंटों की रह गई है। बेहतर सड़क और रेल कनेक्टिविटी के कारण यहां नए उद्योग स्थापित हो रहे हैं। विशेष रूप से कृषि आधारित उद्योग के लिए ये क्षेत्र एक बड़ा केंद्र बनेगा। रेल और सड़क के बाद हवाई कनेक्टिविटी के ये नया अध्याय कोटा के विकास को और गति देगा। कोटा एयरपोर्ट पूरे हाड़ौती क्षेत्र और आसपास के जिलों के लिए प्रगति के नए अवसर लेकर आएगा।

बिरला शानदार सांसद, अहंकारी उत्पाती छात्रों को ठीक करेंगे

अविश्वास प्रस्ताव पर बोले पीएम मोदी

सोमवार को स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा से पहले पीएम मोदी ने ओम बिरला की कार्यशैली और व्यक्तित्व पर गहरा विश्वास जताया है। उनकी सराहना करते हुए कहा कि बिरला शानदार सांसद हैं। बेहतरीन लोकसभा अध्यक्ष भी साबित हुए हैं।

वे पक्ष-प्रतिपक्ष से ऊपर

पीएम मोदी ने कहा कि वे आज किसी पक्ष के सदस्य नहीं हैं। वे पक्ष-प्रतिपक्ष से ऊपर हैं और जब उनको सदन में देखता हूं तब मुझे विचार आता है कि ये शायद 'शिक्षा की नगरी' (कोटा) से आने का प्रभाव है।

अच्छे मुखिया की तरह बर्ताव कर रहे

पीएम मोदी ने स्पीकर ओम बिरला की तारीफ की है। वहीं पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- ओम बिरला जितने शानदार सांसद हैं, उतने ही बेहतरीन लोकसभा अध्यक्ष भी हैं। यह शिक्षा की नगरी से आने का ही प्रभाव है कि वे सदन में एक अच्छे मुखिया की तरह सबको साथ लेकर चलते हैं।

दिल्ली को आज देंगे 33,500 करोड़ की सौगात

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली को जल्द ही विकास की बड़ी सौगात मिलने वाली है। प्रधानमंत्री मोदी रविवार को दिल्ली में लगभग 33,500 करोड़ की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। कार्यक्रम से पहले मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को तैयारियों की समीक्षा करते हुए व्यवस्थाओं का जायजा लिया। प्रधानमंत्री कई अहम परियोजनाओं की शुरुआत करेंगे, जिनका उद्देश्य राजधानी की बुनियादी सुविधाओं और कनेक्टिविटी को और बेहतर बनाना है। इन परियोजनाओं में दिल्ली मेट्रो के दो नए कॉरिडोर भी शामिल हैं। पहला कॉरिडोर पिंक लाइन पर मजलिस पार्क, मौजपुर और बाबरपुर के बीच विकसित किया गया है।

उत्तराखंड में शाह ने फिर दोहराया

केदारनाथ से कन्याकुमारी तक घुसपैठियों को चुनकर हटाएंगे

39 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया

सीएम धामी ने गृहमंत्री शाह का स्वागत किया

एजेंसी ⏭ हरिद्वार

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने उत्तराखंड में 1129.91 करोड़ की 39 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान 2027 में होने वाले चुनाव का अभी ही बिगुल फूंक दिया है। शाह ने हरिद्वार में जनता से आवाहन किया कि वह तीसरी बार उत्तराखंड में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएं। उत्तराखंड की आवाज इतनी जोर की होनी चाहिए कि वो दिल्ली तक सुनाई दे। शाह ने धामी सरकार के 4 साल के कामों की प्रदर्शनी देखी। शाह ने उत्तराखंड में पिछले 9 सालों से भाजपा सरकार के कामों की जमकर तारीफ की और कांग्रेस पर तुष्टिकरण-भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। लोगों से तीसरी बार सरकार के लिए संकल्प लिया।

धामी ने अतिक्रमण उखाड़कर फेंक दिए

उन्होंने कहा कि धामी सरकार ने लगभग 10 हजार से अधिक अतिक्रमण उखाड़कर फेंक दिए हैं। यह सिर्फ अतिक्रमण की बात नहीं है। मैं प्रदेशवासियों से कहना चाहता हूं कि पूरे देश में जहां-जहां घुसपैठिए हैं, केदारनाथ धाम से लेकर कन्याकुमारी तक, एक-एक घुसपैठिए को चुन-चुनकर हम भारत के बाहर निकालने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और सपा ने यहां के युवाओं का दमन करने का काम किया।

राहुल को हर जगह नकारात्मकता दिखाई दे रही

शाह ने कहा कि मतदाता सूची शुद्ध न हो, उस देश का लोकतंत्र कभी सलामत नहीं रह सकता है। राहुल गांधी को जितना विरोध करना है, उतना कर लें। वे एसआईआर का भी विरोध करते हैं। उन्हें हर चीज में नकारात्मकता दिखाई देती है।

बंगाल में बनाएंगे सरकार उत्तराखंड में लगेगी हैट्रिक

शाह ने विधानसभा चुनाव में पार्टी की बंपर जीत का ऐलान भी किया। उन्होंने कहा कि बंगाल और तमिलनाडु में भाजपा-एनडीए की सरकार बनेगी। शाह ने भरोसा जताते हुए कहा कि पार्टी दोनों राज्यों में अपनी पकड़ मजबूत कर रही है। उत्तराखंड में 2027 में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। उत्तराखंड में भाजपा हैट्रिक बनाएगी।

पहली बार वोट देने जा रहे युवाओं व समाज के प्रेरणादायक लोगों को सम्मानित किया, ज्यादा वोटिंग पर भी दिया जोर

केरल विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज

प्रेस कॉन्फ्रेंस में चुनाव आयोग ने दी अहम जानकारी, चुनाव का ब्योरा भी सामने रखा

एजेंसी ⏭ कोच्चि

चुनाव आयोग ने केरल विधानसभा चुनाव 2026 की तैयारियों को लेकर शनिवार को कोच्चि में एक अहम प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, चुनाव आयुक्त डॉ. सुकबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। आयोग ने पहली बार वोट देने जा रहे युवाओं और समाज के प्रेरणादायक लोगों को सम्मानित भी किया। अमृता, यानल सुलेमान और फेनल सारा जेफरसन जैसे युवा मतदाताओं को सम्मानित किया। 96 वर्षीय पीबी विशलम को भी सम्मानित किया। राजीव पलारोथी को भी सम्मानित किया। ज्ञानेश ने बताया कि आयोग ने युवाओं, स्विप आइकॉन और समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग मतदान में हिस्सा लें। उन्होंने बीएलओ और चुनाव अधिकारियों की मेहनत की भी सराहना की।

अहम आंकड़े पेश किए

- केरल में कुल 140 विधानसभा सीटें हैं। इनमें से 124 सामान्य , 14 एससी के लिए और 2 असटी के लिए आरक्षित हैं। विधानसभा का कार्यकाल 23 मई 2026 को समाप्त होगा।
- केरल में कुल 2,69,53,644 मतदाता हैं। यह संख्या ऑस्ट्रेलिया, नॉर्वे और कोस्टा रिका की कुल आबादी से भी अधिक बताई गई।
- राज्य में 30,471 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें इस बार 5,000 नए मतदान केंद्र जोड़े गए हैं। सभी मतदान केंद्रों पर 100 प्रतिशत वेबकास्टिंग होगी।
- किसी भी बूथ पर 1,200 से अधिक मतदाता नहीं होंगे। इसके अलावा 397 महिला संचालित मतदान केंद्र और 790 से अधिक मॉडल मतदान केंद्र बनाए जाएंगे।
- केरल में लगभग 2.43 लाख दिव्यांग मतदाता हैं और 2 लाख से अधिक मतदाता 85 वर्ष से अधिक उम्र के हैं।

तिरुवनंतपुरम में आईटी पेशेवरों से राहुल ने की बात

चीन की औद्योगिक ताकत ज्यादा प्रणाली बेजोड़, लेकिन अलोकतांत्रिक

पड़ोसी ने औद्योगिक उत्पादन के क्षेत्र पर कब्जा कर लिया

एजेंसी ⏭ तिरुवनंतपुरम

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि चीन ने दुनिया में एक बेहतरीन और बेजोड़ औद्योगिक प्रणाली बनाई है। पड़ोसी देश की व्यवस्था दबाव डालने वाली और अलोकतांत्रिक है। यह बात उन्होंने तिरुवनंतपुरम में आईटी पेशेवरों से बातचीत के दौरान कही। राहुल टेक्नोपार्क में आईटी क्षेत्र से जुड़े लोगों से संवाद कर रहे थे। इस दौरान सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि चीन ने औद्योगिक उत्पादन के क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है। अमेरिका, भारत और दुनिया के कई देश केवल खपत ही कर रहे हैं। असली रोजगार औद्योगिक उत्पादन के क्षेत्र में होता है, न केवल खपत में। भारत ने चीन को औद्योगिक उत्पादन के क्षेत्र पर पूरी तरह कब्जा करने दिया।

चीन की औद्योगिक प्रणाली दुनिया में शानदार

राहुल ने कहा कि चीन ने एक शानदार औद्योगिक प्रणाली खड़ी की है, जिसका मुकाबला दुनिया में कोई नहीं कर सकता। भारत को चीन की दबाव वाली व्यवस्था पसंद नहीं है। वहां (चीन) लोकतंत्र नहीं है। उन्होंने आगे कहा, अगर भारत अपने लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखते हुए मजबूत औद्योगिक उत्पादन प्रणाली खड़ी कर लेता है, तो यह भारत और दुनिया के लिए बहुत बड़ी सेवा होगी।

पहली बार जेडीयू ने दिया खुलकर जवाब, प्रदेश अध्यक्ष कुशवाहा बोले-

नीतीश को जनादेश मिला, नए सीएम की चर्चा बेकार

अभी इस्तीफा नहीं दिया तो सारी बातें निरर्थक

एजेंसी ⏭ पटना

25 से 30 फिर से नीतीश'- नारे के बाद बिहार चुनाव में जीत के 3 महीने के दरमियान जिस तरह से नीतीश कुमार ने राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन भरा, उससे चर्चा है कि भाजपा ने उनके साथ खेला कर दिया। अब भाजपा के साथ भी खेला होने के आसार सामने आए हैं। पहली बार जेडीयू के किसी जिम्मेदार पदाधिकारी ने खुलकर कहा है कि अभी मुख्यमंत्री की कुर्सी खाली नहीं हुई है तो नए सीएम के नाम की चर्चा का सवाल ही बेकार है। प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने नए सीएम के चेहरे पर कहा कि जब हमारे नेता ने इस्तीफा ही नहीं दिया तो यह सवाल ही बेकार है।

एनडीए के नेता नीतीश कुमार

कुशवाहा ने कहा कि जदयू के सभी नेताओं की भारी मांग पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार जदयू ज्वाइन कर रहे हैं। सभी विधायकों, कार्यकर्ताओं की इच्छा से मुख्यमंत्री से आग्रह किया। लंबी मांग के बाद सहमति दी उन्होंने। भाजपाई सीएम के लिए तैयार हैं आप? इस सवाल के जवाब में उमेश कुशवाहा ने कहा कि एनडीए के नेता हमारे नेता नीतीश कुमार हैं। नीतीश कुमार को जनादेश मिला है।

नीतीश दे रहे निशांत को बागडोर

जेडीयू विधानमंडल की बैठक में दोनों सदनों के सभी विधायक, सांसद सब शामिल हुए। नीतीश कुमार ने सबको अपने फैसले से अवगत कराया। यह भी बताया कि अब उनका फैसला नहीं बदलेगा। मौजूद सभी नेताओं ने नीतीश कुमार से अपना फैसला बदलने का आग्रह किया मगर उन्होंने मना कर दिया। यह भी तय हुआ कि निशांत कुमार जदयू की सदस्यता लेंगे और पार्टी के नेतृत्व के लिए उनको तैयार किया जाएगा।

शाह ने सम्राट को दिल्ली बुलाया

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को दिल्ली बुलाया है। बिहार में नए मुख्यमंत्री को लेकर चल रहीं चर्चाओं के बीच सियासी हलचल तेज है।

चेन्नई में किसानों से चौहान ने किया संवाद

'नारियल प्रमोशन स्कीम' दिल्ली में नहीं, किसानों से चर्चा से बनेगी

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

चेन्नई के आईआईटी मद्रास परिसर में शनिवार को नारियल किसानों और हितधारकों के साथ संवाद के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने साफ किया कि बजट 2026-27 में घोषित 'नारियल प्रमोशन स्कीम' केवल दिल्ली के दफ्तरों में बैठकर नहीं, बल्कि तमिलनाडु से असम तक खेतों में काम कर रहे किसानों के सुझावों के आधार पर बनेगी। चौहान ने कहा कि तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, केरल, कर्नाटक, उड़ीसा, असम, महाराष्ट्र, गुजरात, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी जैसे नारियल उत्पादक राज्यों में किसान लंबे समय से उत्पादन, रोग, कीमत और वैल्यू-एडिशन की समस्याएं उठा रहे थे। प्रधानमंत्री की किसान-हितैषी सोच और वित्त मंत्री की बजट घोषणा के तहत अब इन समस्याओं के समग्र समाधान के लिए 'नारियल प्रमोशन स्कीम' लाई जा रही है, जिसका उद्देश्य उत्पादन बढ़ाना है।

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप की दो टूक

ईरान पर हमले होंगे तेज, छह हफ्तों में हवाई क्षेत्र पर करेंगे पूरा नियंत्रण

अमेरिका ने कहा है कि वह आने वाले कुछ हफ्तों में ईरान के हवाई क्षेत्र पर नियंत्रण पाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बताया कि वॉशिंगटन को उम्मीद है कि अमेरिका के जो सैन्य उद्देश्य तय किए गए हैं, उन्हें करीब चार से छह हफ्तों के भीतर पूरा किया जा सकता है

अमेरिका - ईरान जंग
विश्व युद्ध की आहट

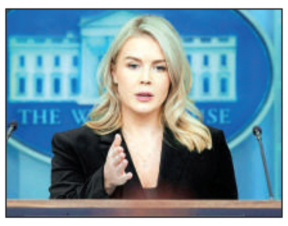

एजेंसी ▸▸ वॉशिंगटन

पश्चिम एशिया में जारी भीषण संघर्ष शनिवार को अपने आठवें दिन में प्रवेश कर गया। ईरान की राजधानी तेहरान में शनिवार तड़के कई विस्फोट हुए, जिनसे आसमान में काले धुएं के गुबार उठते दिखाई दिए। इसके जवाब में ईरान ने इजराइल की ओर मिसाइलें दागीं। इस बीच अमेरिका ने चेतावनी दी कि ईरान पर हमले तेज होंगे। अमेरिका ने कहा है कि वह आने वाले कुछ हफ्तों में ईरान के हवाई क्षेत्र पर नियंत्रण पाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बताया कि अमेरिका इस लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में काफी आगे बढ़ चुका है। उन्होंने कहा कि वॉशिंगटन को उम्मीद है कि अमेरिका के जो सैन्य उद्देश्य तय किए गए हैं, उन्हें करीब चार से छह हफ्तों के भीतर पूरा किया जा सकता है। व्हाइट हाउस के मुताबिक, मौजूदा हालात में अमेरिका की रणनीति ईरान के हवाई क्षेत्र पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने और क्षेत्र में अपनी सैन्य बढ़त बनाए रखने की है। वहीं, अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा है कि ईरान के अंदर अब तक 3,000 से ज्यादा ठिकानों पर हमले किए गए हैं।

ईरान में अब तक 3,000 से ज्यादा ठिकानों पर यूएस ने हमले किए

ट्रंप ने सैन्य हथियार निर्माण कंपनियों के साथ की बेहद महत्वपूर्ण बैठक

अमेरिकी का हथियार उत्पादन चार गुना बढ़ाने का ऐलान

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने और हथियार उत्पादन चौगुना करने की योजना का खुलासा किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर ट्रंप ने बताया कि उन्होंने हाल ही में अमेरिका की सबसे बड़ी सैन्य हथियार निर्माण कंपनियों के साथ एक अहम बैठक की। इसमें उन्होंने प्रोडक्शन और प्रोडक्शन शेड्यूल पर चर्चा की। साथ ही उच्चस्तरीय हथियार के उत्पादन को चार गुना बढ़ाए जाने पर सहमति बनी। ट्रंप ने बताया कि इन हथियारों का उत्पादन जल्द से जल्द और उच्च मात्रा में हासिल करना उनकी प्राथमिकता है। इसके साथ ही उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि इन हथियारों के उत्पादन विस्तार का काम तीन महीने पहले ही शुरू हो चुका है और कई हथियारों की निर्माण प्रक्रिया अब भी चल रही है।

ईरान के इस्फहान पर हुए हमले में एक महिला सहित 8 लोगों की मौत

ईरान के मध्य प्रांत इस्फहान पर अमेरिकी-इजराइली हमलों में कम से कम आठ लोगों के मारे जाने की खबर है। इस्फहान प्रांत में राज्यपाल कार्यालय के एक सुरक्षा अधिकारी अकबर सालेही ने कहा कि इन हमलों में एक महिला सहित 8 नागरिक शहीद हो गए। अमेरिकी और इजराइली शासन के लड़ाकू विमानों ने इस्फहान शहर और प्रांत के सात अन्य शहरों के इलाकों पर हमला किया। शहर के साथ-साथ लेनजान और बोरखर इलाकों में 80 घर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए।

इजराइल ने ईरान पर 230 बम गिराए

इजराइली सेना के हवाले से बताया कि 80 लड़ाकू विमानों ने रात भर में ईरान पर 230 बम गिराए हैं। जिससे ईरान की राजधानी तेहरान सहित कई स्थानों पर भीषण विस्फोट हुए हैं। रात भर चले हमलों की लहर में 80 से अधिक लड़ाकू विमान शामिल थे, जिन्होंने 'कई सैन्य स्थलों' पर 230 गोला-बारूद गिराए। इनमें आईआरजीसी का एक सैन्य विश्वविद्यालय, मिसाइल लॉन्चिंग ढांचा स्थल और बैलिस्टिक मिसाइलों के भंडारण और निर्माण के लिए एक भूमिगत स्थल शामिल थे।

इजराइल को 151.8 मिलियन डॉलर की सैन्य सहायता मंजूर

अमेरिका ने इजराइल को लगभग 151.8 मिलियन डॉलर (करीब 1300 करोड़ रुपए) के हथियारों और सैन्य सहायता की बिक्री को मंजूरी दे दी है। इस मंजूरी को एक आपातकालीन बिक्री के रूप में वर्गीकृत किया गया है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इस तत्काल आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि मौजूदा आपातकालीन स्थिति को देखते हुए यह सैन्य सामान तुरंत बेचना आवश्यक हो गया था। यह कदम इजराइल की सैन्य क्षमता को मजबूत करने और क्षेत्र में अपनी स्थिति बनाए रखने के उसके प्रयासों का समर्थन करने के लिए उठाया गया है।

लावन युद्धपोत पर जयशंकर की सफाई

मानवीय आधार पर दी डॉकिंग की अनुमति

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि भारत ने ईरान के नौसैनिक जहाज 'आईरिस लावन' को कोच्चि में डॉक करने की अनुमति मानवीय आधार पर दी थी। उन्होंने बताया कि जहाज में तकनीकी समस्या आने के बाद ईरान ने भारत से सहायता मांगी थी, जिसके बाद यह फैसला लिया गया। दरअसल, ईरान का एक अन्य जहाज 'आईरिस देना' अंतरराष्ट्रीय समुद्री क्षेत्र में डूब गया था। इसी बीच 'आईरिस लावन' ने तकनीकी दिक्कतों की जानकारी देते हुए भारत के बंदरगाह पर आने की अनुमति मांगी। विदेश मंत्री ने बताया कि यह अनुरोध 28 फरवरी के आसपास आया था और भारत ने 1 मार्च को जहाज को कोच्चि पोर्ट में प्रवेश की अनुमति दे दी। कुछ दिनों की यात्रा के बाद जहाज वहां पहुंच गया। जहाज पर मौजूद 183 क्रू सदस्य फिलहाल कोच्चि स्थित नौसैनिक सुविधाओं में ठहरे हुए हैं।

अरब लीग के विदेश मंत्रियों की आज आपात बैठक

ईरानी हमलों के मुद्दे पर अरब लीग के विदेश मंत्री रविवार को एक आपात बैठक करने जा रहे हैं। इस बैठक में कई अरब देशों के क्षेत्रों पर हुए ईरानी हमलों और क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति पर चर्चा की जाएगी। अरब लीग के सहायक महासचिव हुसाम जाकी ने बताया कि यह बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित की जाएगी। इस आपात बैठक की मांग सऊदी अरब, कुवैत, कतर, ओमान, जॉर्डन और मिस्र ने संयुक्त रूप से की है। इन देशों का कहना है कि क्षेत्र में बढ़ते सैन्य तनाव और हमलों को देखते हुए तत्काल चर्चा और सामूहिक रुख तय करना जरूरी हो गया है। 28 फरवरी को जंग की शुरुआत से अब तक ईरान इजराइल समेत पश्चिम एशिया के 13 देशों को निशाना बना चुका है।

ईरान ने हाइपरसोनिक मिसाइल 'फतह' का उपयोग किया

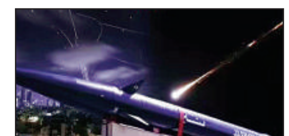

ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने सैन्य और सैन्य सहायता केंद्रों पर मिसाइलों और ड्रोनों से हमलों की 25वीं लहर की घोषणा की है। आईआरजीसी ने कहा कि इस अभियान में हाइपरसोनिक फतह मिसाइल और बैलिस्टिक इमाद मिसाइलों का इस्तेमाल किया जा रहा है। आईआरजीसी की नौसेना ने संयुक्त अरब अमीरात के अल-धाफरा हवाई अड्डे पर ड्रोन हमला किया है। हमले में एक अमेरिकी उपग्रह संचार केंद्र, प्रारंभिक चेतावनी और फायर कंट्रोल रडार को निशाना बनाया गया। इजराइली सेना के मुताबिक ईरान ने मिसाइलें हमलों की नई लहर शुरू कर दी है। इजराइली रक्षा प्रणालियां इस खतरे को रोकने के लिए काम कर रही हैं। सेना के अनुसार संबंधित क्षेत्रों के निवासियों को मोबाइल फोन पर अलर्ट प्राप्त हुआ है। सेना ने कहा कि रक्षा प्रणालियां काम कर रही हैं।

मुनीर ने सऊदी अरब के रक्षा मंत्री प्रिंस खालिद बिन से मुलाकात की

पाकिस्तान के रक्षा बलों के प्रमुख (सीडीएफ) फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर सऊदी अरब पहुंचे और वहां रक्षा मंत्री प्रिंस खालिद बिन सलमान से मुलाकात कर सुरक्षा स्थिति पर चर्चा की। प्रिंस खालिद बिन सलमान ने शनिवार तड़के 'एक्स' पर जारी बयान में कहा कि उनकी फील्ड मार्शल मुनीर के साथ हुई बैठक का मुख्य उद्देश्य उन हमलों को रोकने के उपायों पर चर्चा करना था, जो उनके अनुसार क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता के हित में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि ईरान समझदारी और विवेक को प्राथमिकता देगा और गलत आकलन से बचेगा।

ट्रंप की हत्या की साजिश करने वाला दोषी करार, पाक का, ईरान ने दिया था प्रशिक्षण

ट्रंप की हत्या की साजिश करने वाले पाकिस्तान के 48 साल के आसिफ रजा मर्चेंट को शुक्रवार को ब्रुकलिन की अदालत में दोषी ठहराया गया। एक फेडरल जूरी ने उसे भाड़े पर हत्या करने और आतंकवाद फैलाने की कोशिश का अपराधी माना। मर्चेंट को अब उम्रकैद की सजा हो सकती है। अमेरिकी अटॉर्नी जनरल पामेला बोंडी ने बताया कि मर्चेंट खास तौर पर ट्रंप को मारने के इरादे से अमेरिका आया था। अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, मर्चेंट 'इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स' (आईआरजीसी) का एक प्रशिक्षित एजेंट था। उसने अदालत में माना कि साल 2024 में आईआरजीसी ने उसे राजनीतिक हत्याओं का इंतजाम करने के लिए अमेरिका भेजा था। उसके निशाने पर ट्रंप के अलावा पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन और निक्की हेली भी हो सकते थे। मर्चेंट ने स्वीकार किया कि उसका मुख्य लक्ष्य ट्रंप ही थे।

ईरान पर हमले निंदनीयः मलेशिया

ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजराइल के हमले को लेकर मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने एक बार फिर से अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने ईरान के प्रति मलेशिया के लोगों की सहानुभूति और एकजुटता दिखाई। एक्स पर मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहिम ने कहा कि मैंने ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची से इस बहुत मुश्किल समय में ईरान के लोगों के साथ मलेशिया की सहानुभूति और एकजुटता जाहिर करने के लिए बातचीत की। मैंने हमलों में मारे गए लोगों के लिए मलेशिया की तरफ से अपनी संवेदना भी जाहिर की।

सीबीएसई परीक्षाएं 11 मार्च तक स्थगित

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने पश्चिम एशिया के सात देशों- बहरीन, ईरान, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और यूएई में कक्षा 12वीं की 9, 10 और 11 मार्च 2026 को होने वाली बोर्ड परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं। नई तारीखें बाद में घोषित होंगी। 10 मार्च को स्थिति की समीक्षा के बाद आगे की परीक्षाओं पर फैसला लिया जाएगा। बोर्ड की ओर से 7 मार्च 2026 को जारी एक आधिकारिक सर्कुलर में यह जानकारी दी गई है।

दुबई के लिए 80 फीसदी महंगा हुआ हवाई टिकट

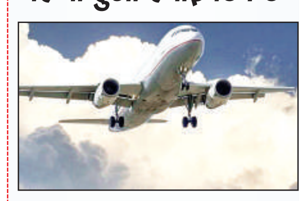

युद्ध के चलते पिछले एक हफ्ते में भारत से दुबई के लिए फ्लाइट टिकट के दाम 60 से 80 फीसदी तक महंगे हो गए हैं। वहीं, भारत से यूरोप जाने वाली फ्लाइट्स के टिकट 40 फीसदी से ज्यादा महंगे हो गए हैं। भारत-दुबई कॉरिडोर पर काफी कम फ्लाइट्स ऑपरेट हो रही हैं। ऐसे में एकतरफा टिकट के किराए में 60% से 80% तक की बढ़ोतरी हुई है। जर्मनी और पुर्तगाल जैसे यूरोपीय देशों के फ्लाइट टिकट्स की कीमत में जबरदस्त इजाफा हुआ है। 1 से 5 मार्च के बीच की बुकिंग में में बीते सप्ताह की तुलना में 40 फीसदी तक टिकट महंगा हुआ है। दिल्ली से फ्रैंकफर्ट रूट पर कई दिनों के लिए उपलब्ध ही नहीं है। वहीं, इकनॉमी क्लास का सबसे सस्ता टिकट भी 1.5 लाख रुपए तक पहुंच गया है।

खबर संक्षेप

इमरान की पार्टी के 47 कार्यकर्ताओं को जेल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के 47 नेताओं और समर्थकों को अदालत ने 10 साल की सजा सुनाई है। यह फैसला रावलपिंडी की आतंकवाद निरोधक अदालत ने शनिवार को सुनाया। अदालत ने इन सभी लोगों को मई 2023 में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों और तोड़फोड़ के मामले में दोषी पाया है।

रूस का यूक्रेन के शहर पर हमला, 7 की मौत

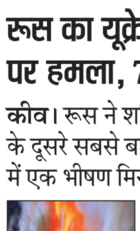

कीव। रूस ने शनिवार को यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव में एक भीषण मिसाइल हमला किया। रूसी मिसाइल एक पांच मंजिला रिहायशी इमारत से टकरा गई, जिससे कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। घायलों में तीन बच्चे भी शामिल हैं। हमले के बाद राहत और बचाव दल मलबे में फंसे लोगों को निकालने के लिए लगातार अभियान चला रहे हैं।

तेलंगाना में 130 माओवादियों का सरेंडर

नई दिल्ली। तेलंगाना में 130 माओवादियों ने सरेंडर कर दिया है। इस बीच तेलंगाना के सीएम ए रेवंत रेड्डी ने टॉप माओवादी लीडर मुप्पला लक्ष्मण राव उर्फ गणपति से सरेंडर करने की अपील की है। रेवंत रेड्डी ने हैदराबाद में शनिवार को 130 माओवादियों के सरेंडर करने पर कहा कि बुलेट से नहीं, आप बैलेट से चमत्कार कर सकते हैं।

रायसीना डायलॉग 2026 के 11वें संस्करण में विदेश मंत्री जयशंकर बोले

भारत में सभी देशों को एक मंच पर लाने की काबिलियत, दुनिया को हम पर भरोसा

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

यहां आयोजित रायसीना डायलॉग 2026 के 11वें संस्करण के आखिरी दिन शनिवार को भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कार्यक्रम को संबोधित किया और हिंद महासागर में भारत की कूटनीति की सराहना की। जयशंकर ने बताया कि भारत के पास सभी देशों को एक मंच पर लाने की काबिलियत है, क्योंकि वे हम पर ज्यादा भरोसा करते हैं। उन्होंने कहा कि जब हिंद महासागर की बात आती है तो भारत की एक खास अहमियत है और इसलिए एक खास जिम्मेदारी और एक खास योगदान है। हमारे पास बहुत सारे देशों को टेबल पर या प्लेटफॉर्म पर साथ लाने की क्षमता है क्योंकि हमारे उनके साथ अच्छे संबंध हैं। शायद वे हम पर ज्यादा भरोसा करते हैं या वे हमारे साथ ज्यादा कंफर्टेबल हैं।

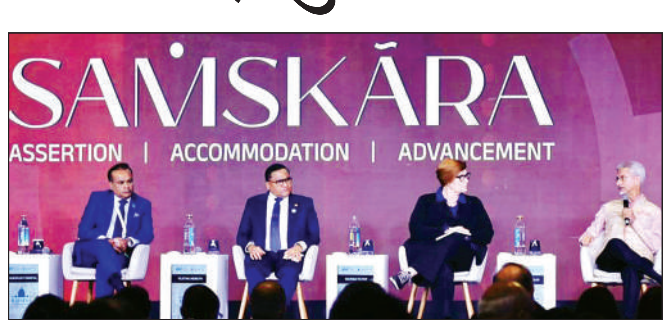

भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए

भारत के उत्थान को कोई रोक नहीं सकता

जयशंकर ने अमेरिका की भारत के खिलाफ की गई हालिया टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि देश का उत्थान निर्बाध गति से होगा। उसे रोका नहीं जा सकता है। हम अपनी ताकत के बलबूते पर अपनी विकास की कहानी को खुद लिखेंगे। जिसमें हमारी शक्ति, हमारी प्रतिबद्धता के संकल्प से आएगी, न कि किसी दूसरे की गलतियों से ऐसा कुछ होगा। जयशंकर की ये टिप्पणी बीते दिनों इसी कार्यक्रम में अमेरिका के उप-विदेश सचिव क्रिस्टोफर लैंडो के उस बयान के बाद सामने आई है। जिसमें लैंडो ने कहा था कि अमेरिका भारत को चीन की तरह कभी भी अपना आर्थिक प्रतिद्वंदी नहीं बनने देगा।

कई देशों के पास भारत के जहाज

जयशंकर ने कहा कि जब मैं अपने तीन सहयोगियों, सेशेल्स, मॉरीशस और श्रीलंका को उनकी नौसेनाओं और उनके तट रक्षकों के साथ देखता हूं, तो हमारा साथ मिलकर काम करने का एक लंबा इतिहास रहा है। उनमें से कई के पास भारतीय मूल के जहाज या शिल्प हैं। हमने एक साथ प्रशिक्षण किया है, हमने एक साथ अभ्यास किया है और सिर्फ उनके साथ ही नहीं, अगर आप वास्तव में हिंद महासागर या भारत-प्रशांत में बड़े अभ्यासों को देखें, तो ऑस्ट्रेलिया फिर से एक बहुत ही महत्वपूर्ण अभ्यास भागीदार है।

भारत कई तरह की समुद्री सुरक्षा कर रहा

विदेश मंत्री ने कहा कि भारतीय नौसेना या भारतीय तट रक्षक कई देशों के साथ समुद्री सुरक्षा और गतिविधियों में काम कर रहे हैं। हम सिंगापुर में समुद्री डकैती का मुकाबला करने के लिए आधारित संगठन के सदस्य हैं। हम ड्रग्स नेटवर्क का मुकाबला करने के मामले में मदद करते हैं, हम आईयूयू मछली पकड़ने से निपटते हैं। हम एचएडीआर की स्थिति से निपटते हैं, हम ऑयल स्पिल से डील करते हैं। श्रीलंका में एक बड़ा ऑयल स्पिल हुआ था, मॉरीशस में एक बड़ा ऑयल स्पिल हुआ था। असल में इंडियन वेसल ही थे जो सबसे पहले वहां गए और सफाई में मदद की।

फिनलैंड के राष्ट्रपति स्टब बोले

आने वाला समय 'भारत' का, वो किसी भी पक्ष से बात कर सकता

एजेंसी ▸▸ मुंबई

फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब ने शनिवार को भारत की जमकर सराहना की है। मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में शामिल है, जो वैश्विक विवादों में हर पक्ष से बात कर सकता है। उन्होंने कहा कि भारत की संतुलित विदेश नीति उसे वैश्विक संघर्षों में कई पक्षों से संबंध बनाए रखने में मदद करती है। भारत उन दुर्लभ देशों में से है जो लगभग सभी से बात कर सकता है। इसकी विदेश नीति व्यावहारिक और यथार्थवादी है। भारत के गहरे गठबंधन नहीं हैं, जो इसे काफी खुला बनाता है। उन्होंने कहा कि भारत के रूस, यूक्रेन और अमेरिका के साथ संबंध उसे कूटनीतिक रूप से मजबूत स्थिति में रखते हैं। उन्होंने कहा कि भारत की आबादी, बढ़ती अर्थव्यवस्था और गौरवशाली इतिहास यह बताते हैं कि आने वाला समय भारत का ही है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता का भी पुरजोर समर्थन किया। कहा कि वैश्विक संस्थाओं को 1945 के बजाए आज की हकीकत के हिसाब से काम करना चाहिए।

फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब

आधुनिक युद्ध क्षेत्रीय संकट बने

स्टब ने कहा कि भारत के पीएम के साथ शुक्रवार को तीन घंटे बिताना मेरे लिए सम्मान और सौभाग्य की बात थी। हमने विश्व भर के संघर्षों, चीन, अमेरिका, रूस और यूरोप के साथ संबंधों के साथ-साथ द्विपक्षीय संबंधों पर भी व्यापक और सार्थक बातचीत की। स्टब ने कहा कि आधुनिक संघर्ष स्थानीय युद्धों से आगे बढ़कर क्षेत्रीय संकट बन गए हैं। उन्होंने कहा स्थिति नाजुक है। स्टब ने क्षेत्र में तनाव कम करने का आह्वान किया। उन्होंने यह भी कहा कि भले ही देश झगड़ों से दूर रहने की कोशिश करें, लेकिन कोई भी इसके ग्लोबल असर से बचा नहीं जा सकता, क्योंकि इससे तेल की कीमतें, व्यापार और समुद्री मार्ग हमेशा प्रभावित होते हैं। हाल के घटनाक्रमों ने क्षेत्र में जोखिम बढ़ा दिए हैं।

95 वर्ष के थे जॉर्ज, वीरता से दुश्मन के छक्के छुड़ा दिए थे

1965 के भारत-पाक युद्ध के नायकों में शुमार लांस हवलदार केजी जॉर्ज का हुआ निधन

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

1965 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुई भीषण जंग में दुश्मन को 'नाकों चने चबाने' वाले भारतीय सेना के वीर योद्धा और लांस हवलदार (लाइनमैन फील्ड) केजी जॉर्ज का शनिवार सुबह सवा पांच बजे 95 वर्ष की आयु में दुखद निधन हो गया है। सेना ने उनके निधन पर दुख जताते हुए इसे देश के लिए अपूरणीय क्षति बताया है। साथ ही कहा कि केजी जॉर्ज का जीवन और सेना में उनका योगदान सैनिकों की भावी पीढ़ियों के लिए लगातार प्रेरणा का स्रोत रहेगा। दुश्मन के खिलाफ प्रदर्शित किए गए साहस और मातृभूमि की रक्षा

के लिए दिए गए योगदान को लेकर उन्हें तत्कालीन सरकार ने सैन्य काल में दिए जाने वाले देश के सर्वोच्च सम्मान वीर चक्र से सम्मानित किया था। जॉर्ज मूलरूप से केरल के कोट्टायम जिले के रहने वाले थे और उनके परिवार में उनकी एक बेटी श्रीमती मागी हैं। उन्हें सेना की सिग्नल कोर के एकमात्र वीर चक्र पुरस्कार से सम्मानित सैनिक के रूप में भी जाना जाता था।

नेपाल चुनावः 4 साल पुरानी पार्टी की ऐतिहासिक जीत

बालेन शाह ने भारत विरोधी केपी ओली को 50,000 वोटों से हराया

- **आरएसपी ने 165 में से 62 सीटें जीती, 60 पर आगे**
- **सफल चुनाव कराने पर पीएम की नेपाल को बधाई**

एजेंसी ▸▸ काठमांडू

नेपाल में आम चुनाव की मतगणना जारी है। 165 सीटों पर शुरुआती रुझान आ चुके हैं। रैपर और काठमांडू के मेयर रहे बालेन शाह ने पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली को 50 हजार वोटों से हरा दिया है। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के बालेन शाह और ओली झापा-5 सीट से चुनाव लड़ रहे थे। यहां बालेन शाह को 68,348 वोट मिले, जबकि केपी शर्मा ओली को 18,734 वोट मिले। ओली को भारत विरोधी नेता माना जाता है। उन्होंने झापा-5 सीट से 2017 और 2022 का

जीत के प्रमाण पत्र के साथ बालेन शाह

चुनाव जीता था। बालेन शाह की आरएसपी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। आरएसपी ने अब तक 62 सीटें जीत ली हैं, जबकि 60 सीटों पर आगे चल रही है। यह पार्टी सिर्फ 4 साल पहले एक पत्रकार रहे रबि लामिछाने ने बनाई थी। पिछले साल सितंबर में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद 5 मार्च को हुए चुनाव में 58% लोगों ने वोट डाले। वोटों की गिनती पूरी होने में 3 से 4 दिन लगने की उम्मीद है। 9 मार्च तक काउंटिंग पूरी करने की कोशिश की जाएगी।

शाह रैपर, गीतकार और म्यूजिक प्रोड्यूसर

काठमांडू के नारादेवी में जन्मे बालेन शाह मधेशी परिवार से आते हैं। उनके पिता स्वर्गीय राम नारायण शाह प्रसिद्ध आयुर्वेद चिकित्सक थे। 2015 के गोरखा भूकंप के बाद शाह राहत कार्यों में भी सक्रिय रहे थे। वे एक रैपर, गीतकार और म्यूजिक प्रोड्यूसर भी हैं। उन्होंने 2012 में अपने संगीत करियर की शुरुआत की थी। शुरुआत में वे विवेकशील पार्टी से जुड़े थे। बाद में 2022 में काठमांडू मेयर का चुनाव उन्होंने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में जीता था।

पीएम पद के प्रमुख दावेदार हैं 'बालेन'

इसके बाद दिसंबर 2025 में वे आरएसपी में शामिल हुए और 2026 के आम चुनाव में पार्टी के अभियान का नेतृत्व किया, जहां उन्हें नेपाल के पीएम पद के प्रमुख दावेदार के रूप में देखा जा रहा है। 'बालेन' के नाम से मशहूर बालेंद्र शाह ने चुनाव प्रचार के दौरान खुद को 'मधेश का बेटा' बताया था और पार्टी ने 'अबकी बार बालेंद्र सरकार' का नारा दिया था।

नई सरकार के साथ मिलकर काम करेंगे

पीएम नरेंद्र मोदी ने नेपाल में सफल रहे चुनाव के बाद नेपाल की जनता और सरकार को बधाई दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लैटफोर्म एक्स पर लिखा कि मैं नेपाल के लोगों और सरकार को चुनाव के सफल आयोजन पर दिल से बधाई देता हूं। अपने नेपाली भाइयों और बहनों को अपने डेमोक्रेटिक अधिकारों का इतने जोश के साथ इस्तेमाल करते देखना बहुत अच्छा लग रहा है। भारत नेपाल के लोगों और उनकी नई सरकार के साथ मिलकर काम करने के अपने वादे पर कायम है।

महिला दिवस : थोड़ा है, ज्यादा की जरूरत है

प्रमुख चेहरे

भारत में महिलाओं ने विज्ञान और अंतरिक्ष के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आज महिलाएं भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और अन्य प्रमुख वैज्ञानिक निकायों में उच्च पदों पर कार्यरत हैं। भारत में व्यवसाय का परिदृश्य उन महिलाओं द्वारा तेजी से बदल रहा है जो लगभग 20% एमएसएमई और करीब 18% स्टार्टअप्स का नेतृत्व कर रही हैं। इन महिलाओं ने डीप-साइंस बायोटेक्नोलॉजी से लेकर डिजिटल-फर्स्ट ब्यूटी और फिनटेक जैसे कई क्षेत्रों में बड़ा बदलाव किया है।

कल्पना चावला
अंतरिक्ष में जाने वाली पहली भारतीय मूल की महिला, जिन्होंने 1997 और 2003 में नासा के अंतरिक्ष यान कोलंबिया में उड़ान भरी थी।

कल्पना सरोज
(कमानी ट्यूब्स) भारत की पहली महिला उद्यमियों में गिनी जाती हैं और उन्हें ओरिजिनल स्लमडॉग मिलियनेयर कहा जाता है।

किरन मजूमदार शॉ
1978 में सिर्फ 10,000 रुपये से एक गैरेज में बायोकॉन की स्थापना की। छोटे औद्योगिक एंजाइम व्यवसाय को वैश्विक बायोफार्मास्यूटिकल कंपनी में बदल

रोशनी नाडर
(एचसीएलटेक): 2020 में सूचीबद्ध भारतीय आईटी कंपनी की अध्यक्ष बनने वाली पहली महिला। 2024 तक 13.3 अरब डॉलर वार्षिक राजस्व वाली वैश्विक टेक कंपनी का नेतृत्व।

रितु करिधल श्रीवास्तव
इन्हें अक्सर रॉकेट वुमन ऑफ इंडिया कहा जाता है। उन्होंने मंगलयान के लिए उप-संचालन निदेशक और चंद्रयान-2 के लिए मिशन निदेशक के रूप में कार्य

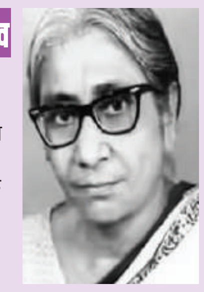

असीमा चटर्जी
भारतीय विश्वविद्यालय (1944) से डॉक्टर ऑफ साइंस प्राप्त करने वाली पहली महिला व कार्बनिक रसायन विज्ञान की अग्रणी वैज्ञानिक। उन्हें मलेरिया व मिर्गी रोधी दवाओं के विकास के लिए जाना जाता

भारत में महिलाओं ने अनेक क्षेत्रों में प्रगति की है, इसके बावजूद उनके सामने अनेक चुनौतियां भी हैं

1 हिंसा और सुरक्षा संबंधी चिंताएं

सुरक्षा एक बड़ी समस्या बनी हुई है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, महिलाओं के खिलाफ अपराधों में लगातार वृद्धि देखी गई है। घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न और सार्वजनिक स्थानों पर छेड़छाड़ जैसे मामले इनमें प्रमुख हैं। हिंसा के डर से महिलाओं की आवाजाही प्रतिबंधित होती है, जिससे उनकी शिक्षा और करियर के विकल्प प्रभावित होते हैं।

2 आर्थिक और कार्यस्थल की बाधाएं

आर्थिक भागीदारी के मामले में भारतीय महिलाएं अब भी पीछे हैं। भारत में महिला श्रम बल भागीदारी दर (एफएलएफपीआर) वैश्विक औसत की तुलना में काफी कम है। साथ ही महिलाएं दोहरा बोझ उठाती हैं। महिलाओं से उम्मीद की जाती है कि वे घर के काम और बच्चों की देखभाल भी संभालें, जिससे उन पर काम का दबाव बहुत बढ़ जाता है। वेतन में असमानता साफ दिखती है। समान काम के लिए महिलाओं को अक्सर पुरुषों की तुलना में कम वेतन मिलता है। हालांकि महिला श्रम बल भागीदारी दर (एफएलएफपीआर) में हाल के वर्षों में सुधार हुआ है, लेकिन इसका बड़ा हिस्सा ग्रामीण और स्व-रोजगार क्षेत्रों से आता है।

कुल भागीदारी : 2023-24 में यह बढ़कर 41.7% हो गई (जो 2017-18 में 23.3% थी)।
ग्रामीण बनाम शहरी : ग्रामीण क्षेत्रों में भागीदारी (47.6%) शहरी केंद्रों (25.4%) की तुलना में काफी अधिक है।
क्षेत्रवार दबदबा: कृषि: यह सबसे बड़ा नियोक्ता है, जहां 62.9% महिला श्रमिक कार्यरत हैं।
स्व-रोजगार: यह बढ़कर 67.4% हो गया है, जिसमें अक्सर बिना वेतन वाले पारिवारिक सहायक शामिल होते हैं।
नेतृत्व: कंपनियों के बोर्ड में महिलाओं की हिस्सेदारी केवल 18.3% है।

3 सामाजिक-सांस्कृतिक चुनौतियां

पितृसत्तात्मक सोच आज भी महिलाओं की प्रगति में बाधा है। समाज में आज भी बेटों की चाहत के कारण लिंगानुपात में असंतुलन और कन्या भ्रूण हत्या जैसी समस्याएं मौजूद हैं। कानूनन अपराध होने के बावजूद, कई ग्रामीण क्षेत्रों में बाल विवाह और दहेज प्रथा आज भी जारी है।

4 राजनीतिक प्रतिनिधित्व की कमी

निर्णय लेने वाली संस्थाओं में महिलाओं की उपस्थिति कम है। लोकसभा में महिलाओं की संख्या अभी भी केवल 14-15% के आसपास है। उच्च और सर्वोच्च न्यायालय में महिला न्यायाधीशों की संख्या बहुत कम है। पंचायती राज में आरक्षण के कारण जमीनी स्तर पर महिलाओं की भागीदारी मजबूत है, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर यह वैश्विक औसत से कम है।

लोकसभा: 2024 के चुनावों में 74 महिलाएं चुनी गईं, जो सदन का 13.6% है।
राज्यसभा: महिलाओं के पास लगभग 13% से 17% सीटें हैं।
विधानसभाएं: महिला विधायकों का राष्ट्रीय औसत केवल 9% है।
स्थानीय शासन: पंचायतों में 14.5 लाख से अधिक निर्वाचित महिला प्रतिनिधि हैं,

विज्ञान

टेसी थॉमस: मिसाइल वुमन ऑफ इंडिया के रूप में जानी जाने वाली व रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) में मिसाइल परियोजना (अग्नि-IV) का नेतृत्व करने वाली पहली महिला वैज्ञानिक थीं।

जानकी अम्माल: एक प्रसिद्ध वनस्पतिशास्त्री और पद्म श्री (1977) प्राप्त करने वाली पहली भारतीय वैज्ञानिक; उन्होंने आनुवंशिकी और विकासवाद में बड़ा योगदान दिया।

अन्ना मणि: एक भौतिक विज्ञानी और मौसम विज्ञानी, जो नोबेल पुरस्कार विजेता सी.वी. रमन के साथ काम करने वाली एकमात्र महिला थीं। उन्होंने सौर विकिरण और ओजोन माप में अग्रणी कार्य किया।

कमला सोहोनी: वैज्ञानिक विषय में पीएचडी प्राप्त करने वाली पहली भारतीय महिला, उन्होंने एंजाइम 'साइटोक्रोम सी' की खोज की थी। नीरा (ताड़ के अर्क) के पोषण संबंधी लाभों पर शोध के लिए उन्हें राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया

एन. कलैसेल्वी: 2022 में वह वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की पहली महिला महानिदेशक बनीं। उन्होंने 125 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किए हैं और उनके नाम 6 पेटेंट हैं।

अग्रणी बिजनेस लीडर्स

फाल्गुनी नायर (नायका)
एक पूर्व निवेश बैंकर, जिन्होंने 2012 में 50 वर्ष की उम्र में नायका की स्थापना की। 13 अरब डॉलर का साम्राज्य खड़ा किया जिसने भारत में ब्यूटी ई-कॉमर्स को बदल दिया। 2021 में कंपनी के आईपीओ के बाद वह भारत की सबसे धनी स्वयं-निर्मित महिला अरबपतियों में

गजल अलघ (मामाअर्थ)
2016 में टॉक्सिन-फ्री ब्यूटी ब्रांड मामाअर्थ की सह-संस्थापक। 2022 तक कंपनी को 1 अरब डॉलर से अधिक मूल्यांकन वाला यूनिकॉर्न बनाया। भारत के सबसे तेजी से बढ़ते डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर (डी2सी) पर्सनल केयर ब्रांड्स में से एक स्थापित किया।

विनीता सिंह (सुगर कॉस्मेटिक्स)
23 साल की उम्र में 1 करोड़ रुपये की नौकरी का प्रस्ताव ठुकराकर 2015 में सुगर कॉस्मेटिक्स शुरू किया। आज यह ब्रांड 4,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्यांकन के साथ वैश्विक ब्यूटी कंपनियों को टक्कर दे रहा है। समावेशी और बोल्ड उत्पादों के साथ आधुनिक भारतीय ब्यूटी मानकों को नया रूप दिया।

उपासना टाकू (मोबीक्विक)
2009 में डिजिटल पेमेंट कंपनी मोबीक्विक की सह-संस्थापक। अरबों रुपये के लेनदेन संभालने वाला विश्वसनीय फिनटेक प्लेटफॉर्म विकसित किया। खासकर छोटे शहरों में लाखों लोगों के लिए डिजिटल भुगतान को आसान बनाया।

अंतरिक्ष अन्वेषण

मुथैया वनिता: इसरो की पहली महिला परियोजना निदेशक, जिन्होंने चंद्रयान-2 चंद्र मिशन का नेतृत्व किया। एक इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम इंजीनियर के रूप में, उन्होंने 30 से अधिक वर्षों तक इसरो में डेटा हैंडलिंग और हार्डवेयर विकास में काम किया है।

निगार शाजी: 2023 में लॉन्च किए गए भारत के पहले सौर मिशन, आदित्य-एल1 की परियोजना निदेशक। उन्होंने इस मिशन के लिए आठ वर्षों तक काम किया है, जिसका उद्देश्य सूर्य का अध्ययन करना है।

वी.आर. ललितांबिका: एक वरिष्ठ वैज्ञानिक और प्रक्षेपण यान प्रौद्योगिकियों की विशेषज्ञ, जिन्हें गगनयान मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम का नेतृत्व करने के लिए नियुक्त किया गया था।

कल्पना कालाहस्ती: चंद्रयान-3 की एसोसिएट प्रोजेक्ट डायरेक्टर, जिन्होंने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर भारत की सफल लैंडिंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जिससे भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला पहला देश बना।

अनुराधा टी.के.: इसरो में उपग्रह परियोजना निदेशक बनने वाली पहली महिला, जो संचार उपग्रहों में विशेषज्ञ हैं। 1982 में शामिल होने वाली सबसे वरिष्ठ महिला वैज्ञानिकों में से एक।

राज्यों में महिलाओं की भागीदारी

राज्यों में महिलाओं की भागीदारी के प्रदर्शन में एक स्पष्ट क्षेत्रीय विभाजन दिखाई देता है। सामान्यत: दक्षिण भारत और छोटे उत्तर-पूर्वी राज्य आगे हैं, जबकि कई उत्तरी और पूर्वी राज्यों में अभी भी उल्लेखनीय अंतर देखने को मिलता है।

☐ महिला साक्षरता दर (राज्य-वार 2025-26)

राष्ट्रीय स्तर पर महिला साक्षरता दर लगभग 65.46% है। हालांकि, शीर्ष और निचले प्रदर्शन वाले राज्यों के बीच बड़ा अंतर

सबसे अधिक साक्षरता
मिजोरम : 97% से 98.2% (2025 में भारत का पहला पूर्ण साक्षर राज्य माना गया)।
केरल: 94% से 96.2%।
हिमाचल प्रदेश : लगभग 91.9% से 99.3%।
त्रिपुरा: लगभग 92.9%।

सबसे कम साक्षरता
राजस्थान : 65.8%।
बिहार: 66.1% से 74.3%।
आंध्र प्रदेश : 72.6%।

☐ महिला श्रमबल भागीदारी दर

सबसे अधिक
सिक्किम: 66.8%
अरुणाचल प्रदेश: 62.4%
हिमाचल प्रदेश: 62.3%।
छत्तीसगढ़: 58.1%।

सबसे कम : दिल्ली: 18.3% (दिल्ली के शहरी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी दर दुनिया में सबसे कम दरों में से एक है)। हरियाणा: 23.6%, पंजाब: 28.9%, उत्तर प्रदेश: 29.6%।

☐ लैंगिक समानता और समावेशन रैंकिंग (2025-

कामकाजी महिलाओं के लिए सर्वश्रेष्ठ शहर : बेंगलुरु ने 2025 में औद्योगिक समावेशन के मामले में पहला स्थान बरकरार रखा, इसके बाद चेन्नई, पुणे और हैदराबाद हैं।

समान वेतन : नियमित वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए महिला-पुरुष वेतन अनुपात लगभग 1:1 होने के कारण दिल्ली इस श्रेणी में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला क्षेत्र है, भले ही कुल भागीदारी कम हो।
सामाजिक समावेशन : सुरक्षा, सार्वजनिक सेवाओं और महिलाओं की आवाजाही जैसे सामाजिक संकेतकों में चेन्नई अग्रणी है। भारत में महिलाओं ने विज्ञान और अंतरिक्ष के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आज महिलाएं भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और अन्य प्रमुख वैज्ञानिक निकायों में उच्च पदों पर कार्यरत हैं।

5 स्वास्थ्य-शिक्षा में अंतर

भारत में 15-49 वर्ष की लगभग 60% महिलाएं एनीमिया (खून की कमी) से पीड़ित हैं। पुरुषों की तुलना में बहुत कम महिलाओं के पास इंटरनेट या स्मार्टफोन तक पहुंच है, जो उन्हें डिजिटल अर्थव्यवस्था से दूर रखता है। भारत में विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी में एक विरोधाभास दिखता है। उनका शिक्षा में नामांकन तो ऐतिहासिक स्तर पर है, लेकिन पेशेवर व राजनीतिक क्षेत्र में संख्या अभी भी कम है।

स्टेम (विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग, गणित) : भारत में स्टेम स्नातकों की दर दुनिया में सबसे अधिक है, लेकिन नौकरी में बने रहना एक चुनौती है। स्टेम स्नातकों में महिलाओं की संख्या 43% है, जो दुनिया में अग्रणी आंकड़ों में से एक है। लेकिन, वास्तविक स्टेम वर्कफोर्स में केवल 27% ही महिलाएं हैं। अनुसंधान और विकास की गतिविधियों में महिलाओं की 18.6% महिलाएं शामिल हैं।
तकनीकी नेतृत्व : महिलाएं 40% की दर से टेक क्षेत्र में प्रवेश करती हैं, लेकिन वरिष्ठ प्रबंधक स्तर तक पहुंचते-पहुंचते यह संख्या 18.1% रह जाती है।
उच्च शिक्षा: 2021-22 में उच्च शिक्षा में महिलाओं का नामांकन 2.07 करोड़ तक पहुंच गया, जो

'आधी आबादी' को मिलना चाहिए उसका पूरा हक

समानता
अर्चना कुमारी
स्वतंत्र पत्रकार

भारत में महिलाएं देश की आबादी का लगभग आधा हिस्सा हैं। यूं तो यह आधी आबादी कभी शोषण तो कभी अत्याचार के मामलों को लेकर अक्सर चर्चा में रहती है। हालांकि जब भी हम महिलाओं की समानता की बात करते हैं तो यह भूल जाते हैं कि किसी भी वर्ग में समानता के लिए सबसे पहले अवसरों की समानता का होना बेहद जरूरी है। यह भी किसी से छिपा नहीं है कि देश में आधी आबादी राजनीति में अभी भी हाशिये पर है। ये स्थिति तब है, जबकि जितनी भी महिलाओं को राजनीति के निचले पायदान से ऊपरी पायदान तक जितना भी और जब भी मौका मिला, उन्होंने अपनी योग्यता और क्षमताओं का लोहा मनवाया है। ऐसे में यह सवाल भी उठना स्वाभाविक है कि आजादी के 75 सालों में लैंगिक समानता की दिशा में हासिल की गई उपलब्धियां आखिर गिनती की ही क्यों रह गई हैं? आखिर सामाजिक जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में लैंगिक असमानता क्यों बरकरार है? वह भी तब, जब हम इस वर्ग को 'आधी आबादी' का संबोधन देते हैं। यह बात सही है कि स्त्री शक्ति ने देश-दुनिया में समय-समय पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। लेकिन महिलाओं को कमतर होने का अहसास दिलाने की पुरुष वर्ग की मानसिकता आज भी स्त्रियों को उनके हकों से वंचित कर रही है। नारी सशक्तीकरण की बातें कागजी योजनाओं में काफी अच्छी लगती हैं पर धरातल पर अभी काफी कुछ होना बाकी है। खास तौर से आधी आबादी को लोकतांत्रिक व्यवस्था में बराबरी का हक देने को लेकर। यह विडम्बना ही है कि विधायिकाओं में 50 फीसदी नहीं, बल्कि महज 33 फीसदी आरक्षण की सालों से चल रही मांग आज तक अधूरी ही है। पंचायत और स्थानीय निकाय स्तर पर आरक्षण से महिलाओं को मौका जरूर मिला लेकिन यहां भी कितना सशक्तीकरण नारी शक्ति का हो पाया है यह किसी से छिपा नहीं है। शिक्षित, आर्थिक रूप से स्वावलंबी, ऊंचे पदों पर बैठी महिलाओं के विपरीत लैंगिक भेदभाव की उस तस्वीर को भी देखना होगा जहां महिलाओं को यह तक पता नहीं कि कानून ने किन-किन क्षेत्रों में उनको कितना संरक्षित कर रखा है।वहीं संसद में भी पुरुषों के मुकाबले महिलाओं का प्रतिनिधित्व बहुत कम है। वर्ष 2024 के संसदीय चुनावों के बाद महिला सांसदों का प्रतिनिधित्व मात्र 14 प्रतिशत ही है - इसीलिए उनके दायित्व और प्रतिनिधित्व का भार, निर्वाचित पुरुष सांसदों से कहीं अधिक हैं। भारत की मौजूदा जनसंख्या के अनुसार, लोकसभा में एक निर्वाचित सांसद औसतन 26 लाख लोगों का प्रतिनिधित्व करता है, वहीं एक निर्वाचित महिला सांसद औसतन 92 लाख महिलाओं का प्रतिनिधित्व करतीं हैं। ऐसे में निर्वाचित महिला सांसदों का राजनैतिक दायित्व भी कहीं अधिक है। जाहिर है महिला अधिकारों और महिलाओं के राजनैतिक प्रतिनिधित्व के राजनैतिक दावों और उसकी वास्तविकता के मध्य एक गहरा राजनैतिक विरोधाभास और राजनैतिक दलों का दोगलापन है। हमें नहीं भूलना चाहिए कि डॉ. आंबेडकर महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे। उनका मानना था कि किसी भी समाज का मूल्यांकन इस बात से किया जाता है कि उसमें महिलाओं की क्या स्थिति है? दुनिया की लगभग आधी आबादी महिलाओं की है, इसलिए जब तक उनका समुचित विकास नहीं होता कोई भी देश चहुंमुखी विकास नहीं कर सकता। डॉ. आंबेडकर का मानना था कि सही मायने में प्रजातंत्र तब आएगा जब महिलाओं को पैतृक संपत्ति में बराबरी का हिस्सा मिलेगा और उन्हें पुरुषों के समान अधिकार दिए जाएंगे। उनका दृढ़ विश्वास कि महिलाओं की उन्नति तभी संभव होगी जब उन्हें घर परिवार और समाज में बराबरी का दर्जा मिलेगा। शिक्षा और आर्थिक तरक्की उन्हें सामाजिक बराबरी दिलाने में मदद करेगी। लेकिन ये सच है कि पितृसत्तात्मक मानदंडों और परम्परागत मानसिकता के चलते ऐतिहासिक रूप से भारत में महिलाओं को हाशिए पर रखा गया। आजादी के बाद भारत के संविधान ने ये व्यवस्था दी कि राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक क्षेत्रों में पुरुषों एवं महिलाओं के साथ समान व्यवहार किया जाएगा, लेकिन भारत में अधिकांश राज्य विधानसभाओं में महिला सदस्यों के प्रतिनिधित्व का परिदृश्य आज भी निराशाजनक है। वास्तव में भारत की आधी आबादी का एक बहुत बड़ा भाग अभी भी अपने मूलभूत अधिकारों से वंचित है।

> *आजादी के 75 सालों में लैंगिक समानता की दिशा में हासिल की गई उपलब्धियां आखिर गिनती की ही क्यों रह गई हैं? आखिर सामाजिक जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में लैंगिक असमानता क्यों बरकरार है?*

नारी : सदियों से संघर्ष और आज भी चुनौती बरकरार

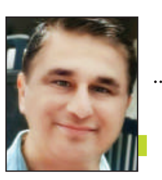

अराजकता
मुनीष भाटिया
स्वतंत्र पत्रकार

ई मानव सभ्यता के लंबे इतिहास पर दृष्टि डालें तो एक कटु सत्य बार-बार सामने आता है कि नारी को अनेक बार समाज और युद्ध की राजनीति में एक कमजोर कड़ी मान लिया गया। शत्रु देशों और दुष्ट प्रवृत्तियों ने अक्सर नारी की अस्मिता पर आघात को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया। इतिहास के अनेक पन्नों में यह दर्दनाक सच्चाई दर्ज है कि युद्ध केवल रणभूमि तक सीमित नहीं रहे, बल्कि उनका सबसे क्रूर प्रभाव स्त्रियों के जीवन पर भी पड़ा।

कभी शत्रु सेनाओं के हाथों, तो कभी सामाजिक परिस्थितियों के कारण नारी को अपमान और शोषण का सामना करना पड़ा। स्त्रियों को अपनी अस्मिता की रक्षा के लिए असाधारण साहस दिखाना पड़ा। जब आक्रमणकारियों की क्रूरता अपनी सीमा पार कर जाती थी, तब भारत की वीरांगनाओं ने जौहर जैसे कठोर और दर्दनाक निर्णय भी लिए। यह केवल एक घटना नहीं थी, बल्कि उस समय की सामाजिक और राजनीतिक परिस्थितियों की भयावहता का प्रतीक थी। जौहर के पीछे एक ही भावना थी—अपनी गरिमा और सम्मान की रक्षा। दरअसल, युद्ध की मानसिकता में अक्सर यह सोच काम करती रही कि यदि किसी समाज की महिलाओं को अपमानित किया जाए तो उस समाज की आत्मा को चोट पहुंचाई जा सकती है। इसी कारण कई बार नारी को विजय के प्रतीक के रूप में देखा गया और उसे लूट का हिस्सा बना दिया गया। यह प्रवृत्ति मानवता के लिए एक कलंक रही है, जिसने सभ्यता की प्रगति पर भी प्रश्नचिह्न लगाए हैं। समय के साथ समाज में परिवर्तन आया, शिक्षा का प्रसार हुआ और महिलाओं की स्थिति भी काफी हद तक मजबूत हुई। आज महिला शिक्षा, विज्ञान, राजनीति, प्रशासन, खेल और सेना जैसे अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दे रही हैं। वे केवल घर की चारदीवारी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की सक्रिय भागीदार बन चुकी हैं। इसके बावजूद कुछ चुनौतियां ऐसी हैं जो नए रूप में सामने आती रहती हैं। आज के युग में युद्ध का स्वरूप बदल गया है। पहले युद्ध तलवारों और सेनाओं से लड़े जाते थे, लेकिन आज कई बार यह युद्ध मानसिक और भावनात्मक स्तर पर लड़े जा रहे हैं। आधुनिक समय में भी नारी को कमजोर समझ कर उसे भावनात्मक जाल में फंसाने की घटनाएं सामने आती रहती हैं। कई बार झूठे प्रेम, छल या किसी छिपी हुई मंशा के माध्यम से महिलाओं को भ्रमित किया जाता है। सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म के विस्तार के साथ ऐसे मामलों में और भी जटिलता आ गई है। दुखद तथ्य यह है कि इस प्रकार के छलावे का शिकार केवल अशिक्षित महिलाएं ही नहीं, बल्कि कई बार पढ़ी-लिखी और जागरूक महिलाएं भी हो जाती हैं। इसका कारण केवल भावनात्मक संवेदनशीलता नहीं, बल्कि समाज में बढ़ती कृत्रिमता और विश्वास की कमी भी है। जब कोई व्यक्ति झूठे प्रेम या सहानुभूति का जाल बुनता है, तो कई बार सच्चाई को पहचानना कठिन हो जाता है। इस स्थिति से निपटने के लिए केवल कानून ही पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि सामाजिक जागरूकता भी अत्यंत आवश्यक है। परिवार और समाज को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि महिलाओं को न केवल शिक्षा मिले, बल्कि उन्हें जीवन के व्यावहारिक पहलुओं के बारे में भी जागरूक किया जाए। आत्मसम्मान, आत्मविश्वास और विवेक की भावना ही उन्हें ऐसे छलावे से बचा सकती है। समाज में छिपे उन भेड़ियों को पहचानना भी जरूरी है जो सभ्यता और संवेदनशीलता का मुखौटा पहनकर अपने स्वार्थ सिद्ध करने की कोशिश करते हैं। ऐसे लोगों के खिलाफ सामाजिक स्तर पर स्पष्ट और दृढ़ संदेश देना होगा कि महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता। नारी को केवल भावुकता का प्रतीक मानना भी एक बड़ी भूल है।

> **जब तक समाज की सोच में परिवर्तन नहीं आएगा, तब तक महिलाओं के प्रति वास्तविक समानता और सुरक्षा की भावना स्थापित नहीं हो सकेगी।**

भारतीय संस्कृति में नारी को शक्ति का स्वरूप माना गया है। वह केवल स्नेह और करुणा की प्रतिमूर्ति नहीं, बल्कि साहस, धैर्य और संघर्ष की भी मिसाल है। इतिहास में रानी लक्ष्मीबाई जैसी वीरांगनाओं से लेकर आधुनिक समय की अनेक सफल महिलाओं तक, नारी ने हर क्षेत्र में अपनी क्षमता सिद्ध की है, इसलिए आज आवश्यकता इस बात की है कि नारी को कमजोर समझने की मानसिकता को पूरी तरह बदला जाए। समाज को यह समझना होगा कि नारी केवल संरक्षण की पात्र नहीं, बल्कि समान अधिकार और सम्मान की अधिकारी है। जब तक समाज की सोच में परिवर्तन नहीं आएगा, तब तक वास्तविक समानता और सुरक्षा की भावना स्थापित नहीं हो सकेगी। साथ ही महिलाओं को भी आत्मनिर्भर और आत्म सजग बनने की आवश्यकता है।

महिला किसान: अनदेखी ना रहे अन्नपूर्णा की भागीदारी

सशक्तीकरण
डॉ. मोनिका शर्मा
स्वतंत्र स्तंभकार

दुनियाभर में स्त्रियों के लिए सम्मान, समानता और सुरक्षा से जुड़े विषयों पर जन-जागरूकता लाने का विशेष दिन है। आधी आबादी की बेहतरी हेतु सजगता लाने और भेदभाव को लेकर सवाल उठाने का परिवेश बनाना इस वैश्विक आयोजन का मुख्य उद्देश्य है। हालांकि हर देश, हर समाज में महिलाओं की समस्याएं अलग होती हैं पर बीते कुछ वर्षों में दुनिया के हर हिस्से में ही स्त्रियों की भागीदारी को समझने और लैंगिक समानता लाने का भाव बढ़ा है। भारतीय परिप्रेक्ष्य में देखें तो स्त्रियों की आर्थिक, सामाजिक और पारिवारिक भागीदारी को आँकने की सोच को बहुत बल मिला है। कामकाजी और शिक्षित स्त्रियों के बढ़ते आंकड़े आधी आबादी की बढ़ती भूमिका को स्पष्ट रूप से रेखांकित करते हैं। महिला दिवस पर विज्ञान से लेकर तकनीक और समाज से लेकर सैन्य बलों तक, अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करवाती स्त्रियों के प्रेरणादायी चेहरे सामने आते हैं। वर्कफोर्स का हिस्सा बनी इन महिलाओं की समस्याओं पर चिंतन किया जाता है। उनकी उपलब्धियों की चर्चा होती है। भविष्य से जुड़े सकारात्मक बदलावों का धरातल बनाने को लेकर सोचा जाता है।

विचारणीय है कि महानगरों में बड़े आयोजनों तक सिमट जाने वाले महिला दिवस से जुड़े विमर्श में महिला किसान आज भी नदारद हैं। पर्यावरण संरक्षण से लेकर अन्न उपजाने और पशुधन को पालने तक, अनगिनत कामों में लगीं स्त्रियों की यह श्रमशील भूमिका आज भी वैचारिक बहसों का हिस्सा नहीं बन सकी है। जबकि कृषि क्षेत्र से सबसे ज्यादा महिलाएं ही जुड़ी हैं। कृषि कार्यों जैसे बुवाई, कटाई, निराई, खेत की सफ़ाई, कटाई, सिंचाई, उपज की सफ़ाई और भंडारण जैसे काम अधिकतर महिला किसान ही करती हैं। 2023-24 के आंकड़ों के अनुसार खेती-किसानी में पुरुषों की भागीदारी 36.3 प्रतिशत और महिलाओं की हिस्सेदारी करीब 64.4 प्रतिशत थी । खेती से जुड़े अन्य कार्यों को भी जोड़ लिया जाए तो पशु पालन, मधुमक्खी पालन, मछली पालन, वर्मीकम्पोस्ट, उत्पादन, मशरूम की खेती और फल-सब्जी प्रसंस्करण जैसे कार्यों में 73 फीसदी से अधिक योगदान महिलाओं का ही है। स्पष्ट है कि हमारे देश में कृषि क्षेत्र बहुत हद तक स्त्रियों के श्रम पर ही निर्भर है। बावजूद इसके अन्नपूर्णा कही जाने वाली महिला किसानों को अस्थायी श्रमिक मानकर अनदेखा किया जाता है। आज भी खेती-किसानी में महिला श्रमिकों को पुरुष कामगारों समान वेतन नहीं मिलता। घर की खेती संभालने वाली महिलाओं के काम का तो कोई मौद्रिक मूल्यांकन ही नहीं होता।

> **पर्यावरण संरक्षण से लेकर अन्न उपजाने और पशुधन को पालने तक, के कामों में लगीं स्त्रियों की यह श्रमशील भूमिका आज भी वैचारिक बहसों का हिस्सा नहीं बन**

इतना ही नहीं, खेती-किसानी से जुड़ीं ग्रामीण महिलाओं में केवल 13 प्रतिशत के पास अपनी भूमि का स्वामित्व है। गौरतलब है कि कुछ समय पहले अंतरराष्ट्रीय कृषि अनुसंधान संगठन, जेंडर इम्पैक्ट प्लेटफॉर्म और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित वैश्विक सम्मेलन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी कृषि से जुड़ी महिलाओं के योगदान पर बात करते हुए उनके पीछे छूट जाने का विषय उठा चुकी हैं। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा था कि महिलाओं को कृषि ढांचे के 'पिरामिड' में सबसे नीचे रखा जाता है ।

चिंतनीय है कि बात चाहे भूमि स्वामित्व की हो या स्वास्थ्य समस्याओं की। सुरक्षा की हो या सम्मान की, अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले कृषि क्षेत्र में लगीं महिला कृषकों से जुड़े विषय विचार-विमर्श का विषय नहीं हैं। विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी के आंकड़ों में भी महिला कृषकों का जिक्र कम ही होता है। सुखद है कि अब खुद महिला किसान स्वयं सहायता समूहों और सहकारी समितियों के माध्यम से संगठित एवं जागरुक हो रही हैं। जैविक खेती, तकनीकी का उपयोग या उत्पादकता बढ़ाने वाले नवाचार, महिला किसानों को सजग-सशक्त बना रहे हैं। ज्ञात हो कि संयुक्त राष्ट्र ने भी वर्ष 2026 को महिला किसान के अंतरराष्ट्रीय वर्ष के रूप में नामित किया है।

इसका उद्देश्य भी उत्पादन से लेकर व्यापार तक कृषि-खाद्य प्रणालियों में महिलाओं की भूमिका और हासिल किए जा रहे उन लक्ष्यों को सामने लाना है, जिन्हें आमतौर पर मान्यता नहीं मिलती। असल में महिला किसानों की हिस्सेदारी को मान दिए बिना उनका सशक्तीकरण संभव नहीं। उनकी भागीदारी को आंके बिना सामाजिक-पारिवारिक उलझनों और लैंगिक भेदभाव के दंश को नहीं समझना मुश्किल है। उनके श्रम को मान्यता दिए बिना मानसिक-भावनात्मक अनुभूतियों का विमर्श का हिस्सा बनना कठिन है।स्पष्ट है कि कृषि क्षेत्र का प्रमुख कार्यबल बनी इन स्त्रियों को सशक्त बनाने के प्रयास भी आवश्यक हैं।

ऐशबाग और तलैया थाना क्षेत्र में हुई झपटमारी की घटनाएं, सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाल रही पुलिस

फिर सक्रिय हुए झपटमार बदमाश... एक्टिवा सवारों ने इंजीनियरिंग छात्र व टीचर के मोबाइल फोन छीने और मौके से हो गए फरार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी में एक बार फिर झपटमार सक्रिय हो गए हैं। एक्टिवा सवार झपटमारों ने तलैया और ऐशबाग थाना क्षेत्र में झपटमारी की वारदात को अंजाम दिया। झपटमारों ने ऐशबाग में इंजीनियरिंग छात्र से मोबाइल झपट लिया। इसी प्रकार तलैया थाने से कुछ दूरी पर रैन बसेरा के सामने ई-रिक्शा में रेलवे स्टेशन जा रहे टीचर का मोबाइल छीनकर झपटमार फरार हो गए। दोनों ही थानों की पुलिस ने अज्ञात एक्टिवा सवार झपटमारों पर प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। आरोपियों तक पहुंचने पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज चेक कर रही है। ऐशबाग पुलिस ने बताया कि खटीक मोहल्ला ऐशबाग निवासी यश सावसिया (18) रातीबड़ स्थित निजी इंजीनियरिंग कॉलेज में बीटेक प्रथम वर्ष का छात्र है। शुक्रवार सुबह करीब 8 बजे वह कॉलेज जाने के लिए घर से निकला था।

पुष्पा नगर अस्सी फीट रोड से उसे कॉलेज बस से कॉलेज जाना था, लेकिन इससे पहले ही पुष्पा नगर मेनरोड पर पीछे से आए एक्टिवा सवार तीन बदमाशों में से एक बदमाश ने यश के हाथ से उसका मोबाइल झपट लिया। मोबाइल झपटने के बाद आरोपी रेलवे स्टेशन की ओर तेजी से एक्टिवा चलाते हुए भाग निकले। यश ने कुछ दूर दौड़कर बदमाशों का पीछा भी किया था। पुलिस ने शुक्रवार शाम अज्ञात बदमाशों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

कॉलेज जाते समय पुष्पा नगर मेनरोड पर पीछे से आए एक्टिवा सवार बदमाशों ने छात्र के हाथ से मोबाइल झपटा

सुल्तानिया अस्पताल के पास रैन बसेरा के सामने ई-रिक्शा में बैठे टीचर के हाथ से मोबाइल झीन कर भागे बदमाश

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ झपटमारी का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की

तलैया पुलिस ने बताया कि मूलरूप से रीवा निवासी आलोक मिश्रा (31) यहां सिद्धि विनायक नीलबड़ में रहते हैं और टीचर हैं। विगत दो मार्च की रात 8 बजे वह ई-रिक्शा से रेलवे स्टेशन जा रहे थे। इस बीच सुल्तानिया अस्पताल के पास रैन बसेरा के सामने किसी का कॉल आने पर वह मोबाइल पर बात करने लगे। तभी एक्टिवा पर सवार तीन बदमाश पीछे से तेजी से आए और उनमें से एक बदमाश ने ई-रिक्शा में बैठे आलोक मिश्रा का मोबाइल छीन लिया और भारत टॉकीज चौराहा की तरफ भाग निकले। अचानक हुई घटना में आलोक मिश्रा ने एक्टिवा का नंबर देख सके। आलोक मिश्रा ने बताया कि रीवा में उनका बेटा आईसीयू में भर्ती है। इसलिए वह रीवा चले गए थे। रीवा से आने के बाद शुक्रवार रात तलैया थाने जाकर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ झपटमारी का प्रकरण दर्ज कराया है।

सुसाइड नोट में प्रेमिका को आत्महत्या का जिम्मेदार बताकर प्रेमी ने लगाई फांसी

भोपाल। अशोका गार्डन थाना क्षेत्र स्थित सेठी नगर में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को उसके पास से एक सुसाइड नोट मिला है। उसने सुसाइड नोट में प्रेमिका और उसके दोस्त को आत्महत्या के लिए जिम्मेदार बताया है। लिखा है कि हम दोनों ने शादी का वादा किया था, लेकिन अब वह अपने वादे से मुकर गई। दुष्कर्म का झूठा प्रकरण दर्ज कराकर जेल भिजवाने की धमकी देती है। पुलिस के अनुसार सेठी नगर अशोका गार्डन निवासी दीपक गुर्जर (25) फेब्रीकेशन का काम करता था। शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात उसने अपने घर की रेलिंग में मां की साड़ी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। सुबह मां ने अपने बेटे को फंदे पर लटका देखा। चीख-पुकार सुनते ही पड़ोसी मौके पर पहुंच गए थे। सूचना मिलते ही पुलिस भी एफएसएल के साथ घटनास्थल पर पहुंच गई। मुआयना करने पर दीपक की पेंट की जेब में रखे पर्स से एक पेज का सुसाइड नोट मिला है। डायरी के पेज पर लिखे सुसाइड नोट की अंतिम लाइन में लिखा है मेरी आत्महत्या की वजह हुमा खान और वो लड़का है। पुलिस ने सुसाइड नोट जब्त कर हैंड राइटिंग एक्सपर्ट के पास भेज दिया है।

खबर संक्षेप

जनगणना 2027 के प्रथम चरण का कार्य शुरू

औबेदुल्लागंज। मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं चार्ज जनगणना अधिकारी नगर परिषद औबेदुल्लागंज द्वारा जारी आदेश एवं निदेशक जनगणना कार्यालय के आदेश अनुसार जनगणना 2027 के प्रथम चरण के संबंध में भवन नंबरिंग का कार्य शुरू किया जा रहा है। इसके अंतर्गत प्रत्येक वार्ड के प्रत्येक भवन की काउंटिंग की जाना है।

ओबीसी वर्ग से डॉ. महेंद्र हो सकते हैं दावेदार

औबेदुल्लागंज। नगर परीषद

औबेदुल्लागंज के अध्यक्ष पद की दावेदारी में डॉक्टर महेंद्र सिंह धाकड़ ओबीसी वर्ग में दाव खेल सकते हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि पढ़े-लिखे समझदार पिछले 20 सालों से भिन्न पदों पर कार्य कर करने का अनुभव है। राजनीति का अनुभव एवं कांग्रेस पार्टी का दमखम से पक्ष रखने में माहिर हैं। कांग्रेस पार्टी से धाकड़ नगर परिषद अध्यक्ष के लिए टिकट की मांग कर सकते हैं। धाकड़ का स्थान स्तर पर धाकड़ क्षेत्र एवं यादव क्षेत्र दोनों में अच्छी पकड़ है।

आज निकलेगा रंग पंचमी का भव्य चल समारोह

औबेदुल्लागंज। हिंदू उत्सव समिति के सचिव पंकज कोठारी, अमित राय, कार्यकारी अध्यक्ष अशोक जैसवाल एवं सुजीत यादव ने बताया कि रंग पंचमी का त्यौहार उत्साह एवं परंपरागत ढंग से मनाने की तैयारी पूर्ण हो गई है। हिंदू उत्सव समिति के तत्वावधान में रविवार को सुबह 10 बजे से मेन चौराहे से विशाल चल समारोह निकाला जाएगा। सचिव अमित राय ने बताया कि अध्यक्ष हिंदू उत्सव समिति सोनू चौकसे ने सभी नगरवासियों, व्यापार महासंघ, किराना संघ एवं अन्य लोगों से शामिल होने की अपील की है।

कांग्रेस सेवादल में सलमान बने जिला उपाध्यक्ष

मंडीदीप। रायसेन कांग्रेस सेवादल के जिला अध्यक्ष मेघराज पटेल द्वारा संगठन की मजबूती के लिए कनौरा के सलमान खान को जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। पूरी ईमानदारी और निष्ठा भाव से पार्टी के लिए समर्पित रहने को कहा है। इस पद को लेकर कांग्रेस सेवा दल के कार्यकर्ताओं ने खुशी जाहिर कर सलमान खान को बधाई दी है।

शुभांक			
कल्याण:	1736		
दिन:	150	63	670
रात:	158	44	770
तारा:			
दिन:	339	53	120
रात:	128	10	578

नगर निगम के भदभदा कचरा स्टेशन पर हादसा...

कचरा वाहन के ड्राइवर को दूसरे वाहन ने मारी टक्कर, पैर में आई गंभीर चोट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

नगर निगम के भदभदा स्थित कचरा स्टेशन पर शनिवार को दोपहर कचरा वाहन की एंट्री करवाने के दौरान एक वाहन के ड्राइवर ने दूसरे वाहन के ड्राइवर को टक्कर मार दी। हादसे में ड्राइवर के पैर में गंभीर चोट आई है। वाहन उसके पैर को कुचलता हुआ दीवार से टकरा गया। उसे इलाज के लिए एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसका इलाज किया जा रहा है। जहां उसके पैर की सर्जरी की जाएगी। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर निगम के अधिकारी पहुंचे उसे तुरंत एम्स अस्पताल ले गए। दूसरे ड्राइवर को भी चोटें आई हैं। निगम के अधिकारियों के अनुसार घटना की शिकायत थाने में फिलहाल दर्ज नहीं करवाई गई है।

भदभदा कचरा स्टेशन पर जोन-21 के कचरा वाहन ड्राइवर पवन है और जोन-8 के कचरा ड्राइवर अरुण धावरी अपने-अपने वाहन लेकर पहुंचे थे। पवन की गाड़ी की एंट्री हो चुकी थी, जबकि अरुण की गाड़ी की एंट्री की जाना थी और वह एंट्री कराने वाहन से उतरकर खड़ा हुआ था। तभी पवन ने तेजी से वाहन चलाते हुए जोरदार टक्कर मार दी।

> शनिवार दोपहर को कचरा वाहन की एंट्री करवाने के दौरान हुआ हादसा

खास बातें

- हादसे के बाद गंभीर हालत में एम्स में कराया भर्ती
- प्लांट परिसर में मचा हड़कंप, कर्मचारियों में नाराजगी
- वाहन युवक का पैर को कुचलता हुआ दीवार से टकराया

हादसे के बाद घायल को एम्स अस्पताल ले जाते हुए।

दूसरे ड्राइवर को भी चोट आई

इससे अरुण का एक पांव बुरी तरह से चपेट में आ गया और वे लहूलहान हो गया। इससे मौके पर मौजूद कर्मचारियों में हडकंप मच गया और वे घटना स्थल पर दौडे। इस दौरान दूसरे ड्राइवर को भी चोट आई है। घायल ड्राइवर को तत्काल एम्स अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज हो रहा है। जोन-21 के एएचओ वासुदेव उदेनिया ने बताया कि घायल ड्राइवर को एम्स अस्पताल में भर्ती किया गया है। दूसरे ड्राइवर को भी चोट आई है, लेकिन यह हादसा कैसे हो गया वे कुछ बता नहीं पाए। घटना के बाद प्लांट के कर्मचारियों में खासी नाराजगी देखी गई। उनका कहना था कि वाहनों की एंट्री करवाने के दौरान अक्सर कचरा वाहन चालक जल्दी में रहते हैं। इस व्यवस्था में सुधार होना चाहिए। ड्राइवरों द्वारा वाहनों की गति भी सीमित करना चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं होता। उनका कहना था कि तेज गति से वाहन चलाने की प्रवृत्ति पर रोक लगना चाहिए।

दुर्भाग्य- हादसे के समय मदद करने के बजाए लोग बनाते रहे वीडियो

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के बाद लोग बजाए मदद करने के वीडियो बनाते रहे और घायल ड्राइवर तपडता रहा। उसके पैर से लगातार खून बहने से वे लहूलहान हो गया। प्लांट के कर्मचारियों की मदद से उसे अस्पताल पहुंचाया गया।

एम्स पहुंचे निगम के अधिकारी

घटना की जानकारी मिलने पर जोन-21 के सहायक स्वास्थ्य अधिकारी वासुदेव उदेनिया, जोन-8 के सहायक स्वास्थ्य अधिकारी रवींद्र यादव सहित स्वास्थ्य विभाग से जुडे अधिकारी व कर्मचारी एम्स अस्पताल पहुंचे।

नन्हे बच्चों के नृत्य, गीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मन मोहा

किंडरगार्टन के विद्यार्थियों ने स्नातक टोपी पहनकर दी शानदार प्रस्तुति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ संतनगर

विद्यासागर पब्लिक स्कूल में रंगारंग एवं हर्षोल्लास से भरी किंडरगार्टन ग्रेजुएशन सेरेमनी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम नन्हे बच्चों ने अपनी शिक्षा के पहले पड़ाव को सफलतापूर्वक पूरा करने की खुशी में आयोजित हुआ। समारोह का शुभारंभ शहीद हेमू कालानी एजुकेशनल सोसाइटी के अध्यक्ष संत सिद्ध भाऊ द्वारा मां सरस्वती, मां भारती एवं परमहंस संत शिरोमणि हिरदाराम साहिब के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ। संस्था सचिव घनश्याम बूलचंदानी, विद्यासागर स्कूल की प्रधानाध्यापिका मिष्ठी वासवानी, मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल की कोऑर्डिनेटर मिनी नायर एवं नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल की कोऑर्डिनेटर रीटा आहूजा विशेष रूप से उपस्थित थे।

विद्यासागर पब्लिक स्कूल में शनिवार को किंडरगार्टन ग्रेजुएशन सेरेमनी में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देते हुए नन्हे विद्यार्थी।

कक्षा केजी-2 के विद्यार्थियों ने दी प्रस्तुति

संत सिद्ध भाऊजी ने विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने एवं अनुशासन और अच्छे संस्कारों के महत्व को समझाते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। कक्षा केजी 2 के विद्यार्थियों ने नृत्य, गीत तथा विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। बच्चों की रंग-बिरंगी वेशभूषा, आत्मविश्वास से भरी प्रस्तुतियों और मासूमियत ने उपस्थित अतिथियों का मन मोह लिया। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका मिष्ठी वासवानी ने कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण स्नातक समारोह रहा, जिसमें किंडरगार्टन के विद्यार्थियों को स्नातक टोपी पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर भाषण प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

महिला दिवस पर महिला नेत्र रोगियों की होगी निःशुल्क जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶ संतनगर

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय द्वारा सभी महिला नेत्र रोगियों की आंखों की बीमारी की निःशुल्क जांच की जाएगी। महिलाओं को यह सुविधा 8 मार्च को रंगपंचमी त्यौहार के अवकाश के कारण 9 मार्च को दी जाएगी।

महिला रोगी इस सुविधा का लाभ सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय में प्राप्त कर सकेंगी। अट्रस्ट के सचिव हीरो ज्ञानचंदानी ने अंतरराष्ट्रीय महिला

दिवस पर सभी महिलाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सेवा सदन की महिला चिकित्सकों और कर्मचारियों की उत्कृष्ट सेवाओं के कारण ही यह संस्थान नेत्र सुरक्षा के अपने सेवा उद्देश्य को निरंतर आगे बढ़ा रहा है।

छात्रा लविश्का ने 'अस्मिता' लीग में जीता प्रथम स्थान

लविश्का ने 200 मीटर दौड़ में किया शानदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ओबेदुल्लागंज

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026 के अवसर पर माय भारत, खेलो इंडिया, स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एसएआई) एवं फिट इंडिया के सहयोग से 'अस्मिता' लीग का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता महिलाओं और बालिकाओं को खेलों में प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित की गई।

यह कार्यक्रम हॉकी फील्ड सेंटर, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मैदान, मंडीदीप, रायसेन में शनिवार सुबह 9 बजे आयोजित हुआ। इस प्रतियोगिता में ग्लोबल स्कूल ऑफ एक्सीलेंस,

औबेदुल्लागंज की कक्षा 6वीं की छात्रा लविश्का नागर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 200 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। उनकी उपलब्धि से विद्यालय का नाम गौरवान्वित हुआ है। विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों और विद्यार्थियों ने लविश्का को इस उपलब्धि पर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

वार्ड 13 में नल से आ रहा गंदा बदबूदार पानी

औबेदुल्लागंज। नगर परिषद के वार्ड 13 में नल से गंदा कीचड़ युक्त बदबूदार पानी आने से लोग परेशान हैं। वार्ड 13 के गल्ला व्यापारी सुदामा तिवारी, टिंकू ठाकुर पोस्ट ऑफिस गली में भी नलों से गंदा पानी आने से परेशान है। नगर परिषद की लापरवाही के चलते वार्ड 3 खिल्लीखेड़ा, अर्जुन नगर, वार्ड 10, 11, 12 एवं 14 में भी पाइपलाइन नाली से निकल रही है। पार्षद हेमलता चौरसिया, मनोज चौरसिया ने परिषद में पत्र लिखकर शिकायत दर्ज कराई। सफाई एंबेसिटर पुरुषोत्तम शर्मा आदि भी शिकायत कर चुके हैं, मगर ध्यान नहीं दिया।

स्कूल बस की टक्कर से स्कूटी सवार महिला काउंसलर की मौत

घर जाते समय हुआ हादसा, पुलिस ने बस जब्त कर दर्ज किया प्रकरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित भदभदा चौकी के पास शुक्रवार दोपहर निजी स्कूल बस से टक्कर लगने से एक्टिवा सवार महिला काउंसलर की मौत हो गई। हादसा टर्निंग पाइंट पर हुआ। दरअसल, बस टर्न हो रही थी, तभी बस का पिछला हिस्सा एक्टिवा से टकरा गया। इस हादसे में एक्टिवा सवार महिला काउंसलर को गंभीर चोट आई थी। उन्हें जय प्रकाश अस्पताल ले जाया गया, वहां डॉक्टर ने चेक करने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस बस जब्त कर आरोपी चालक के खिलाफ कार्रवाई कर रही है।

पुलिस ने बताया कि ग्लोबल पार्क सिटी कटारा हिल्स निवासी भारती मौर्य (46) शारदा विद्या मंदिर स्कूल में काउंसलर के पद पर थीं। उनके पति अखिलेश मौर्य एलआईसी में काम करते हैं। उनके दो बच्चे हैं। बड़ा बेटा 9 साल का है, जबकि छह साल की छोटी बच्ची है। शुक्रवार दोपहर करीब ढाई बजे भारती मौर्य स्कूल से घर जा रही थीं। तभी भदभदा चौकी के पास मोड़ पर पीछे से आ रही स्कूल बस ने एक्टिवा सवार भारती मौर्य को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा उस समय हुआ जब मोड़ पर दोनों गाड़िया मुड़ रही थीं। बस का पिछला हिस्सा टकराने से एक्टिवा उछलकर दूर जा गिरी। गंभीर हालत में उन्हें जेपी अस्पताल पहुंचाया, लेकिन रास्ते में ही मौत हो चुकी थी। पुलिस ने भुवन भारती स्कूल की बस जब्त कर ली है। हादसे के समय बस में बच्चे सवार नहीं थे। भारती ने चार महीने पहले ही शारदा विद्या मंदिर में काउंसर की नौकरी ज्वाइन की थी।

14 मार्च को आयोजित होगी राष्ट्रीय लोक अदालत, योजना का लाभ लेने की अपील

औबेदुल्लागंज। राष्ट्रीय लोक अदालत 14 मार्च को आयोजित होगी, जिसमें धारा 135 एवं धारा 126 के समस्त प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा। कोई उपभोक्ता योजना का लाभ उठाने से वंचित न रह जाए, इसके लिए औबेदुल्लागंज वितरण केंद्र के द्वारा ग्रामीण अंचल में विशेष कैंप लगाए जा रहे हैं, जो सुबह एवं शाम और रात्रि के समय में दो पालियों में लगाए जा रहे हैं।

इसमें समाधान योजना अंतर्गत बकाया राशि का भुगतान कराया जाएगा एवं 135 व 126 के प्रकरणों की समस्त जानकारी प्रदान की जाएगी, साथ ही औबेदुल्लागंज शहरी क्षेत्र में समाधान योजना की वसूली के लिए कर्मचारियों की विशेष टीमों का गठन किया गया है, जो क्षेत्र में घर-घर जा कर योजना के लाभ की जानकारी दे कर बकाया राशि जमा कराएंगे। औबेदुल्लागंज वितरण केंद्र के जेई गौरव चावड़ा ने सभी उपभोक्ताओं से विशेष अपील करते हुए कहा है कि जल्दी आए और समाधान योजना का लाभ उठाएं, जिसकी समय सीमा बढ़ा कर 31 मार्च कर दी गई है।

एसडीओपी शीला सुराणा ने विजेताओं को पुरस्कृत किया

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में 'फिट इंडिया वूमन्स वीक' के तहत कई प्रतियोगिताएं हुईं आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडीदीप

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में मेरा युवा भारत, रायसेन द्वारा 'अस्मिता-खेल से ही पहचान' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम शनिवार को मंडीदीप में शासकीय कन्या स्कूल के समीप मैदान में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मंडीदीप नगर पालिका अध्यक्ष प्रियंका अग्रवाल उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथियों में पार्षद प्रार्थना चौहान, नीरजा श्रीवास्तव प्राचार्य शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, प्रतिभा त्रिवेदी प्राचार्य शासकीय बालिका हायर सेकंडरी

स्कूल तथा सीमा पाठक उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में मोनिका चौधरी उप निदेशक, माय भारत, जलज चतुर्वेदी जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी, बृजेश जैन जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य

उद्देश्य खेलों के माध्यम से महिलाओं और बालिकाओं को सशक्त बनाना, उनमें आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और आत्मनिर्भरता की भावना विकसित करना रहा। कार्यक्रम के अंतर्गत 100 मीटर, 200 मीटर एवं 400 मीटर दौड़, रस्साकशी सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इन प्रतियोगिताओं में छात्राओं के साथ-साथ खेल एवं युवा कल्याण विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन तथा जिले के विभिन्न शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों और महाविद्यालयों की सहभागिता रही। समापन सत्र में शीला सुराणा एसडीओपी, रंजीत सराठे थाना प्रभारी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम के अंत में उपनिदेशक मोनिका चौधरी द्वारा सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया गया तथा राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

31 मार्च तक संपत्ति कर जमा करने पर मिलेगी 50 प्रतिशत की छूट

1 अप्रैल से दोगुना राशि जमा करनी पड़ेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज

यदि आवासीय संपत्ति कर अभी बकाया है तो करदाता जल्द भुगतान कर दें। चालू वित्तीय वर्ष का संपत्ति कर 31 मार्च तक जमा करते हैं, तो 50 प्रतिशत की छूट मिल सकती हैं। इससे इसके बाद नए वित्तीय वर्ष की पहली तारीख यानी 1 अप्रैल से दोगुना यानी शत प्रतिशत राशि चुकाना होगा।

कर वसूली के लिए नगर पालिका की टीम में घर-घर पहुंच रही हैं। इसके अलावा कर भुगतान के लिए ऑनलाइन सुविधा भी है। इसके अलावा नगर परिषद करो का भुगतान करने के लिए लोगों को कॉल भी कर रही है। नगर परिषद सीएमओ किरण राहंगडाले के अनुसार संपत्ति करके ब्याज और पेनाल्टी में शत प्रतिशत या 50 प्रतिशत तक की रियायत मिल रही है। 31 मार्च तक बकाया कर का एक मुश्त भुगतान करने पर ही इसका लाभ मिलेगा। समय पर टैक्स जमा नहीं करने पर 1 अप्रैल से अतिरिक्त जुर्माना लगेगा। नपा कार्यालय में बकाया टैक्स की राशि जमा कर सकते हैं। 1 अप्रैल से पूरी राशि के साथ बड़ा हुआ टैक्स व पेनल्टी देना होगा। मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने कहा कि नपा कर्मचारी करदाता को फोन पर सूचना दे रहे हैं, वार्ड प्रभारी घर-घर पहुंच कर जानकारी दे रहे हैं। इसके साथ ही वार्डों में विशेष वसूली शिविर का भी आयोजन किया जा रहा है।

19 मार्च से शुरू होगा शक्ति साधना का महापर्व

पालकी पर सवार होकर आएंगी मां भवानी, 72 वर्ष बाद शुक्ल ब्रह्म व सर्वार्थ सिद्धि योग का विशेष संयोग बनाएगी कुछ खास

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

चैत्र नवरात्र इस बार 19 मार्च से शुरू होकर 27 मार्च तक मनाई जाएगी। मां चामुंडा दरबार के पुजारी गुरूजी पंडित रामजीवन दुबे ने बताया कि करीब 72 साल बाद ऐसा संयोग बन रहा है जब अमावस्या तिथि में कलश स्थापना होगी। 19 मार्च को शुक्ल, ब्रह्म और सर्वार्थ सिद्धि योग का विशेष संयोग भी बन रहा है, जिसे अत्यंत शुभ माना जाता है। कलश स्थापना के लिए सुबह 6:02 से 8:40 बजे और 9:16 से 10:56 बजे तक का समय श्रेष्ठ बताया गया है। इस दौरान देवी पूजा से विशेष फल मिलने की मान्यता है। पंडित रामजीवन दुबे ने बताया कि 19 मार्च को सुबह से लेकर रात 1 बजे तक शुक्ल योग रहेगा।

वहीं देर रात के बाद ब्रह्म योग लग रहा है। ऐसे में इस समय में देवी मंत्रों की आराधना से उसकी सिद्धि भी की जा सकती है। ज्योतिषियों के अनुसार, दुनिया में सारी शक्ति, नारी या स्त्री स्वरूप के पास ही है। इसलिए, नवरात्र में देवी की उपासना की जाती है। नवरात्र के 9 दिनों में देवी के अलग अलग स्वरूपों की उपासना की जाती है। हर स्वरूप से विशेष तरह का वरदान मिलता है और ग्रहों की बाधा भी समाप्त होती है।

9 दिन अलग-अलग रूपों में होती है पूजा

चैत्र नवरात्र की तिथि प्रतिपदा (मां शैलपुत्री)- 19 मार्च 2026 द्वितीया (मां ब्रह्मचारिणी)- 20 मार्च तृतीया (मां चंद्रघंटा)- 21 मार्च चतुर्थी (मां कुष्मांडा)-22 मार्च पंचमी (मां स्कंदमाता)-23 मार्च षष्ठी (मां कात्यायनी)- 24 मार्च सप्तमी (मां कालरात्रि)- 25 मार्च अष्टमी (मां महागौरी)- 27 मार्च - नवमी (मां सिद्धिदात्री)- 28 मार्च 202 और रामनवमी

पालकी पर सवार होकर आएंगी मां दुर्गा, विदाई हाथी पर होगी

नवरात्र के पहले दिन कलश स्थापना और घटस्थापना की जाती है। इस बार 19 मार्च को घटस्थापना का मुहूर्त सुबह 6 बजकर 02 मिनट से शुरू होकर सुबह 8 बजकर 40 मिनट तक रहेगा। अगर कोई इस मुहूर्त में घटस्थापना न कर पाए तो उनके लिए घटस्थापना अभिजीत मुहूर्त भी रहेगा। जिसका मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 05 मिनट से लेकर 12 बजकर 53 मिनट तक रहेगा। हर बार नवरात्र में देवी अलग-अलग वाहन पर आती हैं, और उस वाहन के हिसाब से अगले छह महीने की स्थिति का अंदाजा लगाया जाता है। इस बार मां दुर्गा पालकी पर सवार होकर आएंगी और विदाई हाथी पर होगी। ज्योतिषियों के अनुसार, पालकी पर मां दुर्गा का आना शुभ नहीं माना जाता है। नवरात्र में जीवन के समस्त भागों और समस्याओं पर नियंत्रण होता है। नवरात्र के दौरान हल्का और सात्विक भोजन करना चाहिए। नियमित खानपान में जौ और जल का प्रयोग जरूर करना चाहिए। इन दिनों में तेल, मसाला और अनाज कम से कम खाना चाहिए। कलश की स्थापना करते समय जल में सिक्का डालें। कलश पर नारियल रखें और कलश पर मिट्टी लगाकर जौ बोएं। उसके बाद कलश के निकट अखंड दीपक जरूर जलाएं।

खबर संक्षेप

प्रयागराज-हड़पसर के बीच साप्ताहिक विशेष ट्रेन का संचालन

भोपाल। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु प्रयागराज-हडपसर-प्रयागराज साप्ताहिक विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। यह विशेष गाड़ी निर्धारित तिथियों में कुल 16-16 फेरों के लिए संचालित की जाएगी। गाड़ी संख्या 04107 प्रयागराज-हडपसर विशेष प्रत्येक बुधवार को 01 अप्रैल से 15 जुलाई तक कुल 16 फेरों के लिए प्रयागराज से प्रस्थान करेगी। गाड़ी संख्या 04108 हडपसर-प्रयागराज विशेष प्रत्येक गुरुवार को 02 अप्रैल से 16 जुलाई तक कुल 16 फेरों के लिए हडपसर से प्रस्थान करेगी। इस गाड़ी में विभिन्न श्रेणी के कुल 20 कोच रहेंगे। यह गाड़ी मार्ग में शंकरगढ़, डभौरा, मानिकपुर, चित्रकूट धाम, बांदा, महोबा, खजुराहो, छतरपुर, टीकमगढ़, ललितपुर, बीना, रानी कमलापति, इटारसी, खंडवा, भुसावल, मनमाड, कोपरगांव, बेलापुर, अहिल्यानगर तथा दौंड कॉर्ड लाइन स्टेशनों पर ठहरेगी। 04107 प्रयागराज-हडपसर विशेष प्रयागराज से 10:20 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 19:30 बजे हडपसर पहुंचेगी। 04108 हडपसर-प्रयागराज विशेष हडपसर से 22:40 बजे प्रस्थान कर शनिवार को 06:30 बजे प्रयागराज पहुंचेगी।

राजधानी के नए एवं पुराने शहर से धूमधाम से निकाले जाएंगे रंगारंग चल समारोह

आज खूब उड़ेगा रंग-गुलाल, हुरियारों के जुलूस पर टैंकरों से होगी रंग की बौछार

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी में एक बार फिर से होली की मस्ती छाएगी। रंगपंचमी के मौके पर रविवार को शहर एक बार फिर रंगों से सराबोर रहेगा। रंग-गुलाल, हुड़दंग और पानी की बौछार में लोग जमकर झूमते नजर आएंगे। तो वहीं नए व पुराने शहरों से रंगारंग चल समारोह निकाले जाएंगे।

सुबह-सुबह सड़कों पर शुरू होगी रंगपंचमी की धूम होगी। हिन्दू उत्सव समिति की ओर से रंगपंमची पर चल समारोह में धर्म ध्वजा, ऊंट, बैंड, शहनाई, रथ, पांच डीजे, चार तांगे, गुलाल उड़ाती मशीन, ढोल पार्टी, होली खेलते भगवान शंकर का स्वरूप, राधा-कृष्ण रथ पर आकर्षण का केंद्र होंगे। उल्लेखनीय है कि होली पर चल समारोह निकला गया था। जिसमें प्रमुख रूप 4 टैंकरों से रंग गुलाल बरसाते और मशीन से फूल बरसाती आदि प्रमुख आकर्षण था। इसी तरह रंगपंचमी पर बड़े ही धूमधाम से निकला जाएगा। चल समारोह पुराने शहर के सुभाष चौक से प्रारंभ होगा, जो मंगलवारा, इतवारा, लखेरापुरा, चौक से होते हनुमानगंज पहुंचकर समाप्त होगी।

फाइल फोटो।

कमल के फूल पर लक्ष्मी-नारायण की तस्वीर स्थापित करें

पुजारी गुरूजी पंडित रामजीवन दुबे ने बताया कि रंग पंचमी के अवसर पर, घर के उत्तर दिशा में कमल के फूल पर विराजमान लक्ष्मी नारायण के चित्र को स्थापित करें और एक लोटे में जल भरकर रखें। गाय के घी का दीपक जलाएं और लाल गुलाब के फूल लक्ष्मी नारायण जी को अर्पित करें। एक आसन पर बैठकर ह्लॐ श्रीं श्रीये नमःह्व मंत्र का तीन माला जाप करें। लक्ष्मी नारायण जी को गुड़ और मिश्री का भोग अर्पित करें। जाप के बाद, पूजा में रखा जल पूरे घर में छिड़क दें। इस मौके पर कमल के फूल पर लक्ष्मी-नारायण की तस्वीर रखने से सुख और समृद्धि का संचार होता है।

फाइल फोटो।

पंचमी पर बन रहा सिद्धि योग

रंग पंचमी का पर्व देश भर में हर वर्ष चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि को मनाया जाता है। बुधवार को धूमधाम से यह पर्व मनाया जाएगा। मां चामुंडा दरबार के पुजारी गुरूजी पंडित रामजीवन दुबे ने बताया कि रंग पंचमी तिथि पर देवी-देवता धरती पर रंगोत्सव मनाने आते हैं। इस वर्ष रंग पंचमी पर सिद्धि योग समेत कई शुभ संयोग बन रहे हैं। इन योग में भगवान शिव की पूजा करने से साधक को अक्षय फल की प्राप्ति होती है। इस मौके पर महादेव एवं माता पार्वती की कृपा के रंग पंचमी के दिन विधि-विधान से भगवान शिव का जलाभिषेक एवं पूजा करना चाहिए।

उत्कृष्ट उम्मीदवार को किया पुरस्कृत

शोध छात्रा को किया सम्मानित।

बीयू की शोधार्थी को मेपकास्ट से मिला युवा वैज्ञानिक का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी स्थित बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के बायोटेक्नॉलॉजी विभाग की शोध छात्रा युसरा मरियम को हाल ही में मेपकास्ट में आयोजित विज्ञान मेले में युवा वैज्ञानिक और प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया है।

इनका शोध शीर्षक हरित पट्टी क्षेत्रों के पौधों से उपवनशील जीवाणुओं द्वारा वायु प्रदूषकों का पूर्णउपचार है। मरियम बायोटेक्नोलॉजी विभाग में प्रो. रागिनी गोथलवाल, विभागाध्यक्ष समन्वयक बायोइन्फरमेटिक्स सेंटर एवं अधिष्ठाता जीव विज्ञान संकाय बीयू के निर्देशन में अध्यनरत हैं। मेपकास्ट में 41 वीं मध्य प्रदेश युवा वैज्ञानिक कांग्रेस 2026 में शोध-पत्र प्रस्तुत करने के लिए युसरा मरियम को पर्यावरण विज्ञान संवर्ग के तहत उनके सराहनीय कार्य के लिए युवा वैज्ञानिक का सम्मान और प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। यह पुरस्कार उनके शोध कार्य एपिफाइटिक माइक्रोबायोमः निकेल के फाइलोरेमेडिएशन के लिए एक उत्कृष्ट उम्मीदवार के लिए प्रदान किया गया है।

क्या है फाइलोरेमेडिएशन?

मरियम के अनुसार फाइलोरेमेडिएशन वायु प्रदूषण को कम करने की एक प्राकृतिक और जैव-तकनीकी प्रक्रिया है, जिसमें पौधों की पत्तियों और उन पर रहने वाले सूक्ष्मजीवों का उपयोग करके हवा में मौजूद प्रदूषकों को साफ किया जाता है। ध्यान रहे कि युवा वैज्ञानिक कांग्रेस 2026 मध्य प्रदेश विज्ञान एवं तकनिकी परिषद् (मेपकास्ट) भोपाल द्वारा दिनांक 26-28 फरवरी 2026 को एमपीसीएसटी विज्ञान भवन नेहरू नगर में आयोजित की गई थी। मरियम की इस उपलब्धि पर बीयू के कुलगुरु प्रो. एसके जैन ने उन्हें बधाई दी है।

25 छात्रों ने लुकुलेश योग विवि में सम्मेलन में प्रस्तुत किए शोध पत्र

गुजरात के योग विवि में सांची विवि के छात्रों का कीर्तिमान

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी स्थित सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के योग विभाग के 25 छात्रों ने गुजरात के लुकुलेश योग विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत कर रिकॉर्ड कायम किया। गुजरात के लिंबड़ी में योग, प्राकृतिक चिकित्सा और मनोचिकित्सा के समन्वित दृष्टिकोण से मानसिक कल्याण विषय पर आयोजित सम्मेलन में विभागाध्यक्ष डॉ. उपेन्द्र बाबू खत्री ने तकनीकी सत्र की अध्यक्षता भी की।

योग एवं मानसिक कल्याण से संबंधित विभिन्न विषयों पर प्रस्तुत शोध-पत्र करने वाले छात्रों को प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया गया।

सांची विवि में छात्रों को वितरित किए प्रशस्ति-पत्र।

सम्मेलन में देशभर से आए प्रमुख वक्ताओं ने योग अनुसंधान, वैज्ञानिक शोध, अंतरिक्ष में योग के प्रयोग तथा दक्षिणी ध्रुव (अंटार्कटिका) में वैज्ञानिकों द्वारा सामूहिक योग जैसे विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। विश्वविद्यालय के छात्रों व शोधार्थियों ने सम्मेलन में ध्यान सत्र सहित विभिन्न सत्रों में हिस्सा लिया। विद्यार्थियों का दल विभागाध्यक्ष डॉ. उपेंद्र बाबू खत्री के मार्गदर्शन में अहमदाबाद के अक्षरधाम मंदिर, साबरमती आश्रम, तत्वबोध योग संस्थान एवं समुत्कर्ष संस्थान में भ्रमण के लिए पहुंचा। छात्रों व शोधार्थियों ने अपने यात्रा अनुभवों को एक दूसरे के साथ साझा किया। समापन समारोह में स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान के कुलपति मंजूनाथ एवं मेघनानंद सन्यासी ने योग के विज्ञान और समन्वित योग के महत्व पर जानकारी दी।

रक्त केंद्र हमीदिया ने 30 समूहों और 55 व्यक्तिगत श्रेणी का किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मानव जीवन को बचाने के सामाजिक सरोकार के भाव को लेकर मध्य प्रदेश के सबसे बड़े शासकीय रक्तकेंद्र हमीदिया चिकित्सालय ने भोपाल संभाग के तीस कॉरपोरेट समूहों और पचपन व्यक्तिगत श्रेणी के लोगों का सम्मान किया। ब्लड बैंक प्रमुख डॉ पुनीत टंडन ने कहा की इन सेवाभावी समूहों के कारण ही हम वर्ष भर जरूरतमंदों की मदद कर पाते हैं।

समारोह के मुख्य अतिथि डॉ राजेश सेठी वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ, डॉ सुनीत टंडन अधीक्षक हमीदिया, डॉ रूबी खान, डॉ आशीष कोष्टी ने संत निरंकारी सेवा समिति, भदभदा मुक्ति धाम, मिलिट्री हॉस्पिटल, एनसीसी, एन एस एस, इंस्टीट्यूट ऑफ एक्सीलेंस, जैन यूथ क्लब, श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर, विनोद परनामी, गोपाल ठाकुर, प्रेरणा सेवा ट्रस्ट, अरुण चौधरी, रजनीश त्रिपाठी, अजय दुबे, डॉ योगेंद्र सक्सेना, समता अग्रवाल, पूर्णा सिंह, मीता वाधवा, चेतन विश्वकर्मा, वीरेंद्र मिश्रा, प्रमोद चुग, ऋषि राज सिंह, अशोक जुनेजा, महेश विधानी का सम्मान किया। इस अवसर पर राजेश सेठी ने सभी उपस्थित सदस्यों से आव्हान किया की इस परमार्थ सेवा से हमें ज्यादा से ज्यादा सकारात्मक साथियों को जोड़ना होगा। ब्लड बैंक प्रमुख डॉ पुनीत टंडन और समन्वयक पंडित मन्तेश शर्मा ने सभी उपस्थित सदस्यों का आभार प्रकट किया ।

हमीदिया में सम्मान।

निजी स्कूल पोर्टल पर जानकारी समय पर नहीं कर रहे सार्वजनिक

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

निजी स्कूलों की मनमानी और पुस्तकों की जानकारी सार्वजनिक नहीं करने का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। अब तक प्रदेश के सभी निजी स्कूलों द्वारा समय पर जानकारी पोर्टल पर सार्वजनिक नहीं की जा रही है। ऐसे में अभिभावकों की ओर से इसका विरोध बढ़ता जा रहा है।

हाल ही पालक महासंघ के बैनर तले अभिभावकों द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय का घेराव कर ज्ञापन सौंपा गया है। इसके साथ ही अब निजी स्कूलों की मनमानी के विरोध में प्रदेश स्तर पर बड़े प्रदर्शन की तैयारी भी पालक महासंघ कर रहा है। पालक महासंघ के महासचिव प्रबोध पंडया ने बताया कि प्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा बार-बार आदेश जारी होने के बाद भी निजी स्कूलों की मनमानी जारी है। स्थिति यह है कि बीते चार सालों में भी सभी स्कूलों की ओर से पोर्टल पर फीस, पुस्तकों सहित अन्य जानकारी समय पर सार्वजनिक नहीं की जा रही है। विभाग आदेश तो जारी करता है, लेकिन इसका सख्ती से पालन ही नहीं हो रहा है। ऐसे में अभिभावक और बच्चों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। पालक महासंघ द्वारा जिला स्तर से लेकर राज्य स्तर तक अधिकारियों को ज्ञापन सौपे जा रहे हैं। अगर इसके बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ तो जल्द ही प्रदेश स्तर पर प्रदर्शन किया जाएगा। इसके साथ ही न्यायालय की भी शरण लेंगे।

होगी सख्त कार्रवाई

नियमों के विपरीत जो भी स्कूल कार्य करेगा उन पर कार्यवाही की जाएगी। इसके लिए प्रशासन द्वारा कमेटी भी गठित की गई है। कोई शिकायत मिलने पर तत्काल सख्त कार्यवाही होगी।
नरेंद्र कुमार अहिरवार, डीईओ भोपाल

यूपीएससी में 11 चित्रांश प्रतिभाओं का चयन, कायस्थम ने दी बधाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

कायस्थम मध्य प्रदेश ने यूपीएससी की परीक्षा में एक साथ 11 चित्रांश प्रतिभाओं का चयन होने पर कायस्थम ने बधाई दी है। अध्यक्ष प्रलय श्रीवास्तव के अनुसार इन सभी चित्रांश प्रतिभाओं ने कायस्थ कुल का नाम रोशन कर समाज का मस्तक ऊंचा किया है। वैसे भी कायस्थ समाज में प्रतिभाओं की कमी नहीं है लेकिन कौशल, विद्वता और ज्ञान की इस बड़ी परीक्षा में चित्रांश प्रतिभाओं ने जो परचम लहराया है, उसे कायस्थ समाज कभी नहीं भूल सकता। यूपीएससी परीक्षा में कायस्थ अभ्यर्थियों में ईशान भटनागर रैंक 5, मोनिका श्रीवास्तव रैंक 16, अपूर्वा वर्मा रैंक 42, आदित्य माथुर रैंक 98, साक्षी सक्सेना रैंक 151, विशाल पटनायक रैंक 341, निहारिका सिन्हा रैंक 365, रवि श्रीवास्तव रैंक 371, दिव्या श्रीवास्तव रैंक 418, युगांश भटनागर रैंक 426 और आकाश निगम 471 रैंक हासिल की है।

निगम ने विभिन्न क्षेत्रों से लिए पानी के 47 सैंपल, जांच के लिए लैब भेजे

भोपाल। नगर निगम के अमले ने शनिवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों से पानी के 47 सैंपल लिए और जांच के लिए लैब भेजे। अमले ने 25 स्थानों पर पाइप लाइनों के लीकेज सुधारे और सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से मिलीं दो शिकायतों का निराकरण किया।

फाइल फोटो

मंत्री सारंग ने अतिक्रमण की शिकायत पर वार्ड 69, 70 और 71 का किया निरीक्षण

सरकारी जमीन से हटाए जाएं अवैध मदरसे, फैक्ट्री और मांस की दुकानें: सारंग

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

नरेला विधानसभा में सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण की शिकायत मिलने पर मंत्री विश्वास सारंग ने शनिवार को वार्ड 69, 70 और 71 का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वार्ड-71 स्थित गुप्ता कॉलोनी में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे और निर्माण को लेकर सारंग नाराज हो गए। उन्होंने मौके पर ही अफसरों को जमकर फटकार लगाई। एडीएम सुमित पांडे को बुलाकर कहा कि सरकारी जमीन पर बिल्डिंग कैसे बन गई? इसे तुरंत तोड़े। वहीं तहसीलदार करुणा दंडोतिया को नोटिस देने की बात कही।

मंत्री सारंग ने नरेला विधानसभा के वार्ड नंबर 69, 70 और 71 का दौरा कर सरकारी जमीन से अवैध मदरसे, फैक्ट्री और मांस की दुकानें व अन्य अवैध कब्जे हटाने को कहा। लोगों ने अवैध अतिक्रमण को लेकर शिकायतें भी की थी। इस पर मंत्री सारंग खुद मौके पर पहुंचे और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मंत्री सारंग ने शासकीय भूमि पर हुए अवैध अतिक्रमण को लेकर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने नगर निगम, राजस्व, पुलिस सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों से कहा कि अवैध अतिक्रमण पर बने स्थानों को पेयजल, बिजली सहित किसी भी प्रकार के शासकीय कनेक्शन न दिए जाए।

सारंग ने एडीएम से कहा: सरकारी जमीन पर कैसे बन गई बिल्डिंग, इसे तुरंत हटाएं

- **मौके पर मौजूद अफसरों को लगाई जमकर फटकार**
- **तहसीलदार करुणा दंडोतिया को नोटिस देने की बात कही**

क्षेत्र का निरीक्षण करते मंत्री सारंग।

रहवासियों से भी चर्चा कर उनकी समस्याओं को सुना

मंत्री सारंग ने गुप्ता कॉलोनी, सुभाष कॉलोनी, शहंशाह गार्डन, अशोका गार्डन क्षेत्र में पहुंचकर सरकारी जमीन की स्थिति का निरीक्षण किया। रहवासियों से भी चर्चा कर उनकी समस्याओं को सुना। निरीक्षण के दौरान यह सामने आया कि कई स्थानों पर शासकीय भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर निर्माण कार्य किए गए हैं और कुछ जगहों पर बिना अनुमति के गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इस पर मंत्री सारंग ने मौके पर मौजूद नगर निगम, राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि ऐसे सभी अतिक्रमणों को लिस्टेड कर तत्काल प्रभाव से कार्रवाई की जाए।

शासकीय जमीन पर न करें कब्जा

मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि सरकारी जमीन जनता की संपत्ति है और उस पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। क्षेत्र में सरकारी जमीन का सर्वे कर सूची तैयार की जाए। जहां-जहां अतिक्रमण पाया जाए, वहां चरणबद्ध तरीके से अभियान चलाकर उसे हटाया जाए। भविष्य में कोई भी व्यक्ति शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा न कर सके।

‘फागुन तरंग’ के साथ नाटक ‘एक टूटी हुई कुर्सी’ का मंचन

रंग श्री लिटिल बैले में आयोजित रंग श्रुति माधव महोत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

रंग श्री लिटिल बैले ट्रूप में आयोजित रंग श्रुति माधव महोत्सव के अंतर्गत शनिवार की शाम पूर्वरंग में जहां ‘फागुन तरंग’ के रूप में नृत्य नाटिका की प्रस्तुति खास रही तो वहीं नाटक ‘एक टूटी हुई कुर्सी’ में सत्ता, स्मृति और सामाजिक विघटन के मार्मिक चित्र को दर्शाया, जिसमें लेखन स्माइल चुनारा का, अनुवाद उमा झूनझूमवाला का और निर्देशन स्व जावेद जैद का रहा।

छोटे-छोटे प्रसंगों से बड़े राजनीतिक और मानवीय प्रश्न उठाता नाटक

वहीं, दूसरी कड़ी में नाटक ‘एक टूटी हुई कुर्सी’ में सत्ता, स्मृति और सामाजिक विघटन के मार्मिक चित्र को दर्शाया गया। नाटक में एक साधारण-सी टूटी कुर्सी के बहाने उस समाज की दरारों को उजागर किया जो अपार्थाइडोत्तर संक्रमण से गुजर रहा है। कुर्सी केवल एक वस्तु नहीं, बल्कि टूटे हुए संबंधों, बिखरे विश्वास और अस्थिर पहचान का प्रतीक बन जाती है। पात्र अपने अतीत की हिंसा, अपराधबोध और असमानताओं से जूझते हुए वर्तमान में संवाद स्थापित करने की कोशिश करते हैं। नाटक में अपरिचित स्थान का परिवेश एक व्यापक सामाजिक संरचना का रूपक है, जहां हर चरित्र अपने हिस्से की कुर्सी अर्थात सत्ता और स्थान के लिए संघर्षरत है।

फागुन के रंग में रंगा ‘फागुन तरंग’

मनीषा हुराईया के निर्देशन में तैयार ‘फागुन तरंग’ नृत्य प्रस्तुति में फागुन के रंग में रंगी नजर आई, फूल और गुलाल से होली के मनभावन स्वरूप को दर्शाती इस प्रस्तुति ने दर्शकों का दिल जीत लिया और दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से प्रस्तुति का स्वागत किया।

आयरनमैन कम्पलीट करने के आठ माह पहले हुआ एक्सीडेंट, रिब टूटी, चेहरे पर आए टांके....

दुनिया की सबसे कठिन ट्रायथलॉन में से एक, आयरनमैन 70.3 को पूरा करने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री सैयामी खेर से हरिभूमि की खास बातचीत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

हरिभूमि चर्चा

मेरी आयरनमैन बनने की जर्नी इतनी आसान नहीं थी, क्योंकि इस जर्नी के 8 महीने पहले ही मेरा एक एक्सीडेंट हुआ था जिसमें मेरी रिब्स टूट गई थीं और चेहरे पर टांके भी आए थे, बावजूद इसके मैंने हिम्मत नहीं हारी, खुद को मोटिवेट किया, रनिंग स्टार्ट की, कुछ दिनों तक तो मैं दो तीन किमी ही रन कर पाती, लेकिन धीरे धीरे आगे बढ़ती गई और अपनी हिम्मत और हौसला को बढ़ाया और फिर देखते ही देखते मैंने दो बार कठिन ट्रायथलॉन में से एक, आयरनमैन 70.3 कम्पलीट किया। जो अपने आप में ही चैलेंजिंग है, जिसमें पहले आपको 2 किलोमीटर स्विमिंग करनी होती है, उसके बाद 90 किलोमीटर साइकलिंग और इसके बाद 21 किमी रनिंग... यह कहना है दुनिया की सबसे कठिन ट्रायथलॉन में से एक, आयरनमैन अभिनेत्री सैयामी खेर का, जो हर हेल्थ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने आईं और हरिभूमि की अपने बारे में बताया।

वूमेंस डे सिर्फ फोटो खिंचवाना नहीं, बल्कि फिटनेस फ्रीक के रूप में खुद को दर्शाना भी

उन्होंने कहा कि हर हेल्थ द्वारा आयोजित मैराथन महिलाओं को समर्पित है, इससे महिलाओं को यही संदेश जाएगा कि वूमेंस डे सिर्फ फोटो खिंचवाने के लिए नहीं है, बल्कि खुद को एक एथलीट के रूप में , फिटनेस फ्रीक के रूप में रिप्रजेंट करने का है और इसे आप महिला दिवस पर रनिंग करके ही प्रूफ कर सकती हैं।

बचपन से ही रही स्पोर्ट्स प्लेयर

उन्होंने बताया कि मैं बचपन से ही स्पोर्ट्स प्लेयर रही हूं, एथलीट रही हूं। कॉलेज में थिएटर भी करती गई तो यही वजह रही कि मैं स्पोर्ट्स के साथ-साथ फिल्मों में भी आई और अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीता तो ऑयरनमैन बनकर अपना सपना पूरा किया।

महिलाओं को मोटिवेट करती ‘घूमर’ फिल्म

अपनी फिल्म घूमर को लेकर काफी चर्चा में रही सैयामी ने कहा कि जब भारत की वूमेंस क्रिकेट टीम वर्ल्ड कप विजेता रही तब हमने घूमर को री रिलीज किया था, जो उनको एक प्रकार से ट्रिब्यूट था और अभी भी मैं कहूंगी कि इसी तरह वूमन ओरिऐंटेंड फिल्में दिखाना चाहिए, यदि घूमर जैसी फिल्में ही रिलीज होगी तो यह महिलाओं को एक मोटिवेट करेंगी।

ऑलियांस फ्रांसिस में ‘एक्जोटिका- ए सेलिब्रेशन ऑफ वुमन इन आर्ट’ का आयोजन

किसी के चित्रों में कल्पना को दिए रंग तो किसी ने काले और सुनहरे रंग से दर्शाया साउंड और साइलेंस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मेरी पेंटिंग बियोंड टाइम को रिप्रेजेंट करती हैं, एब्सट्रेक पेंटिंग फार्म मेरा फेवरेट आर्ट फार्म है, लेकिन एक पेंटिंग बनाने में कितना समय लगेगा बताना मुश्किल है। मेरी पेंटिंग को पहले मैं कल्पना में उकेरती हूं फिर रंगों की कूची से केनवार पर। इसमें मैं स्त्री के मन, भाव, चंचलता के साथ साथ स्थिरता को भी व्यक्त करती हूं। यह कहना है आर्टिस्ट एकता शर्मा का, जिनके बने चित्रों की प्रदर्शनी ऑलियांस फ्रांसिस में लगाई गई। महिला दिवस के उपलक्ष्य में ऑलियांस फ्रांसिस में ‘एक्जोटिका- ए सेलिब्रेशन ऑफ वुमन इन आर्ट’ में प्रदेश की आठ महिलाओं के बने चित्रों की प्रदर्शनी लगाई गई है। जिसका क्यूरेशन अखिलेश वर्मा ने किया।

चित्रकारी करते वक्त याद आता दादी के घर का छज्जा, छप्पर

आर्टिस्ट वीणा जैन कहती हैं कि चित्रकारी करते वक्त मैं अपने इनर जोन में चली जाती हूं और वहां से कुछ नया निकालने कि कोशिश करती हूं। खास कर मुझे अपनी दादी का घर याद आता है। जहां घर की पुरानी दीवारों पर बने धब्बे, छज्जा, छप्पर अक्सर मुझे याद आता है। एब्सट्रेक पेंटिंग में, मै खासकर चाय पत्ती के कलर को इस्तेमाल करती हूं जब जरूरत हेती है तब कुछ नेचुरल कलर मिलती हूं जोकि मैं खुद तैयार करती हूं।

काले और सुनहरे रंग से दर्शाया साउंड और साइलेंस

आर्टिस्ट हंसा मिलन कुमार ने कहा कि मेरी पेंटिंग साउंड और साइलेंस पर आधारित है, जिसमें मैंने काले और सुनहरे रंग का इस्तेमाल किया गया है। काला रंग जीवन को दर्शाता है एक बीज जब जमीन के अंदर होता है वो अंधेरे में होता है जैसे ही अंकुरित होते हैं जीवन से भर जाता है। सुनहरा रंग जीवन को ऊर्जा देता है... इसी को ध्यान में रखकर पेंटिंग बनाई है.. मै भोपाल की हूं और बचपन से पेंटिंग कर रही हूं।

अपने अंदर सबकुछ समेटने वाली ‘रात’ के साथ ‘दिन’ को दर्शाते मेरे चित्र

वहीं, आर्टिस्ट कैथरीन डेविड ने बताया कि मैंने अपनी पेंटिंग में मिडनाइट ग्लो, टाइम को कैप्चर करने की कोशिश की है। रात, यानी अंधेरा जो सब कुछ अपने अंदर समाहित कर लेता है, फिर भी ग्लो करता है। उसकी भी अपनी खूबसूरती है बिल्कुल इसके अपोजिट भोर (सुबह) का वक्त जो हर अंधेरे को त्याग कर सबकुछ बयां करता है। इसी प्रकार मनुष्य का जीवन है। जिसे मैंने अपनी कल्पना से चित्रों में उकेरने का प्रयास किया है।

गीत संगीत, नृत्य, हास्य व्यंग्य से सराबोर रही शाम

अभिनव कला परिषद व मधुबन संस्था का होली मिलन समारोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

सांस्कृतिक संस्था अभिनव कला परिषद द्वारा होली के अवसर पर सांस्कृतिक संध्या एवं सम्मान समारोह में भोपाल सांसद आलोक शर्मा सहित विभूतियों का सम्मान किया गया। मानस भवन में बसंती बयार भरी शाम में लोकगीत संगीत, नृत्य और हास्य व्यंग्य से सराबोर रही। सांसद आलोक शर्मा ने कार्यक्रम में मौजूद महापौर मालती राय से नगर निगम द्वारा स्वर्गीय तांतेड़ जी के नाम एक एक लाख रुपए के तीन सम्मान शुरू करने की सहमति ली।

इनका हुआ सम्मान

56वें सम्मान समारोह में भोपाल संसद आलोक शर्मा को भोपाल गौरव सम्मान, चंद्रहास शुक्ल को बिजूका सम्मान, पद्मश्री कैलाश चंद पंत को अमृत अभिषेक सम्मान, पद्मश्री नारायण व्यास को शैल शिल्प मनीषी सम्मान से विभूषित किया गया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

सांस्कृतिक प्रस्तुति ‘बसंती ठंडाई की तरंग’ में उज्जैन के सिद्धहस्त लोक कलाकारों ने गीत, संगीत, नृत्य एवं हास्य-व्यंग्य की प्रस्तुतियों से माहौल को खुशनुमा बना दिया। उज्जैन से आए मालवा लोक नृत्य कलाकार गिरधारी लाल गहलोत की मंडली ने मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति दी।

रविंद्र भवन में आयोजित फागोत्सव में कविता पाठ भी किया गया

‘वर दे’ श्रृंखला के अंतर्गत शक्ति एवं फागोत्सव का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

निराला सृजन पीठ संस्कृति विभाग की वर दे श्रृंखला के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर रविंद्र भवन में शक्ति उत्सव एवं फागोत्सव का कार्यक्रम, व्याख्यान माला एवं रचनापाठ के माध्यम से संपन्न हुआ। इसमें डॉ. साधना गंगराड़े तथा प्रमुख वक्ता के रूप में भोपाल की प्रसिद्ध शिक्षाविद डॉ. वंदना शर्मा की उपस्थिति सराहनीय रही। प्रसिद्ध पर्वतारोही ज्योति रात्रे की अध्यक्षता में कार्यक्रम नारी चेतना विषय को सादर समर्पित रहा। इस कार्यक्रम में लगभग 35 कवयित्रियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से इस कार्यक्रम को नई ऊंचाई प्रदान की। रचना पाठ के दौरान नारी के धैर्य, त्याग, ममता और आत्मविश्वास को शब्दों में पिरोकर प्रस्तुत किया गया, जिसने उपस्थित श्रोताओं को भावविभोर कर दिया।

बीएसएसएस कॉलेज में हुआ नाटक सफेद चांद का मंचन

आखिरकार लड़कर जीना सीख ही लेती है ‘रमा’

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

विश्व महिला दिवस की पूर्व संध्या पर नाटक सफेद चांद का मंचन भोपाल के बीएसएसएस कॉलेज में हुआ। आरती विश्वकर्मा की कहानी पर आधारित नाटक सफेद चांद नाट्य रूपांतरण और निर्देशन सुनील राज का है।

इस एकल नाटक में आरती विश्वकर्मा ने अपने सशक्त अभिनय किया। जिसमें दिखाया कि रमा एक विधवा महिला है, घर में बच्चों के अलावा एक मात्र महिला उसकी सास है, घर में कोई पुरुष नहीं है यही शुरू होता है अवसरवादी समाज का नजरिया। दो प्रभावहीन महिलाओं को किस तरह पुरुष प्रधान समाज अपने लिए अवसर मान लेता है और किस तरह दो विधवा इस डर के साये में जीती है। यही नाटक की यथा कथा है, रमा की सास रमा को डर कर नहीं लड़ कर जीने के लिए प्रेरित करती है और यही एक बात रमा की जिंदगी को बदल देती है और आखिरकार रमा लड़ कर जीना सीख जाती है।

रबींद्रनाथ टैगोर विवि का 8वां महिला उत्कृष्टता पुरस्कार समारोह आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रवीन्द्रनाथ टैगोर विवि के महिला विकास प्रकोष्ठ द्वारा मध्य प्रदेश राज्य महिला आयोग के सहयोग से 8वां महिला उत्कृष्टता पुरस्कार 2026 कार्यक्रम का आयोजन किया। मुख्य अतिथि के रूप में रवीन्द्रनाथ टैगोर विवि की रजिस्ट्रार डॉ. संगीता जौहरी तथा विशिष्ट अतिथि मप्र राज्य महिला आयोग के सदस्य सचिव सुरेश तोमर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में एनजीओ कार्यकर्ताओं एवं सामुदायिक नेताओं को सम्मानित किया गया।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष संगीतमय कार्यक्रम आज

भोपाल। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मुस्कान म्यूज़िकल ग्रुप एवं उत्पत्ति रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन के संयुक्त तत्वावधान में एक भव्य संगीतमय कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम रविवार 8 मार्च को पॉलिटेक्निक कॉलेज ऑडिटोरियम में आयोजित होगा।

इस विशेष अवसर पर भोपाल की सुप्रसिद्ध गायिकाओं द्वारा सुरीली एवं मनमोहक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं की प्रतिभा, शक्ति और योगदान का सम्मान करना है। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित भी किया जाएगा। आयोजकों ने सभी संगीत प्रेमियों एवं नागरिकों से आग्रह किया है कि वे इस कार्यक्रम में उपस्थित होकर महिलाओं के सम्मान में आयोजित इस संगीतमय संध्या का आनंद लेने और कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सरोकार का आत्मीय आयोजन

आओ बहना, मनाएं अपने स्त्री होने का उत्सव...

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

अक्सर समाज में एक जुमला उछाला जाता है कि एक औरत ही दूसरी औरत की दुश्मन होती है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर शनिवार को गांधी भवन में महिलाओं ने इस पुरानी, पितृसत्तात्मक सोच को नकारते हुए अपनी स्वतंत्र अभिव्यक्ति को स्वर दिए। लैंगिक भेदभाव के खिलाफ निरंतर संघर्षरत संस्था सरोकार ने एक ऐसा आत्मीय मंच सजाया, जहां महिलाओं ने अपने अस्तित्व का नहीं, बल्कि एक-दूसरे के साथ होने और ताकत बनने का जश्न मनाया। आयोजन का शीर्षक था आओ बहनाः महिलाओं का, महिलाओं द्वारा, महिलाओं के लिए। यह शाम कुछ खास थी। जिसमें करीब 30 महिलाओं ने जिस्सा लिया।

गीत, नृत्य और जज्बातों का खुला व स्वतंत्र आसमान

गांधी भवन में आयोजित कार्यक्रम में हस्सा लेतीं महिलाएं।

इन महिलाओं के साथ गीत, नृत्य और जज्बातों का खुला और स्वतंत्र आसमान था। जब मन के मंजीरे आज थिरकने लगे और ताल से ताल मिला की धुनों पर महिलाओं के कदम थिरके, तो लगा मानो सदियों की बंदिशें टूट रही हों। आज फिर जीने की तमन्ना है, बेखौफ आजाद है जीना मुझे और तोड़-तोड़ के बंधनों को जैसे गीतों ने हवाओं में एक नई ऊर्जा और आजादी का अहसास घोल दिया।

जैकेट का शेष...

दुनिया भर से चुनी ...

प्रोत्साहित करती है। यह मंच एशिया के उभरते डॉक्यूमेंट्री फिल्मकारों के लिए एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय मंच माना जाता है। इस प्रतिष्ठित फोरम में इंडोनेशिया, जापान, चीन, मलेशिया, भूटान, दक्षिण कोरिया, अफगानिस्तान, फ्रांस, म्यांमार, ऑस्ट्रेलिया, नेपाल और भारत सहित विभिन्न देशों के कुल 25 प्रतिभागियों का चयन किया गया है, जिनमें मंडला की शिबाली विश्वास भी शामिल हैं। शिबाली के अलावा भारत के विभिन्न राज्यों से 14 और युवा फिल्म निर्माताओं का चयन इस मंच ने किया है। उनका चयन न केवल उनके रचनात्मक दृष्टिकोण को मान्यता देता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि भारतीय महिला फिल्मकार आज वैश्विक मंच पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। शिबाली विश्वास इससे पहले अपनी चर्चित डॉक्यूमेंट्री 'फुलझरिया बाई-कस्टोडियन ऑफ द मिलेट सीड बैंक' के माध्यम से देश भर में सराहना प्राप्त कर चुकी हैं। इस फिल्म ने ग्रामीण ज्ञान, बीज संरक्षण और महिलाओं की भूमिका को संवेदनशीलता के साथ सामने लाया था। 26 वर्षीय शिबाली की 'द हिमालयन कहानी' भी दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय रही है। शिबाली कहती है कि फिल्म या डॉक्यूमेंट्री निर्माण बहुत आसान नहीं है, इसके लिए बहुत पैसे, धैर्य और जुनून की जरूरत है जो अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सम्मानित होने के बाद ही पैदा होने लगता है। वरना कल्पनाशीलता के बावजूद बहुत सारे युवा पैसे के अभाव में पीछे रह जाते हैं। अंतरराष्ट्रीय मंच मिलने के बाद फिल्म मेकिंग फंडिंग बहुत आसान हो जाता है। मेंटर भी मिल जाते हैं। महिला दिवस के अवसर पर शिबाली की यह उपलब्धि यह संदेश देती है कि समर्पण, संवेदनशीलता और रचनात्मकता के साथ महिलाएं हर क्षेत्र में नई संभावनाओं का द्वार खोल रही हैं। शिबाली विश्वास की यह यात्रा न केवल सिनेमा जगत के लिए प्रेरणादायक है, बल्कि उन सभी युवाओं के लिए भी एक उदाहरण है जो आदिवासी समाज की कहानियों को दुनिया तक पहुंचाना चाहते हैं।

बैगा आदिवासियों ...

साथ मिलकर बालाघाट के विभिन्न गांवों में रहकर बैगा समुदाय की दिनचर्या, उनके पारंपरिक ज्ञान, खानपान और जीवन शैली को करीब से समझ रही हैं। उनका मानना है कि आदिवासी समाज की जीवन पद्धति और प्रकृति के साथ उनका संतुलित संबंध आज के समय में बहुत महत्वपूर्ण है और इसे दस्तावेज़ के रूप में संरक्षित करना जरूरी है। किरण का कहना है कि बैगा समुदाय का जीवन जंगल से गहराई से जुड़ा हुआ है। उनके अनुसार बैगा समाज की संस्कृति, परंपराएं और उनका प्रकृति से रिश्ता बहुत अनोखा है। अगर आज इनकी जीवन शैली और ज्ञान को दर्ज नहीं किया गया तो आने वाले समय में यह धीरे-धीरे खो सकता है। इसलिए इनके जीवन से जुड़ी हर चीज का डॉक्यूमेंटेशन होना बेहद जरूरी है। बैगा समुदाय सदियों से जंगलों के बीच रहकर जीवन यापन करता आया है। जंगल उनके लिए केवल संसाधन नहीं बल्कि आस्था का प्रतीक भी है। वे जंगल से मिलने वाले कंद-मूल, जंगली सब्जियां, फल और महुआ पर आधारित पारंपरिक भोजन करते हैं। डॉक्यूमेंट्री में यह भी दिखाया जा रहा है कि किस तरह बैगा समुदाय प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखते हुए जीवन जीता है। वे जंगल से उतना ही लेते हैं जितनी उन्हें आवश्यकता होती है और उसके संरक्षण को भी उतना ही महत्व देते हैं। फिल्म की शूटिंग के दौरान किरण और उनकी टीम बैगा समाज की कला, लोक परंपराओं, त्योहारों, नृत्य-संगीत और पारंपरिक शिल्प को भी रिकॉर्ड कर रही है। साथ ही उनके दैनिक जीवन, खेती, जंगल से खाद्य सामग्री संग्रह और पारंपरिक हस्तकला को भी फिल्म में स्थान दिया जा रहा है। किरण का मानना है कि आदिवासी समुदायों के पास प्रकृति और पर्यावरण के संरक्षण से जुड़ा गहरा ज्ञान है, जिससे आधुनिक समाज भी बहुत कुछ सीख सकता है। यह डॉक्यूमेंट्री केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि बैगा समुदाय की जीवन शैली और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने का एक प्रयास है। इसके माध्यम से यह संदेश भी दिया जा रहा है कि प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर जीने की परंपरा आज भी हमारे समाज के लिए उतनी ही महत्वपूर्ण है। इस तरह युवा फिल्ममेकर किरण और उनकी टीम का यह प्रयास बैगा समुदाय की अनमोल विरासत को दुनिया के सामने लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

'द गर्ल्स रिवेंज'...

याचिका जागलान को केंद्रित किया गया है, जो सामाजिक कार्यकर्ता बनकर समाज में बदलाव ला रही हैं। यह डॉक्यूमेंट्री तीन महीने पहले फ्रांस की पूरी टीम द्वारा भारत और चीन के विभिन्न स्थानों पर फिल्माई गई थी। इसमें भारत और चीन की समान सामाजिक चुनौतियों को एक साथ रखकर दिखाया गया है। इससे पहले भी जागलान पर 'सन राइज' डाक्यूमेंट्री बनी थी, जिसे भारत के राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी 'मन की बात' में कई बार 'सेल्फी विद डॉटर' की सराहना करते हुए इसे बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान का मजबूत हिस्सा बताया है।

25 साहसी महिला बाइक ...

सचिव (मुख्यमंत्री) नीरज मंडलोई, सचिव पर्यटन विभाग एवं प्रबंध संचालक मप्र टूरिज्म बोर्ड इलैया राजा टी, अपर प्रबंध संचालक डॉ. अभय अरविंद बेडेकर तथा अन्य अधिकारी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला बाइकिंग टूर मात्र बाइक रैली नहीं बल्कि नारी सशक्तिकरण, साहस और पर्यटन के माध्यम से मप्र की पहचान को दुनिया तक पहुंचाने का एक अनूठा अभियान है। मुख्यमंत्री ने देश के विभिन्न क्षेत्रों से आई बहनों का देश के दिल मध्यप्रदेश में स्वागत करते हुए कहा कि हमारा प्रदेश अजब और गजब होने के साथ महिलाओं की सुरक्षा के लिए सजग भी है।

महिला सुरक्षा की...

पुलिस प्रशासन की ओर से महिला राइडर्स के दल के ठहरने सहित सभी आवश्यक सुविधाओं का समन्वय किया जाएगा।

महिला बाइकिंग टूर में यह महिलाएं शामिलः महिला बाइकिंग टूर का नेतृत्व मुंबई की 62 वर्षीय डॉ. नीता कर रही हैं। इस ग्रुप में भोपाल की सारा खान, राजनंदिनी, दिव्या रमन, मयूरी सोनी, दिशा राकेशीय, उन्नति चौरसिया, सेजल कुशवाहा, महक बाथम, ग्वालियर की शबनम बानो शामिल हैं। इनके साथ मुंबई की हेतल उपाध्याय, माधुरी नायक, मधु हेलचल, तनु प्रिया, रिद्धि, बेंगलुरु की सोना प्रियदर्शनी, कोलकाता की सायंती घोष, पुणे की कल्याणी पोटेकर, नागपुर की डॉ. प्रियंका रुक्मणी, रुचिका मेघे, एकता खेते, मैथिली सिंह, पल्लवी देशमुख, नोएडा की डॉ. सुमित और संभाजी नगर (महाराष्ट्र) की कविता जाधव शामिल हैं।

धामनोद में तहसीलदार ...

एसडीओपी मोनिका सिंह, थाना प्रभारी प्रवीण ठाकरे और पटवारी राहुल ठाकुर सहित करीबन 25 लोगों की टीम शासकीय जमीन पर अवैध रूप से बने मकान को हटाने पहुंची थी। इसी दौरान ग्रामीणों ने पथराव कर दिया। जिस मकान को गिराने टीम पहुंची थी, उसका 25 प्रतिशत हिस्सा विधायक कालू सिंह ठाकुर की कृषि जमीन में आता है, वहीं 25% हिस्सा किसी और की जमीन का है। इसकी वजह से दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा है। मकान में रहने वाली पिंकी ने कहा कि अधिकारी हमें जबरदस्ती गाड़ी में बैठाकर मेडिकल के लिए हॉस्पिटल ले आए। मेरी मां, दो बहनों और भाभी की हालत गंभीर है। हमारे परिवार की जो भी हालत है, वो विधायक कालू सिंह की वजह से है।

नियमों के तहत कर ...

कब्जाधारियों ने सिविल न्यायालय में वाद दायर किया। वहां उनकी आपत्ति खारिज हो गई। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि संबंधित लोगों का उस जमीन पर कोई अधिकार नहीं है। अब धारा 250 के आदेश का पालन कराने के लिए नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

आज जस्टिस मार्च ...

2025 से लागू होना था सीपीआई आधारित स्टाइपेंड संशोधन अब तक लागू नहीं किया गया है, जबकि इस संबंध में शासन का आदेश पहले ही जारी हो चुका है। रेजिडेंट डॉक्टरों के संगठन जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन (जेडीए) के नेतृत्व में डॉक्टरों ने इस मुद्दे को लेकर शांतिपूर्ण विरोध शुरू कर दिया है। डॉक्टर फिलहाल काली पट्टी बांधकर प्रतीकात्मक प्रदर्शन कर रहे हैं। डॉक्टरों का कहना है कि मध्यप्रदेश शासन के आदेश 7 जून 2021 के अनुसार 1 अप्रैल 2025 से सीपीआई आधारित स्टाइपेंड संशोधन लागू होना था। इसके बावजूद अब तक संशोधित स्टाइपेंड लागू नहीं किया गया है। साथ ही अप्रैल 2025 से देय एरियर भी लंबित हैं।

भोपाल में अब 918 ...

सिलेंडर 918 रुपए में मिलेगा, जबकि इंदौर में इसकी कीमत 941 रुपए पहुंच गई है। इसी तरह ग्वालियर में गैस सिलेंडर की कीमत 996 रुपए हो गई है। जबलपुर में उपभोक्ताओं को अब 919 रुपए चुकाने होंगे। धार्मिक नगरी उज्जैन में सिलेंडर की कीमत 972 रुपए तक पहुंच गई है। वहीं प्रदेश में सबसे महंगी घरेलू गैस नर्मदापुरम में बताई जा रही है, जहां एक सिलेंडर की कीमत 1035 रुपए हो गई है। घरेलू गैस के साथ-साथ कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम में भी बढ़ोतरी की गई है। 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमत में करीब 115 रुपए का इजाफा किया गया है। इससे होटल, रेस्टोरेंट और छोटे व्यापारियों की लागत बढ़ सकती है। इससे पहले 1 मार्च 2026 को भी कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम करीब 31 रुपए तक बढ़ाए गए थे। लगातार हो रही बढ़ोतरी से व्यापारिक गतिविधियों पर भी असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

'शिक्षिका' फर्श ...

हैं। इतना ही नहीं, एक छात्रा रोटी बेलने वाले बेलन से भी उनकी मालिश करती दिखाई दे रही है। मामला सामने आने के बाद शिक्षा विभाग ने तुरंत संज्ञान लिया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) बीके शर्मा ने बताया कि वीडियो की जांच में यह प्राथमिक विद्यालय नया बाजार कर्वी की शिक्षिका मधु कुमारी राय का पाया गया है। जांच में सामने आया कि वह शिक्षण कार्य के दौरान फर्श पर लेटकर छात्राओं से मालिश करा रही थीं। इस आचरण को गंभीर अनुशासनहीनता मानते हुए शिक्षिका को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। खंड शिक्षा अधिकारी कर्वी को जांच सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि शिक्षिका बीमार भी नहीं है। वीडियो में स्पष्ट है कि वह मालिश कराते हुए मोबाइल फोन भी चला रही है।

गर्मी की 'सांप-सीढ़ी'...

श्योपुर, छिंदवाड़ा, खजुराहो, मंडल और टीकमगढ़ में 35 से 36 डिग्री के बीच रहा। सागर, नरसिंहपुर, गुना, नर्मदापुरम, उज्जैन में 36 से 37 डिग्री के बीच रहा। धार में 38.5 और रतलाम में 38.6 डिग्री रहा। यह सामान्य से औसतन 6 डिग्री तक अधिक रहा। शेष जिलों में औसतन 3 डिग्री ज्यादा दर्ज हुआ है।

पेज एक का शेष...

पड़ोसी देशों पर...

कहा- पुतिन ने खामेनेई, उनके परिवार के सदस्यों और देश की सेना और नेताओं की मौत पर अपनी गहरी संवेदना जताई। साथ ही, ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजराइल के हथियारों से हमले की वजह से हुई कई आम लोगों की मौत पर भी दुख जताया है। पुतिन ने कहा कि वे गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) के सदस्य देशों के नेताओं के साथ लगातार संपर्क में हैं। वहीं, मसूद पेजेश्कियन ने ईरानी लोगों के साथ रूस की एकजुटता के लिए पुतिन का धन्यवाद किया। रूसी विदेश मंत्रालय ने बताया कि ईरान अपनी संप्रभुता और अपने देश की आजादी की रक्षा कर रहा है। उन्होंने लड़ाई से संबंधित ताजा गतिविधियों के दौरान हुए विकास पर विस्तार से जानकारी भी दी और दोनों नेताओं के बीच इस बात पर सहमति हुई कि ईरानी पक्ष के साथ अलग-अलग माध्यमों से संपर्क बनाए रखा जाएगा।

ईरान ने सरेंडर ...

कब्ज़ा करके शासन करना चाहते थे। हज़ारों वर्षों में यह पहली बार है कि ईरान अपने पड़ोसी मध्य पूर्वी देशों से हारा है। ईरान अब मध्य पूर्व का दादा नहीं रहा, बल्कि मध्य पूर्व का हारा हुआ है, और कई दशकों तक ऐसा ही रहेगा जब तक कि वह आत्मसमर्पण नहीं कर देता या, ज़्यादा संभावना है, पूरी तरह से ध्वस्त नहीं हो जाता।

वे हमारे बिना ...

मांग को मानने से इनकार करते हुए ठुकराया है। उन्होंने कहा है कि वे हमारे बिना शर्त आत्म समर्पण के सपने को कब्र में ले जाएंगे।

हमें किसी की ....

एतराज के बावजूद रूस से तेल खरीदता रहा। 2022 के बाद डिस्काउंटेड कीमतों और रिफाइनरी की डिमांड की वजह से इंपोर्ट में काफी बढ़ोतरी हुई। केंद्र के अनुसार, भारत के पास रिजर्व और सप्लाई चेन में 250 मिलियन बैरल से ज्यादा कच्चा तेल और पेट्रोलियम प्रोडक्ट हैं। यह सात या आठ हफ्ते की खपत के बराबर बफर देता है। भारत की कुल रिफाइनिंग कैपेसिटी 258 मिलियन मीट्रिक टन सालाना है, जो मौजूदा घरेलू डिमांड से ज्यादा है।

सैंटनर बोले- 140 ...

दिल तोड़ना पड़े तो तोड़ेंगे। सूर्यकुमार यादव ने कहा कि बड़े मैच से पहले इस तरह की बातें अब आम हो गई हैं और खिलाड़ियों को कुछ नया बोलना चाहिए। न्यूजीलैंड ने सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए दक्षिण अफ्रीका को 9 विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनाई है। कीवी टीम अब अपने इतिहास का पहला टी20 वर्ल्ड कप खिताब जीतने की कोशिश करेगी। मिचेल सैंटनर ने कहा कि उनकी टीम बड़े मौके से प्रभावित हुए बिना अपने खेल पर ध्यान देना चाहती है। उन्होंने कहा, हम आम तौर पर स्थिति या विरोधी टीम से ज्यादा प्रभावित नहीं होते। हम मैदान पर जाते हैं और अपना खेल खेलने की कोशिश करते हैं। सेंटनर ने माना कि फाइनल में उनकी टीम फेवरेट नहीं मानी जा रही है, लेकिन इससे उन्हें कोई परेशानी नहीं है।

फ्रीबीज की वजह....

जनता को नकद और मुफ्त उपहार देने से राज्यों के खर्च और बजट विश्लेषण को लेकर एसबीआई की शोध रिपोर्ट में चौंकाने वाले आंकड़े सामने आएं हैं।

5 डिब्बे पटरी....

है। मौके पर डीआरएम सहित वरिष्ठ अधिकारी और कई स्थानों की राहत टीम मौजूद हैं। लगभग 11 बजे जैसे ही मालगाड़ी एनकेजे से कटनी मुड़वारा की ओर बढ़ी बाबा घाट के पास बने केबिन के पास अचानक से धमाके के साथ मालगाड़ी के एक के बाद एक पांच डिब्बे पटरी से उतर गए और कोयला ट्रैक पर बिखर गया। एनकेजे, कटनी सहित जबलपुर और सतना से टीम में मौके पर बुलाई गई है। वही, बिलासपुर बीना रेलखंड के बंद होने से मुड़वारा से बिलासपुर शहडोल की ओर जाने वाली यात्री ट्रेनें और मालगाड़ी प्रभावित हैं। जिनको अलग-अलग स्टेशनों पर रोका गया है।

दोपहिया वाहनों में ...

दावा कर सकता है, न किसी से जवाबदेही मांग सकता है। याचिका में यह भी विषय उठाया गया है कि जीपीएस न होने से वाहन की लाइव लोकेशन पता नहीं चलती है, न यात्री की सुरक्षा सुनिश्चित होती है। चालक के पास वैध लाइसेंस है या नहीं, वाहन का रजिस्ट्रेशन वैध है या नहीं, इसकी कोई जांच नहीं होती। अक्टूबर, 2025 में हाई कोर्ट की युगलपीठ राज्य सरकार को मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 66 का पालन सुनिश्चित करने का आदेश दे चुकी है लेकिन वह आदेश भी अब तक कागजों पर ही है।

3 साल के ...

करने के लिए जाना जाता है। पिचाई की लीडरशिप में गूगल अब एआई के क्षेत्र में आगे बढ़ रही है।

पिचाई का सैलरी ....

करते हैं तो कुल रकम 252 मिलियन डॉलर तक पहुंच सकती है। अगर बेंचमार्क पूरे नहीं हुए तो रकम जीरो भी हो सकती है। पिचाई के फिक्स्ड स्टॉक और वेतन में हर महीने मिलने वाले 84 मिलियन डॉलर के 'रेस्ट्रिक्टेड स्टॉक्स' शामिल हैं। इसके अलावा, उनका सालाना वेतन 2 मिलियन डॉलर होगा।

ई-नीलामी सूचना

भारत एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड, पोस्ट ऑफिस - बाल्को नगर, कोरबा, छत्तीसगढ़, इंडिया- 495684 से जुड़े खराब साल्वेज "ब्रेकडाउन डैमेज्ड ESP (इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रीसिपिटेटर) और FF (फैब्रिक फिल्टर) हॉपर स्क्रैप (लॉट)" के डिस्पोज़ल के लिए, इच्छुक खरीदारों से ई-ऑक्शन फॉर्म मंगाए गए हैं। ये फॉर्म पूरी तरह से "जैसा है, जहां है" के आधार पर, 'लॉट बेसिस' पर होंगे।

निरीक्षण और ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि - 21/03/2026, ई-नीलामी 23/03/2026 को सुबह 11:00 बजे आयोजित की जाएगी। ई-नीलामी फॉर्म के लिए श्री अमन सिंह से संपर्क करें मोबाइल: +91- 8826079263

ऑक्शन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड (नीलामीकर्ता)

अधिक जानकारी के लिए : www.auctionexpress.in

लोकायुक्त कार्यालय मध्यप्रदेश
लोकायुक्त भवन, भोपाल

क्रमांक / 2587 / स्टोर//2026 — भोपाल, दिनांक : 06/03/26

-: वाहन किराये पर उपलब्ध कराने संबंधी ई-निविदा सूचना :-

लोकायुक्त कार्यालय, म.प्र. के मुख्यालय एफ-ब्लॉक, पुराना सचिवालय, सुल्तानिया रोड, भोपाल के कार्यालयीन उपयोग हेतु 05 नग किराये के वाहन कंपनी निमार्ता मारूति Victoris, मारूति Grand Vitara, कंपनी निमार्ता हुंडई उशीइं अथवा समकक्ष (Ex-Showroom Price Less Than 12.00 Lakh) उपलब्ध कराने हेतु एजेंसी चयन कार्य के संबंध में ई-निविदा https://mptenders.gov.in पोर्टल के माध्यम से आमंत्रित की जाती है।

ऑनलाईन निविदा प्रकिया में सम्मिलित होने के लिये निम्नानुसार तिथियाँ निर्धारित की गई है:-

1. ऑनलाईन निविदा जमा करने की प्रारंभ दिनांक 13.03.2026 समय सुबह 10:00 से दिनांक 02.04.2026 समय सुबह 10:00 बजे तक।
2. ऑनलाईन प्राप्त निविदाओं में सर्वप्रथम तकनीकी निविदाएं दिनांक 03.04.2026 समय दोपहर 12:00 बजे अथवा उसके उपरांत लोकायुक्त कार्यालय परिसर, भोपाल में खोली जावेगी, तत्पश्चात् तकनीकी निविदाओं में पात्र पाये गये निविदादाताओं की वित्तीय निविदायें दिनांक 10.04.2026 समय दोपहर 03:00 बजे अथवा उसके उपरांत खोली जावेगी।
3. निविदा स्वीकृत करने अथवा अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार सचिव, लोकायुक्त कार्यालय, म.प्र. भोपाल का होगा, इस हेतु पृथक से कोई पत्राचार नहीं किया जावेगा।

निविदा संबंधी शेष शर्तें निविदा प्रपत्र में दी गई है।

विनोद मालवीय
उप संचालक (वित्त)
लोकायुक्त कार्यालय मध्यप्रदेश भोपाल
फोन : 2545572

जी -26934/25 — स्वच्छता ही सेवा

वैवाहिकी

वर चाहिए

वर चाहिए
जीवन साथी चाहिए जिस किसी व्यक्ति को रिश्ता करना हो सम्पर्क करें
7566281535

वधु चाहिए

वधू चाहिए
बंगाली ब्राह्मण उम्र 38वर्ष जन्म 1987 हाइट 5'-2", शिक्षा एमएससी केमेस्ट्री+ बीएड, रेप्यूटेटेड प्राइवेट स्कूल टीचर सैलरी 30000+ ट्यूशन क्लास इंकम 10000 प्रतिमाह बिलासपुर निवासी, मध्यम वर्गीय परिवार, स्वयं का मकान, पत्नी केवल एक महीने रही। तलाकशुदा, बच्चे नहीं। हिन्दू धर्म में कोई जाति बन्धन नहीं, अविवाहित, तलाकशुदा एवं बिना बच्चों वाले मान्य।
सम्पर्क करें- 6260632297, 7415334573
मैरिज ब्यूरो एवं संस्था वाले सम्पर्क ना करें

वधू चाहिए

इकरार साह खान
उर्म: 50 वर्ष, जिला दुर्ग. केला बाड़ी मजार के पास. (दिल्ली) बिजनेश मैन हेतु वधू चाहिए. जाति बन्धन नही. तुरंत सम्पर्क करे. लड़की डायरेक्ट बात करे.
93033 96004
88512 89207

हरिभूमि क्लासीफाइड
आवश्यकता है | खरीदना है | बेचना है | व्यापार | चिकित्सा | ज्योतिष | डिस्प्ले विज्ञापन
संपर्क सूत्र : 9407279644, 9977912473

व्यापार
Required Dealers/ Associates at different locations in following states - Chhattisgarh & Madhya Pradesh. (Packaged Drinking Water). Only Individuals or Companies having experience need apply. Mail:info@oxineer.com Websit- www.oxineer.com, Ph:9165446688

हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी — भोपाल बाजार
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें मो.9977912473

फार्म हाउस उपलब्ध है
प्राकृतिक सोन्दर्य से भरपूर संपूर्ण सुविधाओं के साथ।
बैंक फाईनेंस सुविधा उपलब्ध
अम्बाड़ी हिल्स फार्महाउस
दीवानगंज में मेन विदिशा रोड पर

सम्पर्क करें 9755600569, 9755600827
हर रविवार आफिस से साइट विजिट की सुविधा
आफिस: आदित्य कन्सट्रक्सन एण्ड मार्केटिंग, हाउस न. 16, 66 फीट, कोकता ट्रांसपोर्ट नगर रोड, महोली, भानपुर, भोपाल

Medical Help Line
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें : मो.9407279644

नये दागों का आना तुरन्त बंद

सफेद दाग
सफल ईलाज का 40 वर्षो का अनुभव
Timing 10:30 am to 8:00 pm
Dr. Safi's HOMEOPATHIC CLINIC
कृपया फोन पर अपॉइंटमेंट लें। M : 9425006131, 9827249409
5/4, संजय कॉम्पलेक्स माता मंदिर, टी.टी. नगर भोपाल | सौलत मंजिल पुरानी कजियात के सामने मोती मस्जिद भोपाल

प्लाट मात्र 3,55,000 हजार में आसान किश्तों पर
साईट:- 220 फिट रिंग रोड न्यू बायपास से लगी हुई
डायवर्सन एवं NOC एप्रूव्ड
आफिस इंडिया प्रोपर्टी करोंद भोपाल
मो. 7772079910

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, लोन संबंधित, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जाँच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवायें के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक संपादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

\- व्यावस्थापक

शब्द पहेली - 6158

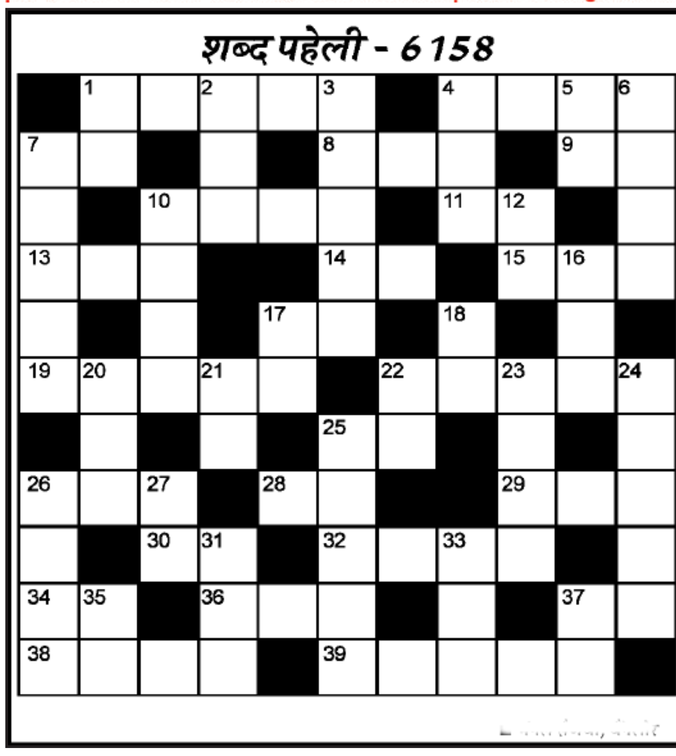

बाएँ से दाएँ
1.राजीव गांधी की पत्नी का नाम-3,2
4.उदारता,बडप्पन-4
7.भोजन,खाद्य पदार्थ-2
8.प्रहरी,रक्षा करने वाला-3
9.अपशिष्ट पदार्थ-2
10.कामदेव,चंद्रमा-4
11.नाड़ी,नस-2
13.जबरन,जबरदस्ती-3
14.वायदा,वचन-2
15.भवन,आलय-3
17.आर्ट,हुनर-2
19.ख्वाबगाह, आरामगाह, सोने का कमरा-5
22.उद्देश्यहीनता-5
25.परिणाम-2
26.अंजन,नेत्रांजन-3
28.सांझ,संध्या-2
29.अधीन-3
30.निश्चित-2
32.निष्ठावान,सत्तानिष्ठ-4
34.बेइमान,सेंधमार-2
36.दाम,मूल्य-3
37.एक छोटी सवारी गाड़ी-2
38.मुस्लिम कैलेंडर का एक महीना-4
39.अश्रु,आंसू-5

ऊपर से नीचे
1.स्वर्ण,कनक-2
2.गुजर करना-3
3.धैर्यवान-3,2
4.राशिचक्र की एक राशि-3
5.आंशिक भीगा हुआ-2
6.सामंजस्य-4
7.यायावर,बंजारा-5
10.चुनाव,वोटिंग-4
12.दुख,कष्ट-2
16.यज्ञ,होम-3
17.कमरा,रूम-2
18.उम्मीद,आस-2
20.जुड़वा-3
21.प्याला-2
22.हृदय,हार्ट-2
23.निकृष्टतर-4
24.बलवान,दमदार-5
25.स्वदेशवासी-5
26.आलसी,निठल्ली-4
27.बुरी आदत-2
31.भरोसा,विश्वास-3
33.आंचल,पल्लू-3
35.अंग्रेजी शराब का एक प्रकार-2
37.समय, वक्त-2

शब्द पहेली -6157 का हल

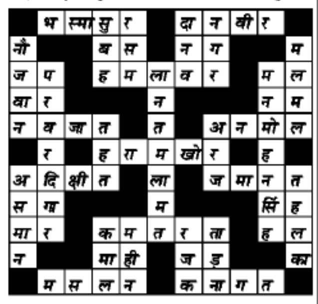

सूडोकु नवताल - 6168

★★★★★ कठिनतम

	9				4			7
					7	9		
8								
4		5	8					
3				1				2
					9	7		6
								4
		3	5					
2			6				8	

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 6167 का हल

7	8	5	2	6	3	1	4	9
4	3	1	9	7	5	8	2	6
2	6	9	1	4	8	7	5	3
3	1	4	6	8	9	5	7	2
9	5	8	7	2	4	6	3	1
6	7	2	5	3	1	9	8	4
5	2	7	3	9	6	4	1	8
1	4	6	8	5	2	3	9	7
8	9	3	4	1	7	2	6	5

राशिफल

मेष — मन में नकारात्मक विचारों से बचें। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है। माता का सानिध्य मिलेगा।

वृष — व्यर्थ के क्रोध से बचें। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। संगीत में रुचि हो सकती है।

मिथुन — भागदौड़ अधिक रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अनियोजित खर्चों में वृद्धि हो सकती है। अचानक धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं।

कर्क — क्रोध के अतिरेक से बचें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है। परिश्रम अधिक रहेगा।

सिंह — नौकरी में तरक्की के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। यात्रा पर जाना हो सकता है। संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

कन्या — धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार का विस्तार हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

तुला — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। धन की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक — क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। माता से धन की प्राप्ति हो सकती है।

धनु — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर — आलस्य की अधिकता रहेगी। कारोबार का विस्तार होगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। बहन-भाइयों का सहयोग मिलेगा।

कुंभ — कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। कुटुम्ब के किसी बुजुर्ग से धन की प्राप्ति हो सकती है। आय में वृद्धि होगी। बातचीत में संयत रहें।

मीन — शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा, परन्तु शैक्षिक कार्यों में कठिनाई भी आ सकती है। जीवनसाथी से मतभेद बढ़ सकते हैं। सुखद समाचार मिलेगा।

हर क्षेत्र में फहरा रहा आधी आबादी का परचम

अब वो दिन लद गए, जब आधी आबादी के लिए कुछ निश्चित कार्यक्षेत्र ही हुआ करते थे। आज के दौर में बेटियां हर उस क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही हैं, जिन्हें पहले उनके लिए वर्जित माना जाता था। देश की सुरक्षा से लेकर वैज्ञानिक अनुसंधान तक और खेल के मैदानों में भी कामयाबी की नित नई मिसालें गढ़ रही हैं। आधी आबादी के विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ते कदम पर एक नजर।

{ कवर स्टोरी / लोकमित्र गौतम }

अभी सुबह के 4 बज रहे हैं। हरियाणा के एक छोटे से गांव में रहने वाली 19 साल की एक लड़की अपने जूतों में फीते कस रही है। उसके सामने कोई दर्शक नहीं है, कोई कैमरा नहीं है। है तो सिर्फ एक लंबा सा ट्रैक और दिल दिमाग में एक रंगीन सपना। यह सपना एथलेटिक्स में कुछ कर दिखाने का है। यह सपना किसी एक हरियाणवी लड़की का ही नहीं है, बल्कि आज भारत की हजारों-लाखों किशोरियों और युवतियों की आंखों में खेल से लेकर सेना और विज्ञान जैसे सभी जटिल और एक जमाने तक पुरुषों के वर्चस्व वाले क्षेत्र में कुछ कर दिखाने का है। साल 2026 का भारत इस मायने में ऐतिहासिक दौर से गुजर रहा है, क्योंकि आज कोई भी ऐसा क्षेत्र नहीं है, जहां युवा महिलाएं दस्तक न दे रही हों। अब देश में कोई ऐसा क्षेत्र विशेष नहीं रहा, जिसे एक्सक्लूसिवली पुरुषों का वर्चस्व वाला क्षेत्र कहा जा सके। सभी क्षेत्रों में पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर भारत की युवा महिलाएं खड़ी हैं।

गढ़ रहीं जीत की नई परिभाषा

भारत में खेल लंबे समय तक पुरुषों के वर्चस्व वाला क्षेत्र माना जाता रहा है। लेकिन हाल के कुछ दशकों में युवा महिलाओं ने इस धारणा को बदल दिया है। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, पूर्वोत्तर भारत आदि की युवा महिला एथलीटों ने ओलंपिक, एशियाई खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों और विश्व चैंपियनशिप में कामयाबी के झंडे गाड़े हैं। साल 2024 के पेरिस ओलंपिक में भारत की महिला खिलाड़ियों ने कुल पदकों में महत्वपूर्ण योगदान दिया और उसके पहले कई ओलंपिक खेल ऐसे भी संपन्न हुए हैं, जब भारत की तरफ से कामयाबी का सेहरा सिर्फ लड़कियों के सिर बंधा है। आज बैडमिंटन, शूटिंग, क्रिकेट, हॉकी, रेसलिंग और बॉक्सिंग ये ऐसे क्षेत्र हैं, जिनमें भारत की बेटियां राज कर रही हैं। अब देश के गांवों से युवा महिला पहलवान और मुक्केबाज निकल रही हैं। खेलों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का एक महत्वपूर्ण कारण है, खेलों को लेकर शुरू की गई कई शानदार सरकारी योजनाएं, जिसमें एक प्रमुख योजना 'खेलो इंडिया' भी शामिल है। इसमें बेहतर प्रशिक्षण की बदौलत भारतीय लड़कियां पूरी दुनिया में कामयाबी के झंडे गाड़ रही हैं। लेकिन इससे बड़ा परिवर्तन उन भारतीय परिवारों का है, जो उनकी मानसिकता में आया है। अब गांवों में भी मां-बाप बेटियों को खेल के मैदान में खुशी-खुशी भेजने लगे हैं। जबकि एक समय तक उन्हें सिर्फ शादी के लिए पाल पोसकर बड़ा किया जाता था।

संभाल रहीं सुरक्षा की कमान

लंबे समय तक भारतीय सेना महिलाओं के लिए बहुत सीमित अवसर प्रदान करती रही है। लेकिन पिछले कुछ दशकों में यह स्थिति तेजी से बदली है। आज युवा महिलाएं न केवल बड़ी संख्या में सैन्य अधिकारी बन रही हैं बल्कि लड़ाकू विमान उड़ा रही हैं, वे युद्ध पोतों पर तैनात हैं। भारतीय वायु सेना में महिला फाइटर पायलटों की संख्या लगातार बढ़ रही है। साल 2003 के बाद राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में महिलाओं के प्रवेश ने इस बदलाव को गति दी है। अब 18-19 वर्ष की लड़कियां सीधी एनडीए में प्रशिक्षण लेकर सेना की स्थायी अधिकारी बन रही हैं। यह बदलाव सिर्फ सैन्य संरक्षण का बदलाव नहीं है बल्कि सामाजिक सोच में आए परिवर्तन का संकेत है।

एक समय था, जब सेना को पूर्णतः पुरुषों का पेशा माना जाता था। लेकिन अब युवा महिलाएं सीमा की सुरक्षा में कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी हैं। नौसेना में भी महिलाएं युद्ध पोतों पर तैनात हैं। लंबी समुद्री यात्राओं का हिस्सा हैं और यह साबित कर रही हैं कि शारीरिक और मानसिक क्षमता के मामले में महिलाएं किसी भी तरह से पुरुषों से कम नहीं हैं। पुरुषों के समान ही वे भारतीय सीमाओं की रक्षा में कंधे से कंधा मिलाकर बढ़ रही हैं।

हासिल कर रहीं वैज्ञानिक उपलब्धियां

विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में भी युवा महिलाएं बड़ी तेजी से आगे बढ़ रही हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), राष्ट्रीय रक्षा अनुसंधान संगठन (डीआरडीओ) और विभिन्न वैज्ञानिक संस्थानों में महिलाओं की न केवल भागीदारी बहुत तेजी से बढ़ रही है बल्कि कई क्षेत्रों में तो वो पुरुषों से भी आगे हैं। हाल के सालों में देश के सबसे महत्वपूर्ण माने गए चंद्रयान और मंगलयान जैसे अंतरिक्ष मिशनों में भारतीय महिला वैज्ञानिकों की कामयाबी देखते ही बनी है। यही कारण है कि आज देश में विज्ञान के क्षेत्र में दाखिला लेने वाली लड़कियों की बड़ी संख्या सामने आ रही है, क्योंकि आज भारत की एक नहीं बल्कि अनेक अंतरिक्ष अभियानों में भारत की युवा महिलाएं कामयाबी का श्रेय हासिल कर रही हैं। अंतरिक्ष विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी और रक्षा अनुसंधान में भी इनकी भूमिका और योगदान पुरुषों से पीछे नहीं है। आईआईटी, आईआईएससी और अन्य प्रमुख वैज्ञानिक संस्थानों में जाकर देख लीजिए, आज ज्यादातर जगहों में महिला छात्र, पुरुष छात्रों के बराबर हैं, कहीं कुछ कम हैं। ये छात्राएं न केवल पढ़ाई कर रही हैं बल्कि अपनी मौलिक मेधा से अपने लक्षित कार्यक्रमों में सफलता हासिल करके उपलब्धियों की नई कहानी रच रही हैं। *

बदल रही है सामाजिक मानसिकता

हमारी बेटियों को यह शानदार सफलताएं मिल रही हैं, तो इसमें समाज की सोच और उसके नजरिए में बदलाव का भी बड़ा योगदान है। पहले जहां बेटियों के लिए सीमित विकल्प होते थे, अब वे हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। छोटे शहरों से आने वाली युवा महिलाएं अब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा बिखेर रही हैं। डिजिटल शिक्षा, इंटरनेट, सोशल मीडिया ने भी इस परिवर्तन में बड़ी भूमिका निभाई है। इसलिए अब समाज के विभिन्न तबकों से उठकर आने वाली महिलाएं अपने आपको भावी रोल मॉडल में देख सकती हैं और उनसे प्रेरणा हासिल की जा सकती है। हालांकि यह अलग बात है कि अभी महिलाओं ने अपने हिस्से की सारी जंग जीती नहीं है। अभी भी अनेक किस्म की चुनौतियां मौजूद हैं। लेकिन चुनौतियां तो हर क्षेत्र में हैं। असली बात यह है कि महिलाएं लगातार हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। हालांकि कुछ मां-बाप जिनकी वजह से महिलाओं की अभी भी पिछड़ी सोच है, उन्हें जल्द से जल्द अपने को बदलना होगा। नहीं तो वो लोग इन्हें अपने साख से खारिज कर देंगे, जिनकी नजरों में लड़का और लड़की बराबर है। आज के इस एआई दौर में एआई का विश्लेषण बताता है कि आने वाले भविष्य में लड़कियों की मौजूदगी और भी महत्वपूर्ण होगी। विशेषकर इस लिहाज से भी कि अब नई पीढ़ी में लड़कियां जाति और लिंग से परिभाषित नहीं होतीं। अपने काम और काम में हासिल महारत से सम्मान पा रही हैं।

बीते कुछ दशकों में हमारे समाज की महिलाएं घर-परिवार की जिम्मेदारी संभालने के साथ कार्यक्षेत्र में भी शानदार मुकाम हासिल करने लगी हैं। यह नया सामाजिक बदलाव, परिवार और कार्यक्षेत्र में संतुलन की उनकी कुशल भूमिका से ही संभव हो पा रहा है।

परिवार-कार्यक्षेत्र में संतुलन बनातीं महिलाएं

{ बदलाव / अपराजिता }

आठ मार्च, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस, केवल एक उत्सव का दिन नहीं है। यह गहरे सामाजिक परिवर्तन और प्रतीक का दिन भी है। यही प्रतीकात्मक परिवर्तन, भारत की युवा महिलाओं की सोच, प्राथमिकताओं और जीवन के निर्णयों में स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ रहा है। एक जमाना था, जब अधिकांश युवतियां विवाह को ही सबसे जरूरी लक्ष्य मानकर जीवन जीती थीं। लेकिन आज भारत की युवा नारी के लिए विवाह एकमात्र जीवन लक्ष्य नहीं है बल्कि यह उसके जीवन के कई विकल्पों में से एक है। भारत की युवा महिलाएं करियर, आत्मनिर्भरता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को इन दिनों बराबर का महत्व दे रही हैं और उनकी प्राथमिकता में यह सब अचानक नहीं आया, इसके पीछे दशकों की शिक्षा, आर्थिक अवसरों का विस्तार तथा आत्मसम्मान की नई जागृति ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन्हीं सबके चलते विवाह जो कभी जीवन का एकमात्र प्रथम और आखिरी लक्ष्य हुआ करता था, आज की महिलाओं के लिए वह एक वैकल्पिक बन चुका है।

सोच में आया बड़ा बदलावः पहले के दौर में जहां लड़कियां परिवार और समाज के दबाव में अपनी शिक्षा और करियर को लेकर समझौता कर लेती थीं, आज वे कतई ऐसा नहीं कर रही हैं। आज युवा महिलाएं अपनी पहचान का केंद्र विवाह को नहीं, अपनी निजी उपलब्धियों (जिनमें करियर और उनकी अपनी रचनात्मकता शामिल है) को विवाह से कहीं ज्यादा तरजीह दे रही हैं। आज की युवा महिलाएं पहले अपने पैरों पर खड़ी होना चाहती हैं, अपनी आर्थिक और मानसिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करना चाहती हैं, इसके बाद विवाह के बंधन में बंधती हैं।

दिल्ली, बेंग्लुरु, मुंबई, पुणे, हैदराबाद, चेन्नई और कोलकाता ही नहीं बल्कि रांची, लखनऊ और जयपुर जैसे शहरों में भी अब यह बदलाव तेजी से देखने को मिल रहा है। आज इन शहरों में ही नहीं बल्कि छोटे-छोटे कस्बों में भी युवा महिलाओं की विवाह की उम्र बहुत आसानी से 28 से 30 साल के बीच हो गई है। जबकि एक जमाना था, जब किसी महिला की 20 साल तक अगर शादी नहीं होती थी, तो घर-परिवार में हंगामा मच जाता था। यही नहीं आज देश में 8 करोड़ से ज्यादा महिलाएं अपने स्वतंत्र निर्णय के चलते बिना विवाह किए रह रही हैं। आज के 30-40 साल पहले इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। वास्तव में महिलाओं में आया यह बदलाव सिर्फ शादी की उम्र में देरी का बदलाव नहीं है बल्कि उनकी सोच में अपने प्रति आई परिपक्वता का बदलाव है।

मनमुताबिक ले रहीं निर्णयः अब महिलाएं बड़ी सहजता से अपनी व्यक्तिगत स्वतंत्रता के संबंध में निर्णय लेने लगी हैं और यह निर्णय केवल घर से हजारों किलोमीटर दूर जाकर काम करने भर का नहीं है बल्कि यह निर्णय इस मामले में भी है कि उन्हें किस क्षेत्र में अपना करियर बनाना है, कब विवाह करना है और किस तरह की जीवनशैली अपनानी है? डिजिटल युग ने युवा महिलाओं की इस स्वतंत्रता को नए सिरे से मजबूत किया है। इंटरनेट और सोशल मीडिया ने महिलाओं को जानकारी देने, उन्हें प्रेरित करने और आगे बढ़ने के कई नए अवसर प्रदान किए हैं। आज की युवा महिलाएं देश ही नहीं दुनिया को अपनी नजरों से देख सकती हैं, समझ सकती हैं और अपने संबंध में बेहतर विकल्प चुन सकती हैं। यह स्वतंत्रता केवल व्यक्तिगत नहीं है बल्कि सामाजिक परिवर्तन का संकेत भी है। इस बदलाव में परिवार की भूमिका भी कहीं न कहीं शामिल है। *

बदलती प्राथमिकताओं की नई तस्वीर

- भारत की महिलाओं की औसत विवाह आयु अब 20 से 22 वर्ष से बढ़कर 25 से 28 वर्ष हो चुकी है।
- उच्च शिक्षा में छात्राओं की भागीदारी अब 59 फीसदी तक पहुंच गई है।
- सिविल सेवा परीक्षा में उनकी सफलता की दर बढ़कर 30 से 35 प्रतिशत हो चुकी है।
- स्टार्टअप के इकोसिस्टम में भी अब महिलाएं अपनी हिस्सेदारी हासिल कर रही हैं। आज हजारों की तादाद में युवा महिलाएं हैं, जिनके अब स्टार्टअप चल रहे हैं और उनकी यह संख्या लगातार बढ़ रही है।
- कॉरपोरेट क्षेत्र में महिला कर्मचारियों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है।
- डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से लाखों महिलाएं स्वरोजगार से भी जुड़ रही हैं। इस तरह अब नई पीढ़ी की महिलाएं आत्मनिर्भर ही नहीं बल्कि निर्णायक बन रही हैं।

{ कविता / कुसुम अग्रवाल }

एक सपना

मैंने देखा था इक सपना
सपने में थी मोटर-कार।
स्टेयरिंग, सीटें, सब कुछ उसमें,
पर नहीं थे पहिए चार।
मैंने सोचा, 'कैसे दौड़े?
कैसे पकड़ेगी रफ्तार?'
एक जगह जो खड़ी रहे तो
हो जाए बिल्कुल बेकार।
हंसकर बोली मोटर मुझसे,
जान गई हूं मन की बात।
पहिए तुम्हें जोड़ने होंगे
तब दौड़ूंगी दिन एक रात।
पहला पहिया साहस का हो,
दूजा हो आत्मविश्वास।
तीसरा पहिया मेहनत वाला
चौथा दृढ़ संकल्प-प्रयास।
जब ये चारों संग जुड़ेंगे,
राह सरल बन जाएगी।
जीवन रूपी गाड़ी तब ही
मंजिल तक पहुंचाएगी।

{ लघुकथाएं }

सपनों की उड़ान

'तुम्हारे जाने की टिकट बुक करवा दूं?' दिवेश का मैसेज आए आधे घंटे हो चुके थे, लेकिन रीमा को कोई जवाब सूझ नहीं रहा था। मन कुछ कह रहा था, दिमाग कुछ और!

थोड़ी देर में दिवेश का फोन आया, उसने पूछा, 'क्या हुआ तुमने कोई जवाब नहीं दिया?' 'क्या जवाब दूं, समझ नहीं आ रहा मुझे!' रीमा बुझे स्वर में बोली।

'लिटरेचर का इतना बड़ा सेमिनार है, लेकिन तुम सब को छोड़कर हफ्ते भर के लिए बाहर जाना सही नहीं रहेगा। मेरा ध्यान यहीं लगा रहेगा।' इतना कह रीमा ने फोन रख दिया।

एआई इमेज

शाम को दिवेश दफ्तर से आए। सभी रुटीन के हिसाब से अपने-अपने काम में लगे थे। रीमा ने संतुष्टि भरी दृष्टि से सबको देखा, फिर वह भी अपने काम में लग गई।

थोड़ी देर बाद दिवेश रसोई में आए और रीमा के हाथों में एक पैकेट थमाते हुए बोले, 'सबका ध्यान रखना और सबसे प्यार करना अच्छी बात है, लेकिन थोड़ा अपने बारे में भी सोचना पाप नहीं। मैं तुम्हारे लिए अच्छी सी ड्रेस लेकर आया हूं। तुम यही ड्रेस पहन कर अपने सेमिनार में जाना। मैंने तुम्हारे जाने का टिकट बुक कर दिया है।'

'लेकिन बच्चे..!' रीमा ने पूछा।

'हम लोग रह लेंगे मम्मा। बड़े हो गए हैं हम भी। पापा ने हमें सब बता दिया है।' पीछे से बच्चों की आवाज आई।

'हां बिल्कुल! आज मैं, कल को बच्चे अपने सेमिनार और दूसरे कामों से बाहर जाएंगे ही। फिर तुम क्यों सब कुछ छोड़ती रहो! बेझिझक जाओ।' दिवेश बोले।

रीमा का चेहरा खुशी से खिल उठा। अपने सपनों को पंख लगते देख उसकी आंखें छलछला उठीं। *

-अलका 'सोनी'

हार्दिक शुभकामनाएं!

'शांति आधे घंटे की छुट्टी मिली है...जल्दी से रोटी खा ले, वरना ठेकेदार चिल्लाएगा।' बेला ने कहा।

'चिल्लाए तो... चिल्लाने दे। पहले मैं अपनी बेटी को दूध पिलाऊंगी...उसे भी तो भूख लग रही होगी।' शांति अपनी छह महीने की बच्ची को गोद में उठाते हुए बोली। कलेजे के टुकड़े को दूध पिलाकर लाड़ लड़ाते-लड़ाते कब आधा घंटा बीत गया...शांति को पता ही नहीं चला।

एआई इमेज

'अरी शांति की बच्ची... चल उठ काम पर लग जा देखती नहीं पांच मिनट ऊपर हो गए हैं...।' ठेकेदार चिल्लाया।

बेला बीच में बोल पड़ी, 'ठेकेदार जी, अभी शांति ने रोटी नहीं खाई है बच्ची को दूध पिला रही थी बेचारी...।'

'चल तू अपना काम कर... फालतू की पंचायत मत कर।'

ठेकेदार ने बेला को डांटा।

उसी समय एक सफेद चमचमाती कार आकर रुकी। उसमें से एक भद्र महिला बाहर निकली। ठेकेदार दौड़ता हुआ उसके पास पहुंचा। उन्हें एक गुलदस्ता देते हुए बोला, 'मैडम, महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।' *

-गोविंद भारद्वाज

घरेलू महिला

'आशी को बस घरेलू काम आते हैं। देखो, इस कमरे को कैसा चमका रखा है।' आशी का पति पवन अपने दोस्तों के साथ गपशप करते हुए बोला।

आशी इन दिनों एक परिचित के विवाह समारोह में शामिल होने शहर से बाहर गई हुई थी। पवन ने घर पर दोस्तों के साथ गपशप के बाद सबको विदा किया ही था कि आशी का फोन आया। वह पति से बोली, 'पवन, बस कुछ मिनटों का एक काम है। पूजा घर में एक हरी फाइल रखी है। उसे निकालकर देख लो और पॉलिसी की किश्त जमा कर देना जरा।'

इतना कहकर और बाकी हाल-चाल पूछकर आशी ने फोन काट दिया।

पवन को झुंझलाहट हुई, अब तक पॉलिसी के रुपए आशी ही जमा करती रही थी। 'अजीब है यह आशी भी, इतना सा काम नहीं होता इससे।' बड़बड़ करता पवन पूजा घर में पहुंचा।

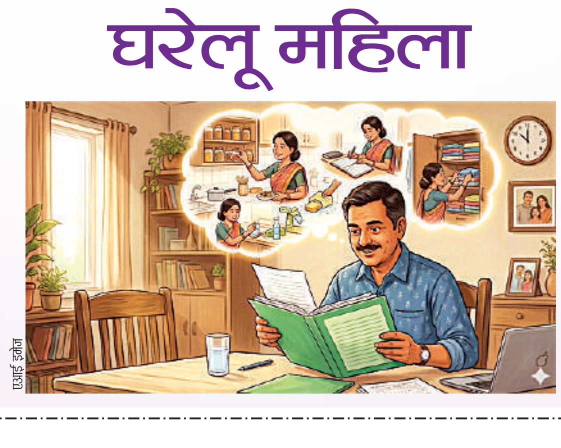
एआई इमेज

हरी फाइल एक नजर में ही ऊपर रखी दिख गई। उसने फाइल को खोला। ऊपर ही वह पॉलिसी रखी थी। उसके बाद उत्सुकता से पवन ने पूरी फाइल पलटकर देख ली। एक-एक कागज को करीने से उसमें रखा गया था। एक सूची भी अलग से बना रखी थी कि किस साल कौन-सी पॉलिसी मैच्योर हो रही हैं। इतना ही नहीं एक छोटी-सी नोटबुक में पासवर्ड भी लिखे थे। आशी को पवन बस घरेलू महिला ही मानता था। लेकिन उसका तो हर काम इतना सलीके से होता है। पवन ने पॉलिसी के रुपए जमा कर दिए। फाइल को करीने से यथास्थान रख दिया।

अब वह अपने शेल्फ को ठीक कर रहा था। जहां उसने अपने निजी कागज कचरे की तरह यहां-वहां घुसा रखे थे। *

-पूनम पांडे

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

स्त्री केंद्रित कहानियां

समाज के दमित, शोषित और वंचित वर्ग के साथ ही मुशी प्रेमचंद ने स्वाधीनता से पहले स्त्रियों की सामाजिक दशा पर भी कई मर्मस्पर्शी कहानियां लिखी हैं। उनके द्वारा लिखी गई सोलह स्त्री केंद्रित कहानियों का संकलन हाल में पल्लव के संपादन में छपकर आया है। इन कहानियों से गुजरते हुए स्त्री जीवन की अलग-अलग छवियां प्रकट होती हैं। अपनी कहानियों में उन्होंने मुख्य तौर पर अन्याय, अनाचार और शोषण के विरुद्ध अपना स्वर बुलंद करने वाले स्त्री पात्रों को ही रचा है। फिर वो चाहे 'कुसुम' कहानी की मुख्य पात्र कुसुम हो, जो विवाह होने के बाद भी दहेज के विरोध में आक्रोश प्रकट करते हुए दांपत्य के बंधन को तोड़कर स्वतंत्र रहने के लिए तैयार हो जाती है या 'सती' कहानी की विधवा मुलिया हो, जो अपनी अस्मिता पर कुदृष्टि रखने वाले का पूरी दृढ़ता से प्रतिकार करती है। या फिर 'विध्वंस' कहानी की भुनगी, जो अपने परिश्रम का वाजिब मूल्य मांगने से नहीं झिझकती है। कह सकते हैं कि लगभग एक सदी पहले के संकीर्ण और परंपरावादी सोच से ग्रस्त भारतीय समाज में भी प्रेमचंद की कहानियां, स्त्री सशक्तिकरण की आवाज बुलंद करती हैं। *

पुस्तकः प्रेमचंद की स्त्री कथाएं,
संपादनः पल्लव, **मूल्यः** 250 रुपए,
प्रकाशकः राजपाल एंड संस, दिल्ली

पिंक बॉल टेस्ट : ऑस्ट्रेलिया ने की अपनी पकड़ मजबूत, दूसरी पारी में भारत ने गंवाए 6 विकेट

पर्थ। भारत के खिलाफ वाका ग्राउंड पर जारी इकलौते डे-नाइट टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम ने अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। टीम इंडिया दूसरे दिन की समाप्ति तक 6 विकेट खोकर सिर्फ 105 रन ही बना सकी है। फिलहाल मेजबान ऑस्ट्रेलिया के पास पहली पारी के आधार पर 20 रन की लीड शेष है।

पहली पारी में टीम इंडिया नहीं बना पाई बड़ा स्कोर

टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी भारतीय टीम पहली पारी में सिर्फ 198 रन पर सिमट गई। भारत की ओर से इस पारी में जेमिमा रोड्रिगेज ने 84 गेंदों में 7 चौकों की मदद से 52 रन की पारी खेली, जबकि शेफाली वर्मा ने 35 रन और काश्वी गौतम ने नाबाद 34 रन टीम के खाते में जोड़े। विपक्षी खेमे से एनाबेल सदरलैंड ने सर्वाधिक 4 विकेट हासिल किए, जबकि लूसी हैमिल्टन ने 3 विकेट निकाले। 2 विकेट डार्सी ब्राउन के हाथ लगे। 1 विकेट एश्ले गार्डनर ने अपने नाम किया। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 323 रन बनाकर पहली पारी के आधार पर 125 रन की शानदार बढ़त हासिल कर ली। कप्तान एलिस पेरी ने एनाबेल सदरलैंड के साथ चौथे विकेट के लिए 128 रन की साझेदारी की, जिसके बाद सदरलैंड ने बेथ मूनी के साथ पांचवें विकेट के लिए 54 रन जुटाए। एलिस पेरी 11 बाउंड्री के साथ 76 रन बनाकर आउट हुईं, जबकि बेथ मूनी ने 19 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। सदरलैंड ने 171 गेंदों में 17 चौकों के साथ 129 रन बनाकर टीम को शानदार बढ़त दिलाने में अहम भूमिका निभाई। भारत की तरफ से सायली सतघरे ने सर्वाधिक 4 विकेट निकाले। क्रांति गौड़ और दीप्ति शर्मा ने 2-2 विकेट हासिल किए। स्नेह राणा और शेफाली वर्मा ने 1-1 विकेट निकाला।

दूसरी पारी में भी नहीं चला स्मृति का बल्ला

इसके बाद टीम इंडिया ने दूसरे दिन की समाप्ति तक अपनी दूसरी पारी में 29 ओवरों का सामना किया, जिसमें 6 विकेट गंवाकर महज 105 रन बनाए हैं। भारत को 2 रन पर स्मृति मंधाना (2) के रूप में बड़ा झटका लगा। इसके बाद 10 के स्कोर पर शेफाली वर्मा (5) का विकेट भी गिर गया। यहां से प्रतीका रावल ने जेमिमा रोड्रिगेज (14) के साथ 28 रन, जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर (11) के साथ 26 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभालने की कोशिश की। इसके अलावा, स्नेह राणा के साथ सातवें विकेट के लिए 23 रन की अटूट साझेदारी की। प्रतीका दूसरे दिन की समाप्ति तक 43 रन बनाए। 84 गेंदों की इस पारी में उनके बल्ले से 6 चौके निकले हैं, जबकि स्नेह राणा 2 चौकों के साथ 14 रन बना चुकी हैं। विपक्षी खेमे से लूसी हैमिल्टन ने 3 विकेट हासिल कर लिए हैं, जबकि सदरलैंड 2 विकेट ले चुकी हैं। 1 विकेट डार्सी ब्राउन ने प्राप्त किया है।

अनाबेल ने शतक लगाकर रचा इतिहास

ऑस्ट्रेलिया की अनाबेल सदरलैंड टेस्ट में लगातार तीन पारियों में शतक बनाने वाली पहली महिला क्रिकेटर बन गईं। उन्होंने पर्थ में भारत के खिलाफ पिंक बॉल टेस्ट मैच के दूसरे दिन 129 रन की पारी खेली। अपना सातवां टेस्ट मैच खेल रही सदरलैंड ने 17 चौकों की मदद से अपना चौथा टेस्ट शतक बनाया। उन्होंने 171 गेंद पर 129 रन बना लीं। इससे ऑस्ट्रेलिया को मैच में बड़ी बढ़त बनाने में मदद मिली। यह सदरलैंड की टेस्ट क्रिकेट में लगातार तीसरा शतक है और पिछले पांच टेस्ट में उनका चौथा सैकड़ा है। सदरलैंड टेस्ट क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया की महिला खिलाड़ियों में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली आठवीं खिलाड़ी हैं। उन्होंने 89 के शानदार औसत से रन बनाए हैं। वह अपने करियर में चार बार 50 रन का आंकड़ा पार किया है और हर बारे उशे शतक में बदला है। टेस्ट क्रिकेट में उनका बेस्ट स्कोर 210 है, जो उन्होंने 2024 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ इसी मैदान पर बनाया था।

खबर संक्षेप

फिट इंडिया का अंतरराष्ट्रीय महिला कार्निवल शुरू

नई दिल्ली। फिट इंडिया मूवमेंट ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में शनिवार से तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस कार्निवल शुरू किया। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस आठ मार्च को मनाया जाता है। इस कार्यक्रम की थीम 'मजबूत महिलाएं, मजबूत राष्ट्र' है। इसमें सीमा सुरक्षा बल, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस और दिल्ली पुलिस जैसे भारत के सशस्त्र बलों और सुरक्षा सेवाओं से जुड़ी 500 से अधिक महिलाएं भाग ले रही हैं। इसमें फिटनेस गतिविधियों और खेलों के माध्यम से महिलाओं की ताकत, लचीलेपन और नेतृत्वक्षमता को उजागर किया जा रहा है। इस कार्यक्रम की शुरुआत में कई प्रख्यात हस्तियों ने भाग लिया और फिटनेस, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण पर अपने विचार रखे।

शीतकालीन पैरालंपिक खेल शुरू, रूसी ध्वज की वापसी

वेरोना। मध्य पूर्व में बढ़ते युद्ध के तनाव के बीच मिलान कोर्टिना शीतकालीन पैरालिंपिक खेल शुरू हो गए, जिसमें कुछ देशों ने वैश्विक खेल मंच पर रूसी ध्वज की वापसी के कारण उद्घाटन समारोह का बहिष्कार किया। उद्घाटन समारोह में इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले राष्ट्रों की परेड में रूस के ध्वज की वापसी हुई। इससे लॉस एंजिलिस में 2028 में होने वाले ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों से पहले रूस की ओलंपिक जगत में पूर्ण वापसी की संभावना बढ़ गई है। परेड के दौरान रूस के खिलाड़ी मंच पर आए तो कुछ दर्शकों ने उनकी हूटिंग की। चमकीले लाल रंग की पोशाक पहने चार खिलाड़ियों ने रूस का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने एरिना डि वेरोना में परेड करते हुए दर्शकों का अभिवादन किया। रूस के 2022 में यूक्रेन पर हुए आक्रमण के बाद पहली बार किसी बड़ी वैश्विक खेल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने पर उसका राष्ट्रगान बजाया जा सकता है।

ऑस्ट्रेलिया वुमेंस क्लासिक प्रणवी 5वें, दीक्षा 14वें स्थान पर

मजेंटा शोर्स। भारतीय गोल्फर प्रणवी उर्स (70) ऑस्ट्रेलिया वुमेंस के तीसरे दौर में 17वें होल पर शीर्ष-पांच में अपनी जगह बनाए रखने में सफल रहीं। प्रणवी ने तीसरे दौर में 70 का कार्ड खेला, उनका कुल स्कोर 8 अंडर (72-66-70) का है। केल्सी बेनेट (66-68-70) कुल 12-अंडर पार के स्कोर के साथ एक शॉट की बढ़त हासिल कर ली है। दीक्षा डागर (69) दूसरे दौर में 73 के स्कोर से उबरते हुए अपना कुल स्कोर पांच अंडर तक पहुंचाने में सफल रही।

भारत और कीवी टीम के बीच फाइनल मुकाबला आज शाम 7 बजे से

इतिहास रचने के लिए टीम इंडिया को पार करनी होगी न्यूजीलैंड की मुश्किल बाधा

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

बेहद प्रतिभाशाली और लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली भारतीय टीम पर न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को होने वाले टी20 विश्व कप के फाइनल में इतिहास रचने की उम्मीदों का बोझ होगा, भले ही सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम का पलड़ा भारी माना जा रहा है। दुनिया के सबसे बड़े स्टेडियमों में से एक नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में भारत को 19 नवंबर 2023 को बड़ा झटका लगा था जब वह ऑस्ट्रेलिया से वनडे विश्व कप का फाइनल हार गया था। तब भारत ने भावुक नम आंखों वाले रोहित शर्मा को ड्रेसिंग रूम की सीढ़ियों पर चढ़ते हुए देखा था। केवल भारतीय टीम ही नहीं बल्कि स्टेडियम में मौजूद 93000 दर्शक भी सन्न रह गए थे। भारत ने हालांकि 2024 में रोहित शर्मा की कप्तानी में टी20 विश्व कप जीतकर इसकी काफी हद तक भरपाई कर दी थी। अब खेल के सबसे छोटे प्रारुप की भारतीय टीम सूर्यकुमार की कप्तानी में खिताब का बचाव करने और इस प्रतिष्ठित ट्रॉफी को तीन बार जीतने वाली पहली टीम बनने की कोशिश करेगी।

भारत को टूर्नामेंट में मिला किस्मत का साथ

भारत को अब तक इस टूर्नामेंट में किस्मत का साथ मिला है। अगर वह खिताब जीत जाता है तो उन्हें सराहना मिलेगी लेकिन अगर वह हार जाते हैं तो फिर बहुत बड़ा बवाल मच सकता है। सूर्यकुमार ने पिछले दो वर्षों में टीम का बहुत अच्छी तरह से नेतृत्व किया है, भले ही एक बल्लेबाज के रूप में वह उम्मीदों पर पूरी तरह खरा नहीं उतर पाए। रविवार का दिन उनके करियर के लिए निर्णायक क्षण होगा। अगर उनकी टीम खुशगवार मौसम में अच्छा प्रदर्शन करती है तो उनकी सारी नाकामियां पल भर में भुला दी जाएंगी।

भारत के लिए न्यूजीलैंड की चुनौती आसान नहीं

भारत के लिए न्यूजीलैंड की चुनौती आसान नहीं होगी क्योंकि किसी भी दिन फिन एलन, लॉकी फर्ग्यूसन या मैट हेनरी जैसे खिलाड़ी अपनी क्षमता से कहीं बेहतर प्रदर्शन करना जानते हैं। मिचेल सैंटनर या ग्लेन फिलिप्स जैसे खिलाड़ी जानते हैं कि एक मजबूत टीम के खिलाफ किस तरह से चुनौती का सामना करना होता है। न्यूजीलैंड के लिए सबसे बड़ा खतरा 'अहमदाबाद का सरदार' होगा। इस सरदार का नाम जसप्रीत बुमराह है।

टीमें इस प्रकार

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, रिंकू सिंह, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, वाशिंगटन सुंदर।
न्यूजीलैंड: मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, टिम सीफर्ट, रचिन रविंद्र, मार्क चैपमैन, ग्लेन फिलिप्स, डैरिल मिचेल, मैट हेनरी, लॉकी फर्ग्यूसन, कोल मैककॉन्ची, काइल जैमीसन, जैकब डफी, डेवोन कॉनवे, जिमी नीशम, इश सोढ़ी।

टी20 विश्व कप

न्यूजीलैंड से मिली टीम इंडिया के दिल तोड़ने की चेतावनी

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने कहा कि जब दुनिया युद्ध की विभीषिका झेल रही है तब उनकी टीम रविवार को यहां होने वाले टी20 विश्व कप में करोड़ों भारतीयों के दिल को तोड़ने के लिए पूरी तरह से तैयार है। सैंटनर वर्तमान समय के अन्य कप्तानों की तरह जोशीले नहीं हैं और ना ही वह मजाक करते हैं लेकिन उनकी हाजिरजवाबी से दर्शक ठहाके लगा देते हैं।

न्यूजीलैंड पिछले 11 वर्षों में पांच बार आईसीसी के किसी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचा है लेकिन उसे दूसरे स्थान से ही संतोष करना पड़ा। सैंटनर ने कहा , 'हम मैदान पर उतरते हैं और एक टीम के रूप में अपना काम करते हैं। इस बार भी इसमें कोई बदलाव नहीं आएगा। निश्चित रूप से यह एक चुनौती होगी, क्योंकि हर कोई जानता है कि हम शायद जीत के प्रबल दावेदार नहीं हैं। हमें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। ट्रॉफी जीतने के लिए कुछ लोगों का दिल तोड़ने में मुझे कोई आपत्ति नहीं होगी।'

उन्होंने कहा, ' यह कहना आसान है कि यह बस एक और मैच की तरह है लेकिन हर कोई जानता है कि ऐसा नहीं है। इसके लिए आपकी अच्छी रणनीति और तैयारी होनी चाहिए।' सैंटनर ने कहा, 'विशेषकर टी20 क्रिकेट में कुछ ही पलों में पासा पलट जाता है। इन पलों में आप विपक्षी टीम पर दबाव बना सकते हैं या उनका फायदा उठा सकते हैं। मुझे लगता है कि हमने हाल के मैचों में यही देखा।'

टीम की हर रणनीतिक चर्चा में बुमराह का नाम आना स्वाभाविक

न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने कहा कि भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप के फाइनल से पहले जसप्रीत बुमराह जैसी काबिलियत वाले गेंदबाज का नाम उनकी टीम की रणनीतिक चर्चाओं में आना स्वाभाविक है। बुमराह इस टी20 विश्व कप में शानदार फॉर्म में हैं और सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ उनके डेथ ओवर के प्रदर्शन को अब तक की यादगार गेंदबाजी में गिना जा रहा है। सैंटनर ने कहा, 'बुमराह, मुझे लगता है कि वह जिस तरह से खेल रहे हैं, उनका नाम हर चर्चा में होना चाहिए। इंग्लैंड के खिलाफ उनकी गेंदों को हिट करना काफी मुश्किल लग रहा था। और निश्चित रूप से वह भारत के लिए 'गेम चेंजर' (मैच का रूख बदलने वाले' थे। ' लेकिन सैंटनर ने साथ ही चेतावनी भी दी कि केवल बुमराह पर ध्यान देना मूर्खतापूर्ण होगा क्योंकि कई भारतीय खिलाड़ी अलग-अलग मैचों में अहम भूमिका निभा चुके हैं।

महिला हॉकी विश्व कप

भारत और उरुग्वे के बीच क्वालीफायर मैच आज

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

अनुभवी कोच शोर्ड मारिन के टीम से जुड़ने के बाद उत्साह से भरी भारतीय टीम एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप में जगह बनाने के लक्ष्य के साथ क्वालीफायर में उरुग्वे के खिलाफ रविवार को होने वाले मैच में जीत दर्ज करके अपने अभियान की सकारात्मक शुरुआत करने की कोशिश करेगी।

इस टूर्नामेंट में आठ टीमें मेजबान भारत, इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, कोरिया, इटली, उरुग्वे, वेल्स और ऑस्ट्रिया विश्व कप के तीन स्थानों के लिए अपनी चुनौती पेश करेंगे। इस टूर्नामेंट में विश्व कप के तीन स्थान दांव पर लगे होने का मतलब है कि पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम बेल्जियम और नीदरलैंड में 14 से 30 अगस्त तक होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगी।

इसी दौरान इन दोनों देशों में पुरुष विश्व कप भी खेला जाएगा। यह मारिन की मुख्य कोच के रूप में पहली जिम्मेदारी होगी। नीदरलैंड के इस कोच 2021 के तोक्यो ओलंपिक में भारतीय टीम के ऐतिहासिक चौथे स्थान पर रहने के बाद पद छोड़ दिया था और अब वह वापसी कर रहे हैं। भारत इस समय विश्व रैंकिंग में नौवें स्थान पर है और टूर्नामेंट में सातवें नंबर की टीम इंग्लैंड के बाद दूसरी सबसे ऊंची रैंकिंग वाली टीम है।

घरेलू मैदान पर खेलने को लेकर बेहद उत्साहित

भारत की कप्तान सलीमा टेटे ने कहा, 'हम अपने प्रशंसकों के सामने घरेलू मैदान पर क्वालीफायर खेलने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। टीम ने इस टूर्नामेंट के लिए कड़ी तैयारी की है क्योंकि हम जानते हैं कि दांव पर क्या लगा है। यहां हर टीम विश्व कप में जगह बनाने के लिए खेल रही है, इसलिए हम शुरुआत से ही कड़े मुकाबलों की उम्मीद कर रहे हैं।' विश्व रैंकिंग के हिसाब से देखें तो भारत उरुग्वे के खिलाफ जीत का प्रबल दावेदार है।

रोनाल्डो की चोट गंभीर मैत्री मैचों में खेलना संदिग्ध

रियाद। अल-नासर के कोच जॉर्ज जीसस ने कहा कि क्रिस्टियानो रोनाल्डो की हैमस्ट्रिंग की चोट जितना अनुमान लगाया जा रहा था उससे अधिक गंभीर है। इस चोट के कारण 41 वर्षीय रोनाल्डो का पुर्तगाल की तरफ से आगामी मैत्री मैचों में खेलना भी संदिग्ध है। यह स्टार फुटबॉलर पिछले सप्ताहांत अल-नासर की सऊदी प्रो लीग में अल-फायहा पर 3-1 से मिली जीत के दौरान लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर चला गया था। जीसस ने कहा, 'पिछले मैच में क्रिस्टियानो को मांसपेशियों में खिंचाव के कारण मैदान छोड़ना पड़ा था। अब जांच से यह स्पष्ट हो गया है कि हमने जितना अनुमान लगाया था उनकी चोट उससे अधिक गंभीर है।' उन्होंने कहा, ' उन्हें आराम करने और उचित उपचार करने की जरूरत है। क्रिस्टियानो इलाज के लिए स्पेन जाएंगे। उन्हें अपने निजी फिजियोथेरेपिस्ट से इलाज करवाना होगा। हमें उम्मीद है कि वह जल्द ही टीम में वापसी करेंगे।' पुर्तगाल विश्व कप की अपनी तैयारी के तहत 28 मार्च को मैक्सिको के खिलाफ मैक्सिको सिटी में और इसके बाद एक अप्रैल को अमेरिका के खिलाफ अटलांटा में मैत्री मैच खेलेगा।

चार्टर विमान से घर लौटेंगे द. अफ्रीका इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के खिलाड़ी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिका और इजराइल के ईरान पर किए गए हमलों के बाद अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षेत्र में हुए व्यवधान के बाद इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज की टीम इस सप्ताहांत अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से मुहैया कराई गई चार्टर उड़ानों से भारत से रवाना होंगी। सूत्र ने बताया कि गुरुवार को दूसरे सेमीफाइनल में भारत से हारने वाली इंग्लैंड टीम के शनिवार शाम को मुंबई से लंदन के लिए सीधी उड़ान से रवाना होने की उम्मीद है। वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका अन्य दो टीमें हैं, जो अपना अभियान समाप्त होने के बावजूद अब भी भारत में हैं। वेस्टइंडीज की टीम भारत से पांच विकेट से हारने के बाद टी20 विश्व कप से बाहर हो गई थी। दक्षिण अफ्रीका का अभियान भी बुधवार को पहले सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड से हार के साथ समाप्त हो गया। दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज दोनों कोलकाता से एक अन्य चार्टर उड़ान से यात्रा करेंगे। दोनों टीमें पहले जोहानिसबर्ग जाएंगी, जिसके बाद वेस्टइंडीज का दल एंटीगा के लिए आगे जाएगा। उड़ान का सटीक समय अभी तय नहीं हुआ है लेकिन इसके रविवार को रवाना होने की उम्मीद है।

ऑल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन : सेन ने शिफेंग को एक घंटे में 21-13, 21-16 से हराया

लक्ष्य की सेमीफाइनल में एंट्री, शिफेंग को दी मात

एजेंसी ▶▶| बर्मिंघम

भारत के लक्ष्य सेन ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए चीन के पूर्व चैंपियन ली शिफेंग को सीधे गेम में हराकर 1,450,000 डॉलर इनामी ऑल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

विश्व के 12वें नंबर के भारतीय खिलाड़ी सेन ने चीन के विश्व में छठे नंबर के खिलाड़ी शिफेंग को ठीक एक घंटे में 21-13, 21-16 से हराया। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला कनाडा के विक्टर लाई से होगा, जिन्होंने एक अन्य क्वार्टरफाइनल मैच में जापान के कोकी वातानाबे को 18-21, 21-17, 21-15 से पराजित किया। यह इस प्रतिष्ठित चैंपियनशिप में लक्ष्य का तीसरा सेमीफाइनल है। वह 2022 में यहां उपविजेता रहे थे।

मैं अपने प्रदर्शन से खुश

लक्ष्य ने कहा, 'मैं दोनों गेम में अपने प्रदर्शन से खुश हूं। शिफेंग को भी श्रेय जाता है। कुछ लंबी रैलियां चली, हम दोनों थक रहे थे, लेकिन लंबी रैलियों के बाद भी जिस तरह से मैं डटा रहा, उससे मैं खुश हूं।' उन्होंने कहा, 'मेरे कोच भी यही कह रहे थे कि अतिरिक्त तैयारी रखो क्योंकि वह भी थक जाता है, इसलिए गलती करने से बचो।' लक्ष्य ने पहले गेम में आत्मविश्वास से भरी शुरुआत की और जल्द ही 4-1 की बढ़त हासिल कर ली। उन्होंने आक्रामक खेल दिखाते हुए अपनी बढ़त 10-4 तक पहुंचा दी। इंटरवल तक वह 11-6 से आगे थे। इसके बाद हालांकि लक्ष्य को शिफेंग के शक्तिशाली ओवरहेड क्रॉसकोर्ट स्मैश को समझने में थोड़ी देर के लिए संघर्ष करना पड़ा, फिर भी उन्होंने अपना नियंत्रण बनाए रखा और 15-11 से आगे निकल गए।

घटिया कार्य पर ठेकेदार ब्लैकलिस्ट, कंसलटेंट के विरुद्ध कार्रवाई और विभागीय अधिकारियों को नोटिस

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मप्र में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए लोक निर्माण विभाग की ओर से विशेष कार्ययोजना बनाकर औचक निरीक्षण की व्यवस्था की गई है।

इसी क्रम में विभाग की ओर से बनाई गई कार्ययोजना के तहत 6 मार्च को मुख्य अभियंताओं के सात दलों ने सीहोर, पांढुर्णा, भिण्ड, बड़वानी, मऊगंज, उज्जैन और पन्ना जिलों में विभिन्न निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कुल 35 कार्यों को रेंडम आधार पर चयनित कर उनकी गुणवत्ता और प्रगति का परीक्षण किया गया है।

» ***सात जिलों में निर्माण कार्यों की जांच, 35 प्रोजेक्ट का किया औचक निरीक्षण***

» ***प्रतिवेदनों की समीक्षा बैठक में प्रबंध संचालक यादव ने दिए निर्देश***

निरीक्षण के दौरान इन कार्यों की हुई जांच

निरीक्षण किए गए कार्यों में 21 कार्य लोक निर्माण विभाग (सड़क, पुल) के, 5 कार्य परियोजना क्रियान्वयन इकाई (भवन) के, 6 कार्य मप्र सड़क विकास निगम, 2 कार्य मप्र भवन विकास निगम तथा एक कार्य राष्ट्रीय राजमार्ग से संबंधित थे। निरीक्षणों से प्राप्त प्रतिवेदनों की समीक्षा बैठक मप्र सड़क विकास निगम के प्रबंध संचालक भरत यादव, की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई। बैठक में प्रमुख अभियंता (सड़क, पुल) केपीएस राणा, प्रमुख अभियंता (भवन) एसआर बघेल, प्रमुख अभियंता (बीडीसी) अजय श्रीवास्तव, तकनीकी सलाहकार एमपीआरडीसी आरके मेहरा सहित विभाग के सभी मुख्य अभियंता, अधीक्षण यंत्री, कार्यपालन यंत्री और निरीक्षण दल के अधिकारी ऑनलाइन शामिल हुए।

काम संतोषजनक नहीं मिलने पर कई ठेकेदार ब्लैकलिस्ट

समीक्षा में भिण्ड जिले के उदोतगढ़ में निर्माणाधीन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन तथा जी-टाइप और एचआई-टाइप आवासीय भवनों का कार्य संतोषजनक नहीं पाए जाने पर संबंधित ठेकेदार मे. जय कैला देवी कंस्ट्रक्शन कंपनी, मुरैना को ब्लैकलिस्ट करने तथा कंसल्टेंट मे. एनोवियस कंसल्टेंट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, भोपाल के विरुद्ध कार्रवाई और वसूली के निर्देश दिए गए। साथ ही संबंधित विभागीय अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए। इसके अलावा निरीक्षण के दौरान पाए गए 20 निर्माण कार्यों में आवश्यक सुधार करने के भी निर्देश दिए।

सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध और संतोषजनक निराकरण किए जाने के निर्देश

बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि पूर्व में किए गए निरीक्षणों के प्रतिवेदनों का पालन सुनिश्चित करें। सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध और संतोषजनक निराकरण किया जाए। साथ ही मुख्य अभियंता और अधीक्षण यंत्री स्वयं इसकी नियमित समीक्षा करें, जिससे आगामी माह की ग्रेडिंग में सुधार हो सके। इसके अतिरिक्त पुल-पुलियों के मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करने तथा जहां पुल-पुलियों की स्थिति खतरनाक हो, वहां नए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए, जिससे मानसून से पूर्व आवश्यक कार्य पूरे किए जा सकें।

सड़क सुरक्षा, ब्रिज सेफ्टी ऑडिट के कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करें, सड़कों की मैपिंग पूर्ण करने के निर्देश

बैठक में सड़क सुरक्षा और ब्रिज सेफ्टी ऑडिट के कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने, लोक कल्याण सरोवरों के निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराने तथा लोक निर्माण सर्वेक्षण एप के माध्यम से सभी सड़कों की मैपिंग पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में यह भी तय किया गया कि नई सड़कों के निर्माण कार्यों के लिए कार्यादेश जारी करने से पहले संबंधित सड़क का सर्वेक्षण लोक निर्माण सर्वेक्षण एप के माध्यम से अनिवार्य रूप से किया जाएगा। विभाग के तहत नए कार्यों के वर्क ऑर्डर भी इसी एप के माध्यम से कोड जारी कर आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

खबर संक्षेप

शनिवार को ड्यूटी करानी है तो देना होगा ओवरटाइम

भोपाल। कुक्कुट विकास निगम के प्रबंध संचालक के द्वारा प्रत्येक शनिवार को शासकीय अवकाश के दिन कार्यालय आने के निर्देश जारी किए गए हैं। जो सामान्य प्रशासन विभाग के नियमों ओर निर्देश के विपरीत है। संविदा कर्मचारी अधिकारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष रमेश राठौर ने कहा है कि संविदा कर्मचारी कार्य करने में पीछे नहीं है लेकिन प्रत्येक शनिवार को बुलाया जाना उचित नहीं है। यदि कुक्कुट विकास निगम के अधिकारी प्रत्येक शनिवार को बुलाना चाहते हैं तो कर्मचारियों को प्रत्येक घंटे के हिसाब ओवरटाइम का भुगतान करें। संविदा कर्मचारी अधिकारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष रमेश राठौर ने कहा है कि यदि तानाशाही आदेश वापस नहीं किया गया तो आंदोलन किया जाएगा। संविदा कर्मचारी को उनके अतिरिक्त कार्य का उचित भुगतान मिलना ही चाहिए।

भाजपा ने बढ़ाई अपनी सोशल मीडिया टीम, 13 संभाग में प्रभारी नियुक्त

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी मप्र ने अपनी सोशल मीडिया टीम में इजाफा करते हुए 13 संभागों में प्रभारियों की नियुक्ति की है। सोशल मीडिया के प्रदेश संयोजक सुयश त्यागी ने सोशल मीडिया के संभाग प्रभारियों एवं सह प्रभारियों की घोषणा करते हुए इनकी सूची जारी की है। जारी सूची के अनुसार, भोपाल संभाग में मधुर शर्मा को संभाग प्रभारी और आयुष साहू को सह संभाग प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा उज्जैन में आशुतोष राठौर को संभाग प्रभारी और अभी जाट को सह संभाग प्रभारी, जबलपुर में अमन शर्मा को संभाग प्रभारी और अर्पण मैद को सह संभाग प्रभारी, ग्वालियर में विवेक शर्मा को संभाग प्रभारी एवं आदित्य पवैया को सह संभाग प्रभारी नियुक्त किया गया है। वहीं इंदौर में संभाग प्रभारी अंकित परमार एवं दीवपक बागवान को सह संभाग प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अतिरिक्त छिंदवाड़ा, नर्मदापुरम, रीवा, शहडोल सहित 13 संभागों में नियुक्तियां की गई हैं।

विदिशा जिले में प्रदेश की पहली जिला स्तरीय फिंगर प्रिंट लैब का हुआ शुभारंभ

सीएम डॉ. मोहन ने कहा, किसानों के हर खेत तक पहुंचेगा सिंचाई के लिए पानी

» ***प्रदेश में कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम नव्या का विदिशा से पायलट प्रोजेक्ट के रूप में हुआ शुभारंभ***

» ***राहवीर विदिशा निःशुल्क एप विकसित करने वाले युवाओं को मिले प्रमाण-पत्र***

» ***विदिशा पुलिस को उत्कृष्ट कार्यों के लिए मिला आईएसओ सर्टिफिकेशन***

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के कल्याण के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रही है। प्रत्येक खेत तक सिंचाई का पानी पहुंचाने के लिए राज्य सरकार संकल्पित है। केन-बेतना नदी जोड़ो परियोजना, पार्वती-कालीसिंध-चंबल (पीकेसी) परियोजना सहित आधुनिक सिंचाई परियोजनाओं से सिंचाई का रकबा तेजी से बढ़ रहा है। पिछले 2 वर्ष में ही प्रदेश में सिंचाई का रकबा 10 लाख हेक्टेयर बढ़ा है। प्रदेश की 55 लाख हेक्टेयर भूमि सिंचित हो रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को शमशाबाद में कृषक हितग्राही सम्मेलन और विकास कार्यों के भूमि-पूजन एवं लोकर्पण कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार वर्ष 2028 तक किसानों को गेहूं की 2700 रुपए कीमत दिलवाने के लिए प्रतिबद्ध है।

विदिशा जिले को केन-बेतवा नदी परियोजना का पूरा लाभ मिलेगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार के प्रयासों से विदिशा जिले को केन-बेतवा नदी परियोजना का पूरा लाभ मिलेगा। अब किसानों को दिन में भी सिंचाई के लिए बिजली उपलब्ध करवाई जाएगी। हमारे लिए खेतों में किसान और सीमा पर जवान दोनों बराबर है। मुख्यमंत्री ने विदिशा में प्रदेश की पहली जिला स्तरीय फिंगर प्रिंट लैब का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में गौमाता के संरक्षण और पशुपालन को प्रोत्साहित करने के लिए बड़ी गौशालाएं स्थापित की जा रही हैं। शमशाबाद में भी एक बड़ी आदर्श गौशाला बनाई जाएगी।

कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम नव्या शुरू

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में विदिशा से कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम 'नव्या' की शुरुआत की गई है। यह योजना देश के 9 राज्यों के 27 जिलों में लागू की गई है। विदिशा प्रदेश का इकलौता जिला है, जो योजना में शामिल है। इसके माध्यम से 10 वीं पास बहनों को स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। राज्य सरकार लाड़ली बहनों को हर माह 1500 रुपए की सौगात दे रही है और यह राशि धीरे-धीरे बढ़ती जाएगी। प्रदेश में भव्य सांदीपनि विद्यालय बनाए जा रहे हैं, जहां विद्यार्थियों को सर्वगुण संपन्न बनाया जाएगा। शासकीय स्कूलों के विद्यार्थियों को लैपटॉप, साइकिल, किताबें और ड्रेस उपलब्ध करवाई जा रही हैं।

हितग्राहियों को हितलाभ वितरित

राज्य सरकार ने शासकीय गौशालाओं के लिए प्रति गाय अनुदान राशि 20 रुपए से बढ़ाकर 40 रुपए कर दी है। सरकार ने डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना की शुरुआत की है, इसके तहत 25 गाय पालने पर सरकार ने 10 लाख रुपए का अनुदान प्रदान करने का प्रावधान किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शमशाबाद के लोगों के आत्मीय स्वागत से अभिभूत हूं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लाड़ली लक्ष्मी योजना, मुख्यमंत्री नरवाई प्रबंधन योजना, प्रधानमंत्री जीवन बीमा, मुद्रा योजना, कृषि यंत्र, पशुधन, खाद्य प्रसंस्करण योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए। उन्होंने विदिशा जिले के समग्र विकास के लिए 163 करोड़ रुपए की सौगात दी। लगभग 60 करोड़ लागत के 41 विकास कार्यों के लोकार्पण किए, जिसमें कुरवाई का सांदीपनि विद्यालय भी शामिल है। 104.56 करोड़ की 56 नवीन विकास परियोजनाओं का भूमि-पूजन किया गया। मुख्यमंत्री ने राज्य के बजट में विदिशा को 116 करोड़ की नई सड़कों की सौगात मिली है।

3 हजार करोड़ की लागत के बनेगा मार्ग, इंदौर-उज्जैन क्षेत्र में विकास के नए युग का होगा सूत्रपात

इंदौर-उज्जैन ग्रीनफील्ड परियोजना सरकार किसान के बीच विश्वास की बनेगी मिसाल

मुख्यमंत्री का सांवेरवासियों ने मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर किया आभार व्यक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर-उज्जैन ग्रीनफील्ड के किसानों के हित में जमीनी स्तर पर मार्ग निर्माण को स्वीकृति और उचित मुआवजे की व्यवस्था किए जाने पर इंदौर जिले के सांवेर क्षेत्र के निवासियों ने मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री को पगड़ी और बड़ी माला पहनाकर उनका अभिवादन किया गया।

मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री निवास पधारे सभी लोगों को होली और रंगपचमी की बधाई दी। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 3 हजार करोड़ रुपए की लागत से इंदौर और उज्जैन के बीच बनने वाली सड़क से इंदौर और उज्जैन का सफर सवा घंटे की जगह आधे घंटे का रह जाएगा। दोनों शहरों के बीच तेज कनेक्टिविटी से क्षेत्रीय विकास को गति मिलेगी। स्थानीय स्तर पर उद्योग, लॉजिस्टिक पार्क, किसानों को मण्डियों तक पहुंच और व्यापारियों तथा उद्योगों को सीधा लाभ मिलेगा। यह मार्ग, देश के व्यापार व्यवसाय के लिए भी महत्वपूर्ण है। देश के प्रमुख औद्योगिक और व्यापारिक केंद्रो के बीच इस मार्ग से यात्रा सुगम और कम समय में होगी। परिणामस्वरूप आवागमन बढ़ेगा और देश में इंदौर-उज्जैन क्षेत्र का महत्व और अधिक बढ़ेगा।

मार्ग से इंदौर के 20 और उज्जैन के 6 गांव लाभान्वित होंगेः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पारम्परिक और ऐतिहासिक रूप से इंदौर और उज्जैन के बीच इस मार्ग का ही उचित उपयोग होता था। इस मार्ग से इंदौर के 20 और उज्जैन के 6 गांव लाभान्वित होंगे। सिंहस्थ के लिए भी यह मार्ग सुविधाजनक और उपयोगी होगा। इंदौर-उज्जैन क्षेत्र में विकास की दृष्टि से नए युग का सूत्रपात हो रहा है। राज्य सरकार के लिए किसान हित सर्वोपरि है। किसानों के सुझावों के अनुसार इस मार्ग का निर्माण कराना और उसके लिए उचित मुआवजे की व्यवस्था करना इस बात का परिचायक है कि सरकार जो कहती है, वह करके दिखाती है। यह परियोजना किसान और सरकार के बीच विश्वास की मिसाल बनेगी।

महंगाई का 'डोज' देकर जनता को परेशान कर रही सरकारः सक्सेना

गैस सिलेंडर के बढ़ते दामों के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन, पीएम मोदी को दी 'डॉक्टर' की उपाधि

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

घरेलू एवं कमर्शियल गैस सिलेंडर की लगातार बढ़ती कीमतों और बढ़ती महंगाई के विरोध में जिला कांग्रेस द्वारा शनिवार को रोशनपुरा चौराहे पर केंद्र सरकार के खिलाफ अनोखा विरोध प्रदर्शन किया गया।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रवीण सक्सेना के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं महिला कार्यकर्ता शामिल हुई। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को प्रतीकात्मक रूप से 'डॉक्टर' की उपाधि देते हुए विरोध दर्ज कराया। कार्यकर्ताओं का कहना था कि केंद्र सरकार लगातार महंगाई का 'डोज' देकर आम जनता को परेशान कर रही है। जिला कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि गैस सिलेंडर की कीमतों में कमी नहीं की गई तो कांग्रेस पार्टी आने वाले समय में जनहित में व्यापक आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। प्रदर्शन में अमित शर्मा, राहुल सिंह राठौर, अभिषेक शर्मा, गणेश गुजरे, दीप्ति सिंह आदि मौजूद रहे।

महिलाओं की संदिग्ध मौत को लेकर महिला कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

भोपाल। रोशनपुरा चौराहा पर जिला महिला कांग्रेस कमेटी द्वारा शनिवार को धरना-प्रदर्शन किया। एपस्टीन फाइल्स से जुड़ी उन बेटियों और महिलाओं की रहस्यमयी परिस्थितियों में हुई मौत और न्याय की मांग करते हुए प्रदर्शन किया। महिला कांग्रेस ने कहा कि जब तक सच्चाई सामने नहीं आती और दोषियों को कड़ी सजा नहीं मिलती, तब तक महिला कांग्रेस आवाज़ बुलंद करती रहेगी। प्रदर्शन में केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी के इस्तीफे की मांग की गई। इस अवसर पर रुपाली शर्मा, फरज़ाना खान, सरोज कामले एवं निधि शर्मा व कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

अग्रकुल परिवार रंगपंचमी पर करेगा गुलाल वितरण

भोपाल। राजधानी की अग्रणी सामाजिक संस्था 'अग्रकुल परिवार' एवं 'माता महालक्ष्मी अन्नक्षेत्र' (हमीदिया अस्पताल) द्वारा इस वर्ष रंगपंचमी पर गुलाल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। संस्था के महेंद्र अग्रवाल ने बताया कि चैत्र कार्यक्रम प्रातः 11 बजे से सुभाष चौक एवं सर्राफा चौक पर आयोजित होगा। कार्यक्रम के दौरान आमजन को गुलाल भेंट कर शुभकामनाएं दी जाएंगी। मोहन अग्रवाल के अनुसार, इस आयोजन का मुख्य ध्येय समाज में ऊंच-नीच और भेदभाव की दूरियों को मिटाना है।

संपदा 2.0 और साइबर पंजीयन कार्यालय से कहीं से भी होगा दस्तावेजों का फेसलेस पंजीयन

हर साल 11 हजार करोड़ रुपए से अधिक राजस्व

डिजिटल पंजीयन में मप्र ने रचा इतिहास, देश का पहला पूर्ण पेपरलेस ई-रजिस्ट्रेशन सिस्टम

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मप्र में पंजीयन प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए राज्य सरकार ने संपदा 2.0 प्रणाली से दस्तावेजों का पूर्णतः पेपरलेस ई-पंजीयन शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि अत्याधुनिक तकनीक पर आधारित यह व्यवस्था नागरिकों को त्वरित सेवाएं देने के साथ-साथ प्रशासन में पारदर्शिता और सुगमता सुनिश्चित करेगी। पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग राज्य के प्रमुख राजस्व अर्जित करने वाले विभागों में शामिल है। प्रदेश में प्रतिवर्ष लगभग 16 लाख दस्तावेजों का पंजीयन किया जाता है, जिससे 11 हजार करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व प्राप्त होता है। विभाग की वेब आधारित संपदा प्रणाली के माध्यम से ई-पंजीयन और ई-स्टाम्पिंग की सुविधा प्रदान कर पूरी प्रक्रिया को एंड-टू-एंड इलेक्ट्रॉनिक बनाया गया है।

पेपरलेस और डिजिटल पंजीयन में मप्र देश का पहला

संपदा 2.0 के माध्यम से दस्तावेजों का पूर्णतः पेपरलेस और डिजिटल पंजीयन संभव हुआ है। यह व्यवस्था लागू करने वाला मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है। इस प्रणाली में कोई भी व्यक्ति कहीं से भी ई-स्टाम्प तैयार कर सकता है। साथ ही संपत्ति की पहचान भू-अभिलेख और नगरीय प्रशासन के डेटाबेस से की जाती है तथा संपत्ति की जियो-टैगिंग भी की जाती है, जिससे संपत्ति संबंधी विवादों में कमी आएगी।

प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन किया

कृषि भूमि के पूर्ण अंतरण के बाद सायबर तहसील के माध्यम से स्वतः नामांतरण की सुविधा भी शुरू की गई है, वहीं कलेक्टर ऑफ स्टाम्प न्यायालय की प्रक्रिया को भी पूरी तरह ऑनलाइन कर दिया गया है। ई-गवर्नेंस को और मजबूत बनाने के लिए भोपाल स्थित महानिरीक्षक पंजीयन कार्यालय में सायबर पंजीयन कार्यालय स्थापित किया गया है। इसके माध्यम से लगभग 75 प्रकार के दस्तावेजों का फेसलेस पंजीयन किया जा सकेगा। सायबर सब-रजिस्ट्रार राज्य के किसी भी जिले के दस्तावेजों का ऑनलाइन पंजीयन कर सकेंगे।

आधार आधारित वीडियो केवाईसी अनिवार्य

फेसलेस पंजीयन प्रक्रिया में पक्षकारों के लिए आधार आधारित वीडियो केवाईसी करना अनिवार्य होगा। दस्तावेजों के डिजिटल निष्पादन के बाद उन्हें ऑनलाइन साइबर उप-पंजीयक के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। इससे नागरिकों को उप पंजीयक कार्यालय आने की आवश्यकता नहीं रहेगी। नई व्यवस्था के तहत लीज, मॉर्टगेज, डी-मॉर्टगेज, संपत्ति में पत्नी या बेटी का नाम जोड़ने और मुख्तियारनामा जैसे दस्तावेज अब कहीं से भी ऑनलाइन तैयार कर पंजीकृत किए जा सकते हैं। डिजिटल तकनीक के उपयोग से मध्यप्रदेश ने ई-गवर्नेंस के क्षेत्र में नई मिसाल कायम की है और यह व्यवस्था सेवाओं को और अधिक पारदर्शी तथा भरोसेमंद बनाएगी।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अचिंत महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 न्यू एच-सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्पलैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। स्थानीय संपादकः प्रमोद भारद्वाज। RNI No. MPHIN/2014/55906, फोन 0755-4049930